Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

Established 1865

पायनियर

रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI NO. CHHHIN/2016/70655
वर्ष-10, अंक-26
रायपुर, रविवार 14 सितम्बर 2025
पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 3.00

www.dailypioneer.com

प्रदेश की 3 करोड़ जनता के आरोग्य के साथ विकसित छत्तीसगढ़ का सपना करेंगे पूरा : मुख्यमंत्री साय

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रदेश की 3 करोड़ जनता के आरोग्य के साथ हम विकसित छत्तीसगढ़ का सपना साकार करेंगे। पिछले 20 महीनों में प्रदेश की स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करते हुए दुर्गम अंचलों तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने का कार्य हमारी सरकार ने किया है। मुख्यमंत्री साय आज राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित तीन दिवसीय डेंटल कॉन्फ्रेंस 2025 का शुभारंभ कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दंत चिकित्सा और दांतों की देखभाल से जुड़े उपयोगी उपकरणों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा डेंटल एसोसिएशन की वार्षिक स्मारिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार बनने के पहले दिन से ही हमने प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रदेश में पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्वीकृति दी गई है, साथ ही फिजियोथैरेपी, नर्सिंग और मदर-चाइल्ड हॉस्पिटल जैसे संस्थानों की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ के साथ ही हम प्रगति की भी बात कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। वर्ष 2000 में जहां केवल एक मेडिकल कॉलेज था, वहीं आज 15 मेडिकल कॉलेज स्थापित हो चुके हैं। आयुष्मान भारत योजना और प्रधानमंत्री वय वंदना योजना से मरीजों और बुजुर्गों को निःशुल्क इलाज की सुविधा मिल रही है। वहीं, सस्ती जेनेरिक दवाइयां आम जनता को राहत प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पान मसाला, गुटखा और तंबाकू की वजह से मुँह के कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि दाँतों की देखभाल और सुंदर मुस्कान देने में दंत चिकित्सकों की अहम भूमिका है।उन्होंने चिकित्सकों से आह्वान किया कि इस दिशा में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएँ। उन्होंने भावुक होकर अपने संसदीय कार्यकाल की स्मृतियाँ साझा कीं। उन्होंने बताया कि 1999 में जब स्व.अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे, उस समय एम्स दिल्ली पर पूरे देश के मरीजों का दबाव था। तब हमने संसद में निवेदन किया था कि छत्तीसगढ़ में भी एम्स की स्थापना हो। सौभाग्य से 1 नवम्बर 2000 को राज्य गठन के बाद पहली किस्त में छह राज्यों को एम्स की सौगात मिली और छत्तीसगढ़ को भी यह ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इसी दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार ने 'छत्तीसगढ़ विजन 2047' डॉक्यूमेंट तैयार किया और 10 मिशन बनाकर प्रदेश को आगे बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सीएम साय ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश का जीएसडीपी 5 लाख करोड़ है, जिसे वर्ष 2047 तक 75 लाख करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इस दिशा में हम पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज और वन संपदा से समृद्ध है, मेहनतकश किसान और परिश्रमी जनता इसकी असली ताकत हैं। छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया की कहावत को दोहराते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश 2047 तक अपने लक्ष्यों को अवश्य प्राप्त करेगा। जीएसटी सुधारों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में जीएसटी के स्लैब को 5 और 18 प्रतिशत में एकरूप किया गया है। इससे व्यापार और कृषि क्षेत्र को लाभ मिलेगा तथा व्यावसायिक गतिविधियाँ सरल होंगी। यह प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि को दर्शाता है, जो भारत को आर्थिक रूप से और अधिक मजबूत बनाएगा। मुख्यमंत्री साय ने अंत में कहा कि मानव की मुस्कान सबसे कीमती है और उसे सुरक्षित रखने व सहेजने में दंत चिकित्सकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय इस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दंत चिकित्सक मुँह और दाँत से जुड़ी बीमारियों पर विस्तृत चर्चा करेंगे और उनके उपचार की दिशा में नए संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सेवाओं की लगातार समीक्षा कर रहे हैं और नक्सल प्रभावित व दूरस्थ अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण सुविधाएँ पहुंचाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि बस्तर में 20 विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है और यह हमारे प्रयासों का प्रमाण है कि सुकमा जिले के चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र को एनक्यूएएस सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्वीकृति के साथ अब कुल 15 मेडिकल कॉलेज होंगे। इसके अलावा बिलासपुर में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, 12 नए नर्सिंग कॉलेज और पाँच फिजियोथैरेपी कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। जायसवाल ने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल क्षेत्रों में मोबाइल मेडिकल यूनिट और दुर्गम क्षेत्रों के लिए बाइक एम्बुलेंस सेवा शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पूरे देश में सबसे अधिक कैशलेस इलाज सुविधा देने वाला राज्य बन चुका है।

क्विक न्यूज़

बिजली गिरने से पति की मौत, पत्नी गंभीर

कोरबा। कोरबा जिले में स्थित हरदी बाजार के अंतर्गत उतरदा गांव में शनिवार को खेत में काम कर रहे दंपती पर बिजली गिर गई जिसमें एक युवक की मौत हो गयी व उसकी पत्नी झुलस गयी। बताया जाता है कि खेत में काम करते समय प्रवीण कुमार मरावी (24) की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसकी पत्नी कीर्ति मरावी (22) गंभीर रूप से झुलस गई। उन्हें जिला मेडिकल कॉलेज कोरबा में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार दोपहर में अचानक मौसम बदला और घने बादलों के बीच जोरदार चमक के साथ बिजली गिरी। इस दौरान खेत में काम कर रहे प्रवीण और उनकी पत्नी इसकी चपेट में आ गए। बताया जाता है कि कीर्ति पांच माह की गर्भवती है और हादसे के बाद करीब एक घंटे तक अचेत रहीं। होश में आने पर उन्होंने अपने ससुर को घटना की जानकारी दी। इसके बाद ग्रामीणों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने प्रवीण को मृत घोषित कर दिया।

मेघालय के पूर्व मुख्यमंत्री डीडी लापांग का 93 वर्ष की आयु में निधन

शिलांग। मेघालय के पूर्व मुख्यमंत्री डीडी लापांग का शिलांग स्थित बेथानी अस्पताल में कल रात निधन हो गया। लापांग इस समय 93 वर्ष के थे और आयु-संबंधी बीमारी के कारण उनकी मृत्यु हो गई। उनके परिवार में उनकी पत्नी एमेथिस्ट लिंडा जोन्स ब्लाह और दो बच्चे हैं। मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने लापांग के निधन पर शोक व्यक्त करते हुये उन्हें जनता का एक सच्चा नेता बताया, जिनकी सार्वजनिक सेवा के प्रति दशकों तक प्रतिबद्धता रही।

ताज पैलेस होटल को बम की धमकी, पुलिस ने बताया फर्जी

नयी दिल्ली। राजधानी दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित ताज पैलेस होटल में बम धमकी की अफवाह से हड़कंप मच गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि होटल प्रबंधन को देर रात करीब दो बजे होटल के आईडी पर एक ईमेल मिला था, जिसमें धमकी भरे संदेश के जरिए विस्फोट की बात कही गई थी। सुबह मेल की जांच के बाद होटल प्रबंधन ने तुरंत चाणक्यपुरी पुलिस को इसकी सूचना दी।

नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने तय की अगले आम चुनावों की तारीख

पायनियर संवाददाता < काठमांडू
www.dailypioneer.com

नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने पहली मंत्रिमंडल बैठक में संसद को भंग करने की सिफारिश की है। प्रधानमंत्री ने आगामी संसदीय चुनाव के लिए तारीख भी 05 मार्च 2026 तय कर दी है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने संसद को भंग करने तथा अगले चुनाव कराने की सिफारिश का समर्थन किया है। कार्की ने शुक्रवार रात को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उन्हें राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 61 (तीन) और (चार) के तहत नियुक्त किया गया, जो राज्य प्रमुख को अंतरिम सरकार के नेता को नामित करने का अधिकार देता है। यह फैसला आठ-नौ सितंबर 2025 के युवा विद्रोह के बाद में आया है जिसने नेपाल की प्रमुख राजनीति को उथल-पुथल कर दिया। पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की युवा विद्रोह के प्रतिनिधियों के समर्थन से प्रधानमंत्री नियुक्त की गयीं। उन्हें छह महीने के भीतर आम चुनाव कराने को कहा गया है।

रायपुर में वायरल न्यूड पार्टी पोस्टर पर बवाल, दो युवक पुलिस हिरासत में

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

राजधानी रायपुर में सोशल मीडिया पर वायरल हुए कथित 'न्यूड पार्टी' और 'स्ट्रेंजर हाउस पार्टी' के पोस्टर ने सनसनी फैला दी है। आपत्तिजनक विज्ञापन इंस्टाग्राम अकाउंट से प्रसारित किया गया था, जिसमें युवाओं को शराब और अश्लील गतिविधियों के खुले आमंत्रण का दावा किया गया था। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एक तरफ जहां विपक्ष ने इसका विरोध किया। वहीं दूसरी तरफ पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लिया। दोनों युवक अपनी सफाई देने एसएसपी कार्यालय पहुंचे थे, जहां से उन्हें क्राइम ब्रांच ले जाकर पूछताछ शुरू की गई है। फिलहाल आयोजनकर्ताओं और डिजिटल अकाउंट्स की गहन जांच की जा रही है। इस पूरे मामले पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, हमारा देश संतों और परंपराओं की धरोहर है, इस तरह की प्रवृत्तियां पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। वहीं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने साफ चेतावनी दी, ऐसे आयोजनों की अनुमति किसी भी हाल में नहीं दी जाएगी, दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। एसएसपी लाल उमेद सिंह ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों को रायपुर पुलिस किसी भी परिस्थिति में अनुमति नहीं देगी। दो युवकों की गिरफ्तारी के बाद जांच और भी तेज कर दी गई है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही इस पूरे प्रकरण की सच्चाई सामने लाकर जिम्मेदार लोगों को कानून के दायरे में लाया जाएगा।

मादक पदार्थ रोधी कार्यबलों के प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का उदघाटन करेंगे

एजेंसी < नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के मादक पदार्थ रोधी कार्यबल के प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का उदघाटन करेंगे। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि शाह इस अवसर पर नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की वार्षिक रिपोर्ट-2024 जारी करेंगे और मादक पदार्थ विनष्टीकरण अभियान की शुरुआत करेंगे। दो दिन के इस सम्मेलन में 36 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के मादक पदार्थ रोधी कार्यबलों के प्रमुखों के साथ-साथ अन्य सरकारी विभागों के अधिकारी भाग लेंगे। यह सम्मेलन नशा-मुक्त भारत के संकल्प को मजबूत करने और इस लक्ष्य को हासिल करने के उद्देश्य से रोडमैप तैयार करने के लिए एक रणनीतिक मंच का काम करेगा। सम्मेलन का विषय 'संयुक्त संकल्प, साझा जिम्मेदारी' है। सम्मेलन में सभी संबंधित हितधारक देश में मादक पदार्थों की समस्या से निपटने के लिए किए गए सामूहिक प्रयासों की व्यापक समीक्षा और विश्लेषण करेंगे।

सदनों में नियोजित गतिरोध चिंतनीय : ओम बिरला

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि सदनों में नियोजित गतिरोध बढ़ना हम सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है इसलिए इसे समाप्त करने के लिए व्यापक संवाद की आवश्यकता है। बिरला ने कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में आयोजित 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत क्षेत्र सम्मेलन के समापन पर अपने संबोधन में कहा कि सदनों में नियोजित गतिरोध बढ़ना हम सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इस प्रवृत्ति को समाप्त करने के लिए सभी राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों के साथ व्यापक संवाद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राजनीति में विचारों और मतभिन्नताओं का होना स्वाभाविक है, क्योंकि यही लोकतंत्र की आत्मा है। इन मतभिन्नताओं के बावजूद चर्चा और संवाद को कभी थमना नहीं चाहिए। जन आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए हमारी विधायी संस्थाओं को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और उत्तरदायी होना होगा, तथा इसके लिए तकनीकी साधनों का सकारात्मक और अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए।

8 सालों तक जीएसटी के नाम पर जनता को लूटा, अब एहसान जता रहे : बैज

रायपुर। जीएसटी सुधारो को भाजपा द्वारा गरीब मध्यम वर्ग पर अहसान बताये जाने का प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा विरोध किया है। 2017 से मोदी सरकार ने अतार्किक और मनमाना जीएसटी लगाकर देश की जनता को 8 वर्षो तक लूटा है। अब उसमें कटौती करके 8 वर्षों तक जनता की जेब पर डाले गये डाके के पाप से सरकार बच नहीं सकती है। कांग्रेस ने जीएसटी की बेतहाशा दरों का उसकी समय विरोध किया था। तब मोदी सरकार अपने अहंकार में कटौती करने को तैयार नहीं थी। दवाइयों, आटा, दूध, पनीर, घी एवं खाद्य सामग्री पर 8 सालों तक भारी भरकम जीएसटी वसूल कर जनता का खून चूसने वाले अब एहसान जता रहे है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि एक मध्यम आय वाले का परिवार जो सालाना 3 से साढ़े तीन लाख खर्च करता था, उससे मोदी सरकार ने 8 सालों तक हर साल 50 हजार रू. से अधिक जीएसटी के रूप में वसूला है। कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र पर भी मोदी सरकार ने बेतहाशा जीएसटी वसूला था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि देश के व्यापार उद्योग को तबाह करने के बाद मंहगाई बढ़ाने के बाद मोदी सरकार ने जीएसटी के दो स्लैब में परिवर्तन किया है।

राज्य में बढ़ीं एमबीबीएस की 200 सीटें, शासकीय मेडिकल कॉलेज से ज्यादा क्षमता श्रीबालाजी मेडिकल कालेज में

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

दूसरे दौर की काउंसिलिंग के पहले राज्य के तीन निजी मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस की दो सौ सीटें बढ़ गई हैं। राज्य में अब शासकीय जेएनएम मेडिकल कालेज की तुलना में श्रीबालाजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस मोवा की क्षमता ज्यादा हो गई है। अब दूसरे राउंड की काउंसिलिंग में पौने चार सौ से अधिक सीट को इसके लिए आवेदन की शामिल किया जाएगा। प्रक्रिया शनिवार से शुरू होकर 17 सितंबर तक पूरी होगी। प्रवेश का अन्य शेड्यूल एमसीसी के अनुसार होगा। राज्य में एमबीबीएस बीडीएस की प्रवेश प्रक्रिया पहले राउंड के बाद से अटकी हुई है। राष्ट्रीय चिकित्सा परामर्श समिति द्वारा इसके लिए विस्तृत शेड्यूल जारी किये जाने का इंतजार है। इस बीच एनएमसी ने राज्य के तीन निजी मेडिकल कालेज में 200 सीट बढ़ाने की अनुमति प्रदान कर दी है। 100 सीट बढ़ने के बाद श्रीबालाजी मेडिकल कालेज की क्षमता 250 की हो गई है। श्री शंकराचार्य चिकित्सा महाविद्यालय में 50 सीट के इजाफे के बाद कुल संख्या 200 और अभिषेक मिश्रा स्मृति कालेज में 50 सीट की वृद्धि से क्षमता 150 की हो गई है। अनुमति प्राप्त इन सीटों को दूसरे राउंड की काउंसिलिंग में शामिल किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत में तेजी से आ रहा है बदलाव : मुख्यमंत्री माझी

पायनियर संवाददाता < भुवनेश्वर
www.dailypioneer.com

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है। माझी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि पीएम मोदी का मिजोरम, मणिपुर, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार का दौरा देश भर में प्रगति के पैमाने और गति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि 71,850 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उदघाटन और शिलान्यास एक समावेशी विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा, ये कार्य बुनियादी ढाँचे को बढ़ावा देंगे, कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगे, नागरिकों को सशक्त बनायेंगे और विकास के नए अवसर पैदा करेंगे। माझी ने बइरवी-सैरांग रेल लाइन के उद्घाटन को ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि मिज़ोरम पहली बार भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ रहा है। यह राष्ट्रीय एकता और अखंडता का प्रतीक है। माझी ने कहा, ऐसे हर कदम के साथ, भारत सशक्त, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनने के अपने लक्ष्य के और करीब पहुँच रहा है।

7300 करोड़ रुपये की 19 परियोजनाओं का रिमोट कंट्रोल से किया शिलान्यास

पीएम मोदी की मणिपुर के संगठनों से शांति की राह चुनने की अपील, केंद्र से पूरे सहयोग का दिया भरोसा

पायनियर संवाददाता < चुड़ाचांदपुर (मणिपुर)
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर के विकास और यहां के लोगों की समस्याओं के समाधान में केंद्र सरकार के पूरे सहयोग का आश्वासन देते हुए राज्य के सभी संगठनों से शांति का रास्ता अपनाने की पुरजोर अपील की है। जातीय हिंसा से उबर रहे राज्य के एक दिन के दौरे पर आये मोदी ने शनिवार को यहां पीस ग्राउंड में आयोजित एक सभा के मंच से मणिपुर में सामाजिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 7300 करोड़ रुपये की 19 परियोजनाओं का रिमोट कंट्रोल से शिलान्यास किया। इस मौके पर राज्यपाल अजय भल्ला भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने राज्य में हिंसा की पिछली घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताया लेकिन विश्वास व्यक्त किया कि राज्य की जनता मिलजुल कर प्रगति की राह पर आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा, ' मैं सभी संगठनों से अपील करूंगा कि शांति के रास्ते पर आगे बढ़कर अपने सपनों को साकार करें। मैं आपके साथ हूं.. भारत सरकार मणिपुर के लोगों के साथ है। सभा से पहले उन्होंने जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों के शिविर में जाकर उनके मुलाकात भी की। मोदी ने इस बात पर संतोष जताया कि मणिपुर में पहड़ी क्षेत्र और घाटी क्षेत्र में अलग अलग समूहों के साथ समझौते के लिए बातचीत हुई है। उन्होंने कहा, 'यह केंद्र सरकार के प्रयासों का हिस्सा है.. जिसमें संवाद, सम्मान और आपसी समझ को महत्व देते हुए शांति की स्थापना के लिए काम किया जा रहा है।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'मणिपुर के नाम में ही मणि है, यह वह मणि है जो आने वाले समय में पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र की चमक को बढ़ाने वाली है।' उन्होंने कहा कि केंद्र का यह निरंतर प्रयास है कि मणिपुर को विकास के रास्ते पर तेजी से आगे ले जाया जाये और उनकी यह यात्रा उन्हीं प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया है उससे पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों और जनजातीय समाज के लोगों की जिंदगी और बेहतर होगी।

मोदी ने आइजोल को दिल्ली से रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली राजधानी एक्सप्रेस, दो अन्य ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

आइजोल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिजोरम की राजधानी आइजोल को रेल नेटवर्क से जोड़ने वाली बरबई से सायरंग तक बनी नयी रेल लाइन पर ट्रेन परिचालन का शुभारंभ करने के साथ ही सायरंग से दिल्ली जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस, सायरंग से कोलकाता और सायरंग से गुवाहाटी जाने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मोदी मौसम की खराब के कारण समारोह स्थल तक नहीं पहुंच पाये और उन्होंने हवाई अड्डा से आभासी माध्यम से इन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। आइजोल से दिल्ली जाने वाली इस राजधानी एक्सप्रेस के शुरू होने के बाद यह पूर्वोत्तर राज्यों की चौथी राजधानी हो गयी है, जो देश की राजधानी से रेल मार्ग से जुड़ गयी। मोदी ने 05609 बरबई से कोलकाता, 05610 सायरंग से गुवाहाटी ओर सायरंग से आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) के बीच चलने वाली ट्रेनों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

पांचवां तटरक्षक वैश्विक शिखर सम्मेलन 2027 में चेन्नई में होगा

वार्ता < नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सहयोग के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को आगे बढाते हुए भारत वर्ष 2027 में चेन्नई में पांचवें तटरक्षक वैश्विक शिखर सम्मेलन की मेज़बानी करेगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 11 और 12 सितंबर को इटली में चौथे तटरक्षक वैश्विक शिखर सम्मेलन में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। सम्मेलन में 115 देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। तीन दिन के पांचवें वैश्विक शिखर सम्मेलन के दौरान अंतर्राष्ट्रीय तटरक्षक बेड़े की समीक्षा और विश्व तटरक्षक संगोष्ठी आयोजित की जायेगी। संगोष्ठी में उभरती समुद्री चुनौतियों पर व्यापक चर्चा की जायेगी। भारतीय तटरक्षक महानिदेशक परमेश शिवमणि ने इस अवसर पर ज़ोर देकर कहा कि कोई भी एक देश अकेले इतनी विशाल समुद्री चुनौतियों का समाधान नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि 2027 में चेन्नई शिखर सम्मेलन दुनिया भर के तटरक्षकों के बीच अंतर-संचालन, विश्वास और मज़बूत सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समावेशी मंच के रूप में काम करेगा। शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता के औपचारिक हस्तांतरण के दौरान महानिदेशक शिवमणि ने शिखर सम्मेलन को साझा समुद्री चुनौतियों से निपटने में वैश्विक तटरक्षक सहयोग का एक प्रकाश स्तंभ बताया।

मोदी की हिंसाग्रस्त मणिपुर की यात्रा महज दिखावा : खरगे

पायनियर संवाददाता < नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हिंसा से जूझ रहे मणिपुर की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा को दिखावा करार देते हुए कहा है कि उन्होंने शांति बहाली का ठोस प्रयास करने की बजाय शोर शराबा करने पर ज्यादा ध्यान दिया है। खरगे ने प्रधानमंत्री के नाम एक संदेश में कहा नरेंद्र मोदी, मणिपुर में आपका तीन घंटे का पड़ाव करुणा नहीं, बल्कि एक दिखावा है और हिंसा से घायल हुए लोगों के जख्मों का अपमान है। मणिपुर की राजधानी इम्फाल और चुराचांदपुर में आप जो तथाकथित रोड शो कर रहे हैं वह राहत शिविरों में रहने वाले लोगों का दर्द सुनने से बचने का एक प्रयास है। उन्होंने मणिपुर हिंसा के जख्मों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां 864 दिनों की हिंसा में लगभग 300 लोग मारे गये और 1,500 से ज़्यादा घायल हुए तथा हिंसा के कारण 67,000 लोग विस्थापित हुए हैं। मणिपुर में भड़की हिंसा के बाद से आपने 46 विदेश यात्राएं कीं हैं लेकिन अपने देश के नागरिकों को सहानुभूति के दो शब्द कहने के लिए मणिपुर की एक भी यात्रा नहीं की। मणिपुर के दौरे पर आप इससे पहले जनवरी 2022 में गये और वह भी वहां चुनावी यात्रा पर गये थे। कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी पर हमला करते हुए कहा कि आपकी 'डबल इंजन' सरकार ने मणिपुर के निर्दोष लोगों की जान ले ली है। आप और गृह मंत्री अमित शाह की घोर अक्षमता और सभी समुदायों के साथ विश्वासघात की मिलीभगत को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाकर जांच से तो बचा लिया लेकिन वहां हिंसा अब भी जारी है।

मैं भी हिंदू लेकिन नफरत फैलाने वालों की खैर नहीं : सिद्धारमैया

एजेंसी मैसूर
www.dailypioneer.com

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भड़काऊ भाषणों के खिलाफ कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि सांप्रदायिक सद्भाव को खतरा पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून कार्रवाई की जाएगी, चाहे वह किसी भी धर्म या राजनीतिक का हो। भाजपा नेता सीटी रवि और निलंबित भाजपा विधायक बसनगौड़ा यतनाल पर कथित भड़काऊ बयानों के लिए दर्ज की गई एफआईआर पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिद्धारमैया ने कहा, मैं भी एक हिंदू हूं और मेरे नाम में ईश्वर और राम का नाम है लेकिन शांति बनाए रखना ज़रूरी है। जब भाजपा नेता भड़काऊ बयान देते हैं तो पुलिस क्या करे? यह राजनीति नहीं है; यह सार्वजनिक व्यवस्था की रक्षा के बारे में है। उन्होंने यह टिप्पणी गणेश जुलूस के दौरान हसन रोड हादसे में कई लोगों के मारे जाने के बाद मैसूर हवाई अडडे पर मीडिया को संबोधित करते हुए की। मुख्यमंत्री ने पीड़ितों के लिए सरकार द्वारा प्रदान की जा रही राहत स्पष्ट किया कि पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि केवल सांत्वना देने के लिए है जीवन के मूल्य का मुआवज़ा नहीं है। उन्होंने कहा, सरकार शोक संतप्त लोगों को सांत्वना देने के लिए राहत प्रदान करती है लेकिन मृतक की जगह को नहीं ले सकता। दुर्घटना चालक की लापरवाही के कारण हुई थी, इसके लिए सीधे तौर पर राज्य को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ज़िला प्रभारी मंत्री कृष्णा बायरेगौड़ा को परिवारों से मिलने और सहायता की घोषणा करने का निर्देश दिया गया है। यह पूछे जाने पर कि क्या यह सहायता पीड़ितों की पृष्ठभूमि से जुड़ी है सिद्धारमैया ने कहा कि ज़्यादातर मृतक दिहाड़ी मज़दूर और छात्र थे।धर्मस्थल मामले में सिद्धारमैया ने विशेष जांच दल के काम में देरी से इनकार किया और कहा कि जांच बिना किसी हस्तक्षेप के आगे बढ़ रही है। जाति जनगणना विवाद पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि गणना में धर्मांतरित लोगों की वर्तमान स्थिति दर्ज की जाएगी। उन्होंने तर्क दिया, अगर समाज समानता और अवसर प्रदान करता तो कोई धर्म परिवर्तन क्यों करता? छुआछूत और भेदभाव ने लोगों को उनके जन्मजात धर्मों से दूर कर दिया है। मुख्यमंत्री ने मैसूर दशहरा की समावेशी प्रकृति का भी बचाव किया तथा कुछ समुदायों को इस उत्सव का उदघाटन करने से रोकने की मांग को खारिज कर दिया। अंतर-राज्यीय विवादों पर टिप्पणी करते हुए सिद्धारमैया ने केंद्र से अलमाटी बांध की ऊंचाई, महादयी और मेकेदातु परियोजनाओं जैसे मुद्दों पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। उन्होंने कुछ भाजपा शासित राज्यों पर न्यायाधिकरण के पूर्व निर्देशों के बावजूद इन मामलों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।

सार्वजनिक बैंकों से वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता पैदा करने, परिचालन और मजबूत बनाने का आग्रह

एजेंसी नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा की आकांक्षा रखने, संचालन और परिचालन को अधिक सुदृढ़ करने और पारंपरिक तथा उभरते दोनों उद्योगों में क्षेत्रीय चैंपियन के रूप में अपनी भूमिका का विस्तार करने का आह्वान किया है। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मंथन-2025 के आरंभिक सत्र में कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अस्तित्व और स्थिरता के चरण से आगे बढ़ चुके हैं और अब वे विकसित भारत 2047 की यात्रा में विकास, नवाचार और नेतृत्व के चैंपियन के रूप में एक बड़ी भूमिका निभाने की स्थिति में हैं। इस दौरान हुई चर्चाओं में इस बात पर भी जोर दिया गया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बैंकों के रूप में विकसित होने की आकांक्षा रखनी चाहिये। इसके लिए उनके पास विदेशों में भारतीय उद्यमों का समर्थन करने और दुनिया भर के अग्रणी वित्तीय संस्थानों के साथ खड़े होने के लिए बड़े पैमाने के वित्तपोषण की क्षमता, उपस्थिति और अन्य जरूरी क्षमताएं होनी चाहिए। डीएफएस द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'पीएसबी मंथन-2025' गुरुग्राम में समापन हुआ। कार्यक्रम के समापन पर जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार डीएफएस की अध्यक्षता में आयोजित इस मंथन में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के नेतृत्व के साथ-साथ, रिजर्व बैंक, उद्योग जगत के विशेषज्ञ, शिक्षाविद, प्रौद्योगिकीविद और बैंकिंग व्यवसायी के प्रतिनिधि शामिल थे। इसके विभिन्न सत्रों में आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे., सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन, सेबी के पूर्व अध्यक्ष एम. दामोदरन, आईआरडीएआई के पूर्व अध्यक्ष देबाशीष पांडा, आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर आर गांधी, एन.एस. विश्वनाथन और एम.के. जैन और एसबीआई के पूर्व अध्यक्ष रजनीश कुमार और दिनेश कुमार खारा ने संबोधित किया।

हेमंत सरकार पर बाबूलाल मरांडी का बड़ा हमला, डीजीपी नियुक्ति को बताया अवैध कदम

एजेंसी रांची
www.dailypioneer.com

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर पुलिस प्रशासन को बंधक बनाने का गंभीर आरोप लगाया है। मरांडी ने कहा कि सत्ता की कुर्सी बचाने और भ्रष्टाचार को ढकने के लिए सरकार ने संवैधानिक व्यवस्थाओं की धज्जियां उड़ाई हैं। राज्य सरकार ने जबरन रिटायर्ड अधिकारी अनुराग गुप्ता को डीजीपी के पद पर बैठा रखा है, जबकि न तो यूपीएससी और न ही भारत सरकार उन्हें मान्यता देती है। उन्होंने कहा कि गुप्ता सेवा निवृत्ति की आयु पार कर चुके हैं और फिलहाल सशर्त वेतन पा रहे हैं, जो न्यायालय के अंतिम आदेश पर निर्भर करेगा। मरांडी ने बताया कि 17 वरिष्ठ डीएसपी के प्रमोशन की प्रक्रिया महीनों से अटकी हुई है। यूपीएससी ने अनुराग गुप्ता को बैठक में शामिल करने से इनकार किया और इसके चलते पूरी बैठक स्थगित करनी पड़ी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इस तरह की मनमानी से पुलिस बल का मनोबल और कानून-व्यवस्था प्रभावित नहीं होगी? मरांडी ने हेमंत सरकार और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एसीबी मुख्यमंत्री के दबाव में आकर उनके काले कारनामों को दबाने में जुटा है। हाल ही में हुई घटनाओं ने साबित कर दिया है कि पूरी मशीनरी को भ्रष्टाचार के बचाव में झोंक दिया गया है। मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार ने डीजीपी की कुर्सी को सुरक्षा कवच बना लिया है ताकि उनके काले कारनामे सामने न आएं और वे जेल से बच सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को समझना चाहिए कि डीजीपी कोई खिलौना नहीं, बल्कि संवैधानिक पद है। उन्होंने चेतावनी दी कि जनता और संविधान दोनों मिलकर मुख्यमंत्री की इस मनमानी का जवाब देंगे।

विधानसभा में जासूसी के मामले की राज्यपाल को कराई जाने चाहिए जांच : गहलोत

एजेंसी जयपुर
www.dailypioneer.com

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विपक्ष द्वारा विधानसभा में अतिरिक्त कैमरे लगाकर विधायकों की जासूसी करने के उठाये गये मामले को गंभीर बताते हुए कहा है कि राज्यपाल को इस मामले में जांच कराई जानी चाहिए। गहलोत ने कांग्रेस के वोट चोरी गद्दी छोड़ो अभियान पर प्रदेश कांग्रेस की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह जासूसी का मामला बहुत गंभीर है और इस मामले को नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली राज्यपाल के पास लेकर गए हैं और अब राज्यपाल को इस मामले की जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा में दो कैमरा अतिरिक्त लगा दिए गए और उसका जो कंट्रोल सिस्टम है वो अध्यक्ष ने अपने चैंबर में रखा है, खाली वो खुद देख सकते हैं या उनका प्राइवेट सेक्रेटरी देख सकता है। यह तो बहुत बड़ा क्राइम किया गया है। इसकी तो जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्यसभा, लोकसभा और विधानसभा में कैमरे लगते हैं और पूरा देश देखता है जब वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से या जब बहस होती है यूट्यूब के माध्यम से सब देख सकते हैं कौन क्या बोल रहा है पर अलग कैमरा लगा दो विपक्ष की तरफ क्या बात कर रहे हैं वो आपस के अंदर, क्या नहीं कर रहे हैं और पूरा अध्यक्ष के पास में खबर पहुंचती जाए। डोटासरा वाला मामला यही तो था, सदन स्थगित के समय में आपस में जो बातचीत होती और किसी भी दल का सदस्य हो कोई जुमला बोल देने पर उसे लेकर जो हाउस में प्रोसेसिंग में बोला नहीं गया है तब भी ऐसे कमेंट करवा दो गोविंद सिंह डोटासरा पर कि यह तो एमएलए बनने लायक ही नहीं है और बहस करवा दी गई। इस पर सदन में कोई कह रहा है पांच साल के लिए निकाल दो, कोई कह रहा है चार साल के लिए निकाल दो तो यह जो सदन में माहौल बनाया गया वह उचित नहीं है।

ग्रेटर नोएडा की ऊंची इमारत से मां-बेटे ने कूदकर की आत्महत्या

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के जिला गौतमबुद्धनगर परिक्षेत्र ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र की रेसिडेंशियल इमारत सोसाइटी नामक ऐस सिटी के तेरहवीं मंजिल से एक महिला और उसके 11 पुत्र ने कूदकर आत्मदाह कर लिया। सोसाइटी में मां (37) व बेटे (11) की आत्महत्या अथवा गिरने खबर जैसे ही सोसाइटी निवासियों को लगी तो हड़कंप मच गया और घटनास्थल पर सुरक्षा गार्ड सहित सोसाइटी निवासियों की भीड़ एकत्रित हो गई। जैसे ही लोगों ने जमीन पर पड़े मां-बेटे के मृत शरीर को देखा तो वहां मौजूद महिलाओं में और आस-पास के लोगों में चीख पुकार मच गई। इस वीभत्स घटना से मृत महिला के पड़ोसी सहित अन्य सदमे में हैं। घटना की जानकारी निवासियों द्वारा ही पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस के आला अधिकारी सहित फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पहुंची और मां बेटे दोनों के शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस की जानकारी अनुसार मृतक शव के पास से सुसाइड नोट बरामद हुआ जिसमें उन्हें लिखा पाया कि महिला का 11 वर्षीय पुत्र मानसिक रूप विक्षिप्त था जिसका इलाज कई सालों से चल रहा था जिसके कारण महिला काफी चिंतित रहती थी।

बिहार में अधिवक्ताओं के बैठने की उत्तम व्यवस्था होनी चाहिए : न्यायमूर्ति सौरेन्द्र पांडे

एजेंसी मुंगेर
www.dailypioneer.com

पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौरेन्द्र पांडे ने मुंगेर व्यवहार न्यायालय में अधिवक्ताओं के लिए नवनिर्मित अधिवक्ता हॉल का शुभारंभ किया और कहा कि बिहार में अधिवक्ताओं के बैठने की बेहतर व्यवस्था होनी चाहिए। न्यायमूर्ति पांडे ने कहा कि अधिवक्ता जस्टिस डिलीवरी सिस्टम के एक अभिन्न अंग है और उन्हें हर प्रकार की सुविधा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि न केवल मुंगेर बल्कि पूरे देश में अधिवक्ताओं के बैठने की व्यवस्था ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि मुंगेर में अधिवक्ता भवन के निर्माण से अधिवक्ताओं को बैठने की उत्तम व्यवस्था की गई है। उन्होंने घोषणा की कि वे इंस्पेक्टिव जज के रूप में कोशिश करेंगे की इस भवन के ऊपर दो मंजिला और भवन का निर्माण हो जिससे कि अधिक से अधिक अधिवक्ताओं को काम करने की बेहतर सुविधा मिल सके। शुभारंभ के मौके अधिवक्ताओं के एक समूह ने न्यायमूर्ति को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। इस कार्यक्रम में मुंगेर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आलोक गुप्ता, मुंगेर विधिज्ञ संघ के अध्यक्ष शशि शेखर प्रसाद सिंह के साथ अन्य न्यायाधीश और अधिवक्ता उपस्थित थे। पांडे ने कहा मुंगेर व्यवहार न्यायालय में अधिवक्ता भवन को अधिवक्ताओं को सौंपना एक अच्छी शुरुआत है। इससे पहले मुंगेर विधिज्ञ संघ के अध्यक्ष शशि शेखर प्रसाद सिंह ने न्यायमूर्ति से मुंगेर व्यवहार न्यायालय के अधिवक्ताओं के लिए नवनिर्मित अधिवक्ता भवन के ऊपर दो मंजिला नया भवन बनाने की मांग की थी।

नदी में दो युवक डूबे

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर थाना क्षेत्र में बनास नदी में नहाने उतरे दो युवक डूब गए। थानाधिकारी राजकुमार नायक ने बताया कि बजरी भरने आए वाहन चालक मोनिस ख़ान (20) निवासी पावटा गढ़ी, वजीरपुर, सवाई माधोपुर और परिचालक मोहित पुजारी (22) निवासी भधोरा वेर, भरतपुर बनास नदी में नहा रहे थे, तभी गहरे पानी में चले गए और डूब गए। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों युवकों की तलाश शुरु की। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) को भी घटनास्थल पर बुलाया गया है।

महागठबंधन के पास एनडीए की चट्टानी एकता का कोई तोड़ नहीं : उमेश

पटना। बिहार जनता दल यूनाईटेड (जदयू) अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि स्वार्थ की बुनियाद पर खड़े महागठबंधन के पास राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की चट्टानी एकता का कोई तोड़ नहीं है। कुशवाहा ने रोहतास जिले के दिनारा विधानसभा में आयोजित एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि स्वार्थ की बुनियाद पर खड़े महागठबंधन के पास एनडीए की चट्टानी एकता का कोई तोड़ नहीं है। उन्होंने कहा कि विधानसभा स्तरीय एनडीए सम्मेलनों में ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरे पांचों घटक दलों के कार्यकर्ताओं का उमड़ता सैलाब इस बात का स्पष्ट द्योतक है कि आगामी चुनाव में विपक्ष की पूरी तरह से सफाया होना तय है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने एनडीए कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि विकसित बिहार के निर्माण के संकल्प को साकार करने और भावी पीढ़ियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए 2025 में 225 का लक्ष्य प्राप्त कर नरेन्द्र मोदी-नीतीश कुमार की जोड़ी को मजबूत दें। उन्होंने कहा कि 2005 के बाद से कुमार ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व और विकासोन्मुख नीतियों के माध्यम से बिहार को एक नए स्वरूप में संवारा है। कुशवाहा ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना को गरीबी उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें गरीबी के बाहर निकालने में कारगर सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि 125 यूनिट तक की मुफ्त बिजली योजना गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के जीवन यापन में सहूलियत प्रदान कर रही है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने आह्वान किया कि एनडीए के सभी कार्यकर्ता पूरी एकजुटता से बूथ स्तर पर सघन अभियान चलाकर नीतीश सरकार की उपलब्धियों को हर मतदाता तक सही और सटीक रूप में पहुंचाएं।

ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से छात्र की मौत

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर जिले के बयाना थाना क्षेत्र में अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आने से एक छात्र की मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुंडा तिराहे पर तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर ट्रॉली ने एक 18 वर्षीय छात्र रौंद दिया। इससे उसकी मौके ही पर मौत हो गयी। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल द्वार के बाहर राजमार्ग पर जाम लगाकर आरोपी ट्रैक्टर चालक की तुरंत गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की। जाम हटाने पहुंचे पुलिस एवं परिजनों के बीच नोकझोंक के बाद तनाव उत्पन्न हो गया। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

आईएएस नियुक्तियों के मामले में शिंदे और फडणवीस के बीच तनाव गहराया

एजेंसी मुम्बई
www.dailypioneer.com

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शहरी विकास विभाग में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हस्तक्षेप से नाराज हैं। यह बात आगामी नगर निगम चुनावों से पहले शिंदे की अपनी पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष के बीच सामने आई है। महाराष्ट्र में परंपरागत रूप से वर्ग ए, बी और सी नगर निगमों का नेतृत्व आईएएस अधिकारी करते हैं जबकि वर्ग डी निगमों का नेतृत्व गैर-आईएएस अधिकारी करते हैं। हालांकि अब मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि वर्ग डी निगमों के प्रशासनिक प्रमुख के रूप में आईएएस अधिकारियों की भी नियुक्ति की जानी चाहिए। लेकिन शिंदे इसे शहरी विकास विभाग के अधिकारों पर अतिक्रमण मानते हैं। वर्तमान सरकार के गठन के बाद से ही शिंदे और फडणवीस के बीच मतभेदों की अटकलें जारी हैं। हालांकि दोनों नेताओं ने बार-बार किसी भी मतभेद से इनकार किया है। नगर निगम चुनावों से पहले मंडल प्रमुखों की नियुक्तियों को लेकर भी मुंबई में शिंदे गुट के भीतर आंतरिक असंतोष पनप रहा है। शिवड़ी विधानसभा क्षेत्र के पांच में से चार शाखा प्रमुखों ने पार्टी से इस्तीफा देने की धमकी दी है जबकि अन्य ने विरोध में हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। पूर्व पार्षद नाना अंबोले को शिवड़ी मंडल प्रमुख नियुक्त किए जाने पर विशेष रूप से आपत्ति जताई गई है। पश्चिमी उपनगरों से भी इसी तरह के असंतोष की खबरें आई हैं। आगामी नगर निकाय चुनाव शिंदे खेमे के लिए महत्वपूर्ण होने के मद्देनजर बढ़ती अशांति इस गुट के लिए एक गंभीर चुनौती बन गई है।

चंपावत में राष्ट्रीय लोक अदालत में 360 वादों के साथ 4.29 करोड़ से अधिक का निस्तारण

एजेंसी चम्पावत/नैनीताल
www.dailypioneer.com

उत्तराखंड के चंपावत जिले में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में 360 वादों का निस्तारण के साथ ही 4.29 करोड़ से अधिक का निस्तारण किया गया। चंपावत जिले के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला जज अनुज कुमार संगल की अध्यक्षता एवं सचिव भवदीप रावत के दिशा-निर्देशन में जिला न्यायालय परिसर एवं टनकपुर बाह्य न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। जिसमें जिला बार संघ चंपावत एवं तहसील बार संघ टनकपुर के अधिवक्तागण, नामित सदस्यगण, पैनल अधिवक्तागण, बैंक अधिकारीगण एवं आमजन ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्रथम पीठ (मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चम्पावत) द्वारा 127 वादों के साथ ही 3,51,74,118 जबकि द्वितीय पीठ (न्यायिक मजिस्ट्रेट टनकपुर) द्वारा 107 वादों के साथ ही 8,58,200 रुपया का समझौता तथा राजस्व विभाग द्वारा 74 मामलों का निस्तारण किया गया। इसके अतिरिक्त प्री-लिटिगेशन के अन्तर्गत 52 वादों का निस्तारण कर 68,83,480 रुपया का सेटलमेंट किया गया। इस प्रकार जनपद जिले में कुल 360 वादों का निस्तारण कर लगभग 4,29,15,798 रुपये का समाधान किया गया।

सुप्रीम कोर्ट की नसीहत के बाद बाबूलाल के पास डीजीपी मुद्दे पर बोलने का कोई औचित्य नहीं, मरांडी भाषा की मर्यादा सीखें : विनोद पांडेय

एजेंसी रांची
www.dailypioneer.com

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की नसीहत के बाद भाजपा नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के पास डीजीपी नियुक्ति पर सवाल उठाने का कोई औचित्य नहीं बचता। पांडेय ने कहा कि अदालत ने मरांडी की अवमानना याचिका को महत्वहीन ठहराया था। कहा था कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के लिए कोर्ट में याचिका नहीं दायर करनी चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा नेताओं के अनुसार अदालत की टिप्पणी के बाद ही मरांडी ने स्वेच्छा से अपना मामला वापस ले लिया था। पांडेय ने कहा है कि जब सर्वोच्च अदालत ने कह दिया है कि यह मामला दो अधिकारियों के बीच प्रतिद्वंद्विता जैसा है, तब प्रेस के मंच से सरकार और पुलिस पर आरोप लगाकर मरांडी आखिर क्या साबित करना चाहते हैं? झामुमो नेता ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार हमेशा संवैधानिक संस्थाओं और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करती है। डीजीपी नियुक्ति का मुद्दा अभी अदालत में विचाराधीन है और सरकार उसी के अनुरूप आगे बढ़ रही है। पांडेय ने चेतावनी दी कि विपक्षी नेताओं को आलोचना करते समय भाषा की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष का मतलब असंयमित बयानबाज़ी नहीं है। पांडेय ने कहा कि जनता सब देख रही है और यदि मरांडी को सचमुच पुलिस व्यवस्था की चिंता है, तो उन्हें अदालत के फैसलों और संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करना चाहिए।

चक्की खड्ड में पानी आने के कारण कई गांव फिर से जलमग्न

एजेंसी होशियारपुर
www.dailypioneer.com

पंजाब के होशियारपुर जिले में ब्यास नदी के किनारे बसे कई गांवों के बाढ़ प्रभावित किसानों को नई मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि पौंग बांध से लगातार पानी छोड़े जाने और चक्की खड्ड से पानी आने के कारण उनके खेत फिर से जलमग्न हो गए हैं, जबकि कई परिवार अभी भी अपने क्षतिग्रस्त घरों की मरम्मत के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार शनिवार सुबह पौंग बांध का जलस्तर 1,390.33 फीट दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 1,390 फीट से थोड़ा ऊपर है। जलाशय में 72,000 क्यूसेक पानी का प्रवाह हो चुका है, जबकि शाह नहर बैराज में 49,600 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसके अलावा, नदी की एक सहायक नदी चक्की खड्ड से लगभग 10,000 क्यूसेक पानी ब्यास नदी में प्रवेश कर रहा है। जिससे मुकेरियां से लेकर टांडा उप-मंडलों तक कृषि भूमि के बड़े हिस्से फिर से जलमग्न हो गए हैं। कई किसानों ने बताया कि वे जलभराव और कीचड़ भरे रास्तों के कारण अभी भी अपने खेतों तक नहीं पहुँच पा रहे हैं। कुछ इलाकों में तो पिछली बाढ़ के बाद से पानी कम नहीं हुआ है। रारा गाँव निवासी मंजीत सिंह (54) ने बताया कि उनका परिवार टांडा-हरगोबिंदपुर मार्ग पर रारा पुल के पास ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर तिरपाल की चादरों के नीचे दो हफ़्ते बिताने के बाद 8 सितंबर को अपने घर लौटा। उन्होंने सरकारी मदद की उम्मीद जताते हुए कहा, हमारे घर और आस-पास कीचड़ से भर गए हैं, दीवारें टूट गई हैं और फसलें बर्बाद हो गई हैं। हमने किसी तरह घर को रहने लायक तो बना लिया, लेकिन छतें कमज़ोर हैं और बारिश में रिसाव रोकने के लिए तिरपाल की चादरों से ढकी हैं। हमारे खेत अभी भी पानी में डूबे हुए हैं। असली परीक्षा अब शुरू होती है—फिर से कैसे बचेगा। रारा गाँव की सरपंच के पति चरणजीत सिंह ने बताया कि उनकी 60 एकड़ में से 40 एकड़ ज़मीन नदी के पानी से बुरी तरह प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा, बारह एकड़ ज़मीन पूरी तरह बह गई है, जबकि 28 एकड़ ज़मीन, जिसमें ज़्यादातर गन्ने की फसल है, पर तीन से चार फ़ीट तक गाद और कीचड़ की मोटी परतें जम गई हैं। गाँव के कई अन्य लोगों की भी लगभग 50-60 एकड़ ज़मीन कटाव में चली गई है। खेतों को साफ़ करने में कम से कम दो साल लगेंगे। 2023 की बाढ़ में भी कुछ खेत गाद से ढँक हुए थे, जिन्हें किसान बहाल नहीं कर पाए हैं, और अब ज़मीन फिर से दब गई है। उन्होंने आगे बताया कि गाँव में लगभग 8-10 कच्चे घर ढह गए हैं और कई प्रभावित परिवार तिरपाल के नीचे रह रहे हैं। उन्होंने बताया, जो गाद बची है वह रेतीली मिट्टी नहीं, बल्कि भारी कीचड़ है जिसे सूखने में महीनों लगेंगे और उसके बाद ही उसे हटाया जा सकेगा। ऐसे हालात में आगामी रबी की फसल नहीं बोई जा सकती। पंजाब सरकार की नई नीति जिसका खेत, उसकी रेत (जिसका खेत, जमा रेत भी उसी की) का ज़िक्र करते हुए, चरणजीत सिंह ने कहा कि एक बार गाद सूख जाने के बाद, सूखी गाद उठाने के लिए खरीदार मिलना बेहद मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा, सूखने के बाद ही पता चलेगा कि इसे उन जगहों पर भराव सामग्री के रूप में बेचा जा सकता है या नहीं जहाँ ऐसी मिट्टी की ज़रूरत है। उन्होंने बताया कि उनके गाँव में लगभग 200 एकड़ ज़मीन पर ऐसी गाद जमा हो गई है।

झारखंड दौरे पर 15 को आएंगे कांग्रेस प्रभारी के. राजू, संगठन सृजन अभियान को देंगे गति

एजेंसी रांची
www.dailypioneer.com

अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के स्थायी आमंत्रित सदस्य एवं झारखंड प्रभारी के. राजू 15 से 21 सितंबर तक सात दिवसीय झारखंड दौरे पर रहेंगे। यह दौरा झारखंड कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान को आगे बढ़ाने और जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक पार्टी को सक्रिय करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने आज बताया कि राजू 15 सितंबर को देवघर एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे और उसी दिन दुमका के सरैयाहाट तथा साहिबगंज जिले के बरहरवा में पंचायत समिति की बैठकों में शामिल होंगे। रात्रि विश्राम वे पाकुड़ में करेंगे। 16 सितंबर को पाकुड़ सदर में बैठक के बाद दुमका सर्किट हाउस में संथाल परगना के जिला अध्यक्षों व पर्यवेक्षकों के साथ समीक्षा बैठक होगी। राजू 17 सितंबर को जामताड़ा के नारायणपुर में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे और फिर हजारीबाग प्रस्थान करेंगे। 18 सितंबर को हजारीबाग सर्किट हाउस में उत्तरी छोटानागपुर संभाग स्तरीय बैठक तथा पलामू में जिला अध्यक्षों और पर्यवेक्षकों संग समीक्षा आयोजित है। अगले दिन 19 सितंबर को वे गढ़वा जिला के बड़गड़ ब्लॉक में पंचायत समिति की बैठक करेंगे और रांची में दक्षिण छोटानागपुर संभागीय बैठक में शामिल होंगे। राजू 20 सितंबर को सरायकेला-खरसावां और रांची में मीडिया एवं सोशल मीडिया प्रमुखों के साथ संवाद करेंगे। वहीं 21 सितंबर को रांची में अनुसूचित जाति नेताओं तथा खूंटी जिले के कोचांग में स्थानीय आदिवासी समुदाय से मुलाकात करेंगे। उसी रात वे रांची से हैदराबाद लौटेंगे।

बालको मेडिकल सेंटर ने कार्ट-टी सेल थेरेपी से कैंसर उपचार को दी नई दिशा

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

मध्य भारत में कैंसर उपचार के क्षेत्र में अग्रणी बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) ने अपने वार्षिक 'छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव' के तीसरे संस्करण से पहले कार्ट-टी सेल और थेरेप्यूटिक अफेरेसिस पर एक विशिष्ट एवं उन्नत कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक हेमेटोलॉजिस्ट्स, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विशेषज्ञ, ब्लड ट्रांसफ्यूजन ऑफिसर्स, तकनीकी विशेषज्ञ और पोस्ट ग्रेजुएट विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यशाला से इस क्षेत्र में प्रिसिजन मेडिसिन और सेल-बेस्ड थेरेपी के नए मानक स्थापित हुए। कार्यशाला का नेतृत्व डॉ. नीलेश जैन (सीनियर कंसल्टेंट एवं हेड, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन एवं ब्लड सेंटर) और डॉ. दिब्येंदु डे (सीनियर कंसल्टेंट, हेमेटोलॉजी, हेमेटो-ऑन्कोलॉजी एवं बीएमटी, बीएमसी) ने किया। यह कार्यक्रम डॉ. राजेश देशपांडे, सीनियर मैनेजर, मेडिकल अफेयर्स एवं क्लिनिकल एप्लीकेशन, फ्रेसीनियस काबी मेडटेक (एशिया पैसिफिक एवं इंटरनेशनल रीजन) के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रतिभागियों को कार्ट-टी सेल अफेरेसिस, थेरेप्यूटिक अफेरेसिस, हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल कलेक्शन और साइटाफेरेसिस की गहन जानकारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। सत्र का उदघाटन करते हुए वेदांता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन (बालको मेडिकल सेंटर) की चिकित्सा निदेशक डॉ. भावना सिरोही ने कहा कि बीएमसी, कार्ट-टी जैसी आधुनिक सेल थेरेपी अपनाकर कैंसर इलाज को और बेहतर और युवा डॉक्टरों को सीखने का मौका दे रहा है। यह नवाचार कैंसर मरीजों के लिए आशा की किरण है। हमारा लक्ष्य है कि बीएमसी को सेल और जीन थेरेपी का प्रमुख केंद्र बनाया जाए, ताकि भारत में कैंसर उपचार को नई दिशा मिले। कार्ट-टी सेल थेरेपी, एक उन्नत इम्यूनोथेरेपी है, जिसमें मरीज के रक्त से टी-सेल्स निकालकर उन्हें जेनेटिक रूप से इस प्रकार तैयार किया जाता है कि वे कैंसर कोशिकाओं को पहचानकर उनसे लड़ सकें। इसका उपयोग जटिल कैंसर, ऑटोइम्यून बीमारियों और रक्त संबंधी विकारों के उपचार में किया जाता है। डॉ. नीलेश जैन ने कहा कि कार्ट-टी सेल थेरेपी कैंसर इलाज में एक नए युग की शुरुआत है। इसमें अफेरेसिस अहम प्रक्रिया है, जिसके ज़रिए शरीर की इम्यून कोशिकाओं को अलग कर विशेष तरीके से तैयार किया जाता है, ताकि वे मरीज को बिल्कुल सही और व्यक्तिगत इलाज दे सकें। डॉ. दिब्येंदु डे ने जोड़ा कि हेमेटो-ऑन्कोलॉजी तेज़ी से प्रगति कर रही है और यह कार्यशाला ज्ञान साझा करने और वैश्विक विशेषज्ञों से सीखने का एक अवसर है, जो भारत की स्वास्थ्य सेवाओं को और मज़बूत करेगा। कार्यशाला में मरीज चयन, प्रोटोकॉल्स और पोस्ट-थेरेपी मॉनिटरिंग पर केस-आधारित चर्चाएँ और इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किये गए। इसने बीएमसी की इस प्रतिबद्धता को और मज़बूत किया कि वह चिकित्सा पेशेवरों को ऐसी उन्नत क्षमताएँ और इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराता रहेगा, जो परिवर्तनकारी उपचार देने के लिए आवश्यक हैं। वार्षिक 'छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव' के तीसरे संस्करण का आयोजन 19 से 21 सितम्बर 2025 को नया रायपुर स्थित मयफेयर लेक रिज़ॉर्ट में होगा। इस वर्ष का थीम 'ड्राइविंग कॉमन सेंस ऑन्कोलॉजी' है जिसमें गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, जेनिटोयूरिनरी और लंग कैंसर के मल्टी-डिसिप्लिनरी मैनेजमेंट पर भी विशेष सत्र होंगे। इसमें 10 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और 200 राष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल होंगे। कॉन्क्लेव में पहली बार कई विशेष वर्कशॉप आयोजित की जाएंगी जिनमें लाइव सर्जिकल डेमोंस्ट्रेशन, मिनी-अकॉर्ड रिसर्च वर्कशॉप, एसबीआरटी कंटूरिंग ट्रेनिंग तथा जीवन की अंतिम अवस्था में मरीज और परिजनों से संवाद स्किल्स पर सत्र शामिल हैं। इसके साथ ही वीमेन फॉर ऑन्कोलॉजी नेटवर्क मीटिंग और कैंसर प्रिवेंशन वर्कशॉप भी आयोजित होगी। कॉन्क्लेव का रजिस्ट्रेशन अब शुरू हो चुका है। इच्छुक प्रतिभागी बालको मेडिकल सेंटर की आधिकारिक वेबसाइट www.balcomedicalcentre.com पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं।

फील्ड पर दिखे योजनाओं के काम : अरुण साव

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित बैठक में अधिकारियों को हर कार्य की पूर्णता के लिए समय-सीमा तय कर योजनाओं के क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने गौधाम योजना के क्रियान्वयन के लिए शीघ्र कार्ययोजना तैयार करने को कहा। साव ने नगरीय निकायों में निर्माणाधीन अटल परिसरों और नालंदा परिसरों के निर्माण में भी तेजी लाने को कहा। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संचालक आर. एक्का भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री साव ने बैठक में कहा कि विभाग द्वारा लगातार नवाचार के कार्य किए जा रहे हैं। नवाचारों के साथ ही विभागीय संरचना और योजनाओं का सुदृढ़ीकरण व विस्तारीकरण भी किया जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं का असर धरातल पर दिखना चाहिए। प्रत्येक कार्य की समय-सीमा तय की जाए। सभी कार्यों में गुणवत्ता के साथ ही जन सुविधाओं का ध्यान रखा जाए। साव ने बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों को नगरीय निकायों के सेट-अप पुनरीक्षण और वर्गीकरण के साथ ही रिक्त पदों पर भर्ती के लिए वित्त विभाग तथा सामान्य प्रशासन विभाग से समन्वय कर स्वीकृति के लिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी निकाय में अधिकारियों-कर्मचारियों को वेतन देने में विलंब की स्थिति नहीं निर्मित होना चाहिए। समय पर वेतन का भुगतान सुनिश्चित करें। साव ने नगरीय निकायों के सभी वार्डों में आबादी के हिसाब से समुचित स्ट्रीट लाइटिंग के निर्देश दिए। उन्होंने पार्षद निधि के तहत इसके प्रावधान का प्रस्ताव आगामी बैठक में प्रस्तुत करने को कहा।

बस्तर संभाग में आदिवासियों की जमीन की खरीदी बिक्री पर लगे रोक : विक्रम मण्डावी

पायनियर संवाददाता ◄ बीजापुर
www.dailypioneer.com

क्षेत्रीय विधायक विक्रम मण्डावी ने बस्तर संभाग में बड़े स्तर पर आदिवासियों के जमीनो की हो रही खरीदी बिक्री पर चिंता जाहिर करते हुए राज्यपाल को पत्र लिखकर जमीनों की खरीदी बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है। बीजापुर विधायक विक्रम मण्डावी ने महामहिम राज्यपाल को पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि बस्तर संभाग आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है और 5वीं अनुसूची में आता है, बस्तर संभाग में आदिवासी वर्ग के लोग आदिकाल से निवासरत हैं। किन्तु वर्तमान में आदिवासियों के जमीनों कि खरीदी बिक्री बड़े पैमाने पर हो रही हैं। बस्तर संभाग के बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले नक्सल प्रभावित और अतिसंवेदनशील क्षेत्र है, इन जिलों में भूमाफिया - उद्योगपतियों द्वारा बड़े स्तर पर पैसे का लालच देकर आदिवासियों कि जमीनों की खरीदी बिक्री कर लाभ उठाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं पैसों के लालच में आकर स्थानीय आदिवासी अपनी पुश्तैनी जमीनों को भूमाफियों को बेचने के लिए मजबूर हो रहे हैं। यदि समय रहते उद्योगपति -भूमाफियाओं को आदिवासियों की जमीन बिक्री करने से नही रोका गया तो आदिवासी समाज के लिए भविष्य में विकराल संकट उत्पन्न होगा और दर दर भटकने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस कारण बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले में आदिवासियों की जमीन की खरीदी बिक्री पर रोक लगाना आवश्यक है।

शास. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भगत सिंह में हिन्दी दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता ◄ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

जगदलपुर शहर में स्थित भगत सिंह स्कूल में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम हुए प्रारंभ में कक्षा 9वीं के छात्र अनिकेत द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात हिन्दी के व्याख्याता चन्द्र प्रकाश देवांगन ने हिन्दी दिवस पर कविता पाठ करते हुए भारतीय हिन्दी जगत के सूर्य कहे जाने वाले भारतेन्दु हरिश्चंद्र एवम् गोस्वामी तुलसीदासजी की कृतियों के संबंध मे बताए। स्वामी विवेकानंद, राजा राममोहन राय, महात्मा गांधी के विचारों को बताया। हिंदी के महान कवियों गोस्वामी तुलसीदास जी, मीराबाई, कबीर, रसखान, सुमित्रानंदन पंत, हरिवंश राय बच्चन, तथा आचार्य रामचंद्र शुक्ल, भारतेंदु हरिश्चंद्र, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामकुमार वर्मा, जय शंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा आदि अनेक रचनाकारों के महाकाव्य और रचनाओं से परिचित कराया गया। कक्षा नवमी के अनिकेत ने हिन्दी साहित्य के इतिहास और उनके साहित्यकारों के नाम बताते हुए हिन्दी भाषा के महत्व को बताया। हिन्दी के व्याख्याता आशा रानी पटनायक ने हिन्दी भाषा को राजभाषा का दर्जा और 14 सितम्बर को संविधान में शामिल किए जाने और हिंदी भाषा की शुरुआत कैसे हुई इस बात पर जोर दिया। आजादी के पूर्व हमारे कवियों ने अपने वीर रस की कविताओं से जवानों में उत्साह भरते एवं देश भक्ति पूर्ण रचना से लोगों के दिलों में क्रांति पैदा की ।ऐसे प्रख्यात कवियों और लेखको पर अपने विचार व्यक्त किये। कक्षा नौवीं की कुंवारी रिद्धि साहू ने हिंदी दिवस पर सुंदर कविता पाठ किया। संस्था की प्राचार्य विनीता बेंजामिन ने, पुष्प की अभिलाषा, की कविता का पाठ करते हुए हिंदी भाषा की प्रयोग किए जाने और अधिक हिंदी भाषा को महत्व दिए जाने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन करते हुए हिंदी के व्याख्याता चंद्र प्रकाश देवांगन ने राजभाषा मातरम, हिंदी भाषा मातरम् के गीत के साथ हिंदी दिवस के कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने की विभागीय समीक्षा बैठक

अंबिकापुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सरगुजा संभाग के प्रवास के दौरान अंबिकापुर सर्किट हाउस में विभागीय समीक्षा बैठक ली। उन्होंने बैठक में महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण विभाग से संबंधित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मंत्री राजवाड़े ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को समय पर मिलना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

व्यापारी चुनाव : ओम सोनी पैनल मिला एनएमडीसी किरंदुल के ईडी से, रखीं व्यापारियों की समस्या

पायनियर संवाददाता ◄ किरंदुल
www.dailypioneer.com

लौह नगरी में किरंदुल व्यापारी कल्याण संघ के द्विवार्षिक चुनाव को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा हैं। विदित हो कि ओम सोनी पैनल से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी ओम प्रकाश सोनी, उपाध्यक्ष संजय सोनी, सुषमा साहू,कोषाध्यक्ष विशाल जैन, सचिव राज प्रसाद, सह सचिव शेखर दत्ता, मोहित धवन हैं। ओम सोनी पैनल को चुनाव चिन्ह कलश प्राप्त हुआ है तो वहीं जयदीप माकन पैनल को चुनाव चिन्ह तराजू आवंटित किया गया हैं। जिसके पश्चात पश्चात ओम सोनी पैनल और जयदीप माकन के पैनलों की टीम ने एवं निर्दलीय प्रत्याशी ने धुंआधार प्रचार प्रसार भी शुरू कर दिया। इसी तारतम्य में ओम सोनी पैनल ने एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के अधिशासी निदेशक रविंद्र नारायण से सौजन्य भेंट करते हुए उनको किरंदुल नगर के व्यापारियों की समस्याओं से अवगत करवाया। जिसका उन्होंने निराकरण करने का आश्वासन दिया।

विज्ञान की जटिल अवधारणाएं सरल और मनोरंजक ढंग से समझेंगे

रायपुर। साइंस पार्क बच्चों और युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की भावना को विकसित करने के उद्देश्य से स्थापित किया जा रहा है। धमतरी जिले का गंगरेल क्षेत्र पहले से ही एक प्रमुख पर्यटन केंद्र है। साइंस पार्क के माध्यम से यहां शिक्षा और पर्यटन का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। इसका उददेश्य है कि जिले के बच्चे विज्ञान को केवल किताबों में न पढ़ें, बल्कि उसे छूकर, देखकर और प्रयोग करके समझें। यह पार्क न केवल विद्यार्थियों बल्कि आम नागरिकों और पर्यटकों के लिए भी एक प्रेरणादायी स्थल बनेगा। साइंस पार्क से आने वाली पीढ़ी में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की भावना विकसित होगी, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। धमतरी जिले के पं. रविशंकर जलाशय परियोजना गंगरेल स्थित बरूवा गार्डन में साइंस पार्क का निर्माण किया जा रहा है। गंगरेल जलाशय प्रदेश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जहां प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में सैलानी और विद्यार्थी भ्रमण के लिए आते हैं।

मितानिन कार्यक्रम छत्तीसगढ़ की रीढ़ है, इसे सशक्त बनाने के लिए प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण कदम : श्याम बिहारी जायसवाल

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यों को प्रभावी बनाने हेतु 8 सितंबर से आयोजित राज्य स्तरीय मास्टर प्रशिक्षण कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। यह कार्यशाला पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के एपिडेमियोलॉजी ब्लॉक में आयोजित की गई। इस कार्यशाला में मितानिन कार्यक्रम के कार्यक्रम समन्वयक, जिला समन्वयक एवं एरिया कोऑर्डिनेटर सहित कुल 36 प्रतिभागी शामिल हुए। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मितानिन कार्यक्रम छत्तीसगढ़ की रीढ़ है, और इसे सशक्त बनाने के लिए ऐसे प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने मितानिन कार्यक्रम को राज्य का सबसे महत्वपूर्ण सामुदायिक स्वास्थ्य अभियान बताते हुए कहा कि इसे पूरी दुनिया सामुदायिक आधारित स्वास्थ्य देखभाल के सफल मॉडल के रूप में मान्यता दे चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मितानिनों के प्रशिक्षण, मानदेय, उपकरण और डिजिटल साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मंत्री ने सभी प्रतिभागियों को सफल प्रशिक्षण पूर्ण करने पर बधाई दी और कहा कि मास्टर ट्रेनर केवल प्रशिक्षक ही नहीं बल्कि मार्गदर्शक और परिवर्तन के वाहक हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और सामुदायिक सशक्तिकरण पर निरंतर ध्यान केंद्रित कर रही है। सशक्त मास्टर ट्रेनर समुदाय और स्वास्थ्य सेवाओं के बीच की दूरी को कम करेंगे और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप काम करेंगे। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे अपने अनुभव साझा करें, निरंतर नवाचार करें और पंचायतों व स्वयं सहायता समूहों के साथ नई विधियों का प्रयोग करें। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा एक स्वस्थ छत्तीसगढ़ की शुरुआत हर गाँव में उस मितानिन से शुरू होती है जो आपके द्वारा प्रशिक्षित और प्रेरित हुई है। इस मौके पर आयुष यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. पी.के. पात्रा, संचालक SIHFW सुरेश पाण्डेय, SACH के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सी.पी. राजेश्वरन और राज्य नोडल अधिकारी डॉ. अजय शंकर कन्नौजे भी मौजूद रहे। यह कार्यशाला स्टेट हेल्थ सिस्टम रिसर्च सेंटर एवं सोसाइटी फॉर एक्शन फॉर कम्युनिटी हेल्थ द्वारा NHM एवं DHS के सहयोग से आयोजित की गई। प्रशिक्षण में विशेषज्ञ डॉ. संजीव उपाध्याय, डॉ. हरीश एवं अन्य संसाधन व्यक्तियों ने प्रतिभागियों को नई प्रशिक्षण पद्धतियों, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, जागरूकता और कौशल वृद्धि पर मार्गदर्शन दिया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मास्टर ट्रेनर्स तैयार करना है, जो आगे चलकर ब्लॉक और जिला स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित करेंगे और सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाएंगे।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में अल्ट्राटेक कुकुरदी का सराहनीय पहल

पायनियर संवाददाता ◄ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अल्ट्राटेक कुकुरदी सीमेंट संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा सेम्हराडीह ग्राम पंचायत की महिला प्रतिनिधियों का जागरूकता भ्रमण संयंत्र में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम इकाई प्रमुख पवन कुलकर्णी के दिशा निर्देश व एचआर प्रमुख प्रतीक भटनागर एवं जितेन्द्र सिंह तनवर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस प्रेरणादायक भ्रमण में ग्राम पंचायत सेम्हराडीह की सरपंच प्रमिला वर्मा के नेतृत्व में आठ महिला पंचो जिसमें पूनम यदु, धिरजा ध्रुव, प्रमिला शर्मा, नीतू यदु, सरिता यादव, लकेश्वरी साहू, किर्ती गिरी एवं उत्तरा ध्रुव भाग लिए। संयंत्र भ्रमण के दौरान महिला प्रतिनिधियों का स्वागत संयंत्र की महिला कर्मचारियों द्वारा पुष्प भेंट कर किया गया। इसके पश्चात सभी ने मंदिर जाकर सामूहिक प्रार्थना की। संयंत्र की महिला कर्मचारियों ने अपने कार्यो और जिम्मेदारियों की जानकारी साझा की, जिससे महिला प्रतिनिधियों को प्रेरणा मिली। भ्रमण के दौरान संयंत्र में स्थापित विभिन्न संरचनाओं, उपकरणों और निर्माण प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। साथ ही (सीएसआर) विभाग द्वारा संचालित गतिविधियों की भी विस्तार से जानकारी दी गई। ग्राम पंचायत सरपंच प्रमिला वर्मा ने भ्रमण के पश्चात कहा इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से हमें पंचायत में भी अच्छे कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी और संयंत्र के साथ पंचायत का रिश्ता और अधिक मजबूत होगा साथहि सी.एस.आर. विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की और संयंत्र को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में एचआर विभाग से अक्षायनी मोहंती, रितिका गौतम, रिम्पी यादव ईआर विभाग से मेघा पटनायक, अंजली वर्मा प्रोसेस विभाग से चंचल महर मेकेनिकल विभाग से सिमरन इलेक्ट्रिल विभाग से पायल साहू एवं माईस से तान्या पाल के साथ साथ ईआर विभाग प्रमुख अंतर्यामी समल, संतोष मिश्रा, अरूण पाठक, सुरक्षा विभाग से बलराम सिंग भाटि, अभिषेक तेवतिया, संजीव मिश्र एवं वृजेश दुबे, भूमि एवं विधि विभाग से कार्तिकेश बघमार तथा सीएसआर विभाग से राजेन्द्र कुशवाहा व दया वर्मा का विशेष योगदान रहा।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी सह आइडिया प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पायनियर संवाददाता ◄ सरायपाली
www.dailypioneer.com

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय में 'विज्ञान प्रदर्शनी सह आईडिया प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने विज्ञान मॉडल की प्रदर्शनी लगाई। मुख्य अतिथि एसएमडीसी अध्यक्ष डॉ आशीष दास ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी देश की सामाजिक,आर्थिक प्रगति की नई आशाएं और नई आकांक्षाएं युवा पीढ़ी और उनके वैज्ञानिक सोच, रचनात्मक कार्यों, नवाचारों पर निर्भर होती है। विद्यार्थियों की नई उड़ान के लिए विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन अभिनव पहल है। यह आयोजन काफ़ी सराहनीय है। बीईओ प्रकाशचन्द्र मांझी ने प्रदर्शनी का मुआयना करते हुए हौसला आफ्ज़ाई किया एवं इस अवसर पर कहा कि यह नवाचारों की शक्ति का उत्कृष्ट प्रदर्शन है जहां बाल वैज्ञानिकों की प्रगति के लिए उनकी रचनात्मकता को सहयोगात्मक प्रयासों से खूब प्रोत्साहन प्राप्त हो रहा है। यह आयोजन काफी प्रशंसनीय है। प्राचार्य मनोज पटेल ने बताया कि विद्यार्थियों में नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने, प्रोत्साहित करने यह विशिष्ट कार्यक्रम विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रभारी एवं ज़िला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सक्रिय सदस्य यशवन्त कुमार चौधरी ने बताया कि स्कूली विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच में बदलाव लाने और समस्या समाधान हेतु नवोन्मेष को बढ़ावा देने,बाल वैज्ञानिकों के सम्मान में यह सफ्ल आयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी में मुख्य रूप से बाल वैज्ञानिकों ने स्टीम पावर प्लांट,जियो थर्मल पॉवर प्लांट, वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट, एडवांस लाइब्रेरी, थर्मल इलेक्ट्रिक जनरेटर, लिफ्ट प्रिवेंशन, ग्रीन एनर्जी फ्रॉम कीचन वेस्ट, ब्लू गोल्ड कंजरवेशन, फिजिकल डिवीजन ऑफ इण्डिया, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, बज वायर गेम, ऑटोमैटिक वाटर डिस्पेंसर,रूट सोलर सिस्टम, सोलर पॉवर प्लांट, न्यूक्लियर पावर प्लांट, विटस्टोन ब्रिज, तेसला कोइल, हाइड्रोलिक क्रकेन, ग्रीन हाउस प्रभाव, विंड मिल, ट्रेफिक सिग्नल, सूर्यग्रहण मॉडल, वोल्केनो मॉडल आदि की प्रदर्शनी लगाई गई और शानदार प्रस्तुति दी गई।

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण

पायनियर संवाददाता ◄ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

सहकारिता विभाग एवं जिला सहकारी संघ मर्यादित के तत्वाधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिले के 99 पंजीकृत दुग्ध सहकारी समिति के सदस्य शामिल हुए। कार्यशाला में पशुधन विकास विभाग से उप संचालक डॉ. नरेन्द्रसिंह एवं डॉ.रुपेश बघेल के द्वारा विभाग में संचालित योजनाओ की संक्षिप्त जानकारी देते हुए सहकारी समिति के सदस्यों को पशुओं में होने वाले बीमारियों जैसे- खुरहा, चपका, ब्रुसेला, एकटगीया, गलघोटू, लम्पी स्किन रोग होने पर पशुओं को अनिवार्य रूप से टीकाकरण कराने जानकारी दिया गया। उन्नत नस्ल सूधार हेतु अच्छी नस्ल के देशी गाय, सहवाल एवं जर्सी तथा अन्य उन्नत नस्लों के गाय-भैंस का कृत्रिम गर्भाधान कराने हेतु सदस्यों को प्रोत्साहित किया गया। कार्यशाला में कृषको को चारागाह निमार्ण कर नेपियर घास तथा मक्के एवं बाजरे जैसे हरे चारा का पशु आहार में उपयोग करने हेतु जानकारी दी गई। विभाग के द्वारा जारी टोल फ्री नंबर 1962 के माध्यम से मोबाइल वेन की सुविधा उपलब्ध है तथा पशुओ में आपातकालीन स्थिति तथा विभाग योजनाओ की जानकारी प्रदाय की जा रही है। कृषको को अपने पशुओ को घर में बांध कर रखे खुला ना छोड़ने की अपील किया गया। उप आयुक्त उमेश कुमार गुप्ता ने सहकारी समितियों की पंजीयन, कार्यप्रणाली, निर्वाचन एवं समिति के सदस्यों आपसी समन्वय से नियमित रूप से समिति सदस्यों की बैठक आयोजित करने, आय-व्यय की जानकारी सभी सदस्यों को साझा करने संबंधी विस्तृत जानकारी दी।

नगारची पारा सामुदायिक भवन स्वीकृत

कुरूद। क्षेत्र के ग्राम गाडाडीह (उ) मे कुरुद क्षेत्र के विधायक अजय चन्द्राकर के प्रयास से नगारची पारा सामुदायिक भवन स्वीकृत हुआ जिसका भूमिपूजन हुआ जिसमें क्षेत्र के जनपद सदस्य महेश ध्रुव नगारची समाज के कार्यकर्ता कालीचरण नगारची (अध्यक्ष) उपाध्यक्ष बृजलाल नगारची डोमन नगारची टीकाराम नगारची ग्राम की सरपंच अर्चना कश्यप उपसरपंच प्रदीप निषाद पंचगण सोहन निषाद भगवती कंवर संतोष निषाद बसंत सिन्हा मुन्नी यादव भानबती धुव सरिता यादव सरोजनी देवांगन दुलेश्वरी राजपूत टुकेश कंवर एवं ग्राम समिति के अध्यक्ष भूनेश्वर देवांगन एवं छगन निषाद सभी ने मिलकर भूमिपुजन किया एवं विधायक को आभार ज्ञापित किया गया।

मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, सुरक्षा व साफ-सफाई सुनिश्चित करने समिति का गठन

पायनियर संवाददाता ◄ सरायपाली
www.dailypioneer.com

सरायपाली विकासखंड में मध्यान्ह भोजन संचालन समिति का गठन किया गया है। इस समिति का उद्देश्य शासकीय एवं अनुदान प्राप्त प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक शालाओं में परोसे जाने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, सुरक्षा और साफ-सफाई सुनिश्चित करना है। समिति की अध्यक्षता एसडीएम अनुपमा आनंद करेंगी, जबकि सचिव के रूप में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमित कुमार हलदार रहेंगे। समिति में विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद मांझी, स्वास्थ्य विभाग से कुणाल नायक, खाद्य निरीक्षक अविनाश दुबे, सहकारिता निरीक्षक रविंद्र कुमार नायक, महिला एवं बाल विकास विभाग से दीक्षा बारिक, सामाजिक कार्यकर्ता किशन लाल पटेल सहित कई सरपंच व प्रतिनिधियों को सदस्य बनाया गया है।बैठक में एसडीएम एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने मध्यान्ह भोजन संचालन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। इसमें खाद्य सुरक्षा प्रोटोकॉल, स्वच्छता, भंडारण व्यवस्था, रसोइयों का प्रशिक्षण, समुदाय की भागीदारी, नियमित निरीक्षण एवं जवाबदेही पर विशेष जोर दिया गया। निर्देशों में रसोई और किचन शेड की सफाई, सब्जियों-चावल की धुलाई, बर्तनों की स्वच्छता, बच्चों को भोजन से पहले हाथ धुलवाना, रासायनिक पदार्थों को रसोई से दूर रखना और भोजन परोसने से पहले उसका परीक्षण करने पर बल दिया गया।

जन्मदिन पर वनबंधु परिषद् एकल विद्यालय से एक बच्चे को गोद लिया

हिन्दू अनाथालय में फल वितरण व कार्यशाला का आयोजन

पायनियर संवाददाता ◄ धमतरी
www.dailypioneer.com

ऑल इंडिया लीनेस क्लब द्वारा अध्यक्ष जानकी गुप्ता के सुपुत्र मेडिकल कॉलेज कोरबा में अध्ययनरत देवांशू गुप्ता के जन्मदिवस के अवसर पर वनबंधु परिषद् एकल विद्यालय से एक बच्चे को शिक्षा के लिए गोद लिया गया। साथ ही सदस्या वंदना शर्मा ने भी जन्मदिन बच्चों के बीच खुशी के पल व्यतीत करके मनाया गया। गेम खेलने और फल वितरण के साथ ही संस्कार शिक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कनक शाह ने बच्चों को जीवन में अनुशासन का महत्व बताया। शिक्षक घनश्याम साहू, भेदू साहू, मोहन साहू ने बच्चों को संस्कार शिक्षा देकर देश के प्रति सेवा एवं समर्पण की भावना मजबूत राष्ट्र के निर्माण के लिए आवश्यक बताया एवं सदस्यों के जन्मदिवस के लिए आशीर्वचन कहे। अध्यक्ष जानकी गुप्ता ने कहा कि हमें दिखावा और बनावट से ऊपर उठकर सनातन संस्कृति को अपनाते हुए सादगी और शालीनता के साथ जन्मदिन मनाना चाहिए।

जिला जेल लाइन में सार्थक ग्रीन ने ट्री गाड्र्स सहित 47 पौधे लगाए

पायनियर संवाददाता ◄ धमतरी
www.dailypioneer.com

धमतरी के जिला जेल लाइन में एक भव्य और भावपूर्ण पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पर्यावरण प्रेमियों ने बढ़.चढ़कर भाग लिया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर ट्री गाड्र्स सहित कुल 47 पौधे लगाए गए, जो प्रकृति के प्रति समुदाय की गहरी प्रतिबद्धता और समर्पण को प्रतिबिंबित करते हैं। इस पुनीत कार्य में भिलाई के जैन लोढा परिवार ने अपनी सक्रिय भागीदारी दिखाई। कुंवर जैन लोढा ने अपनी बहू इंदिरा लोढा के साथ अपने पति और युवा बेटे की स्मृति में अत्यंत श्रद्धापूर्वक ट्री गाड्र्स सहित 13 पौधे रोपित किए। लंदन में रहने वाली धमतरी की बेटी शीनी खंडेलवाल ने अपने माता पिता डॉ एन सी खंडेलवाल एवं माया खंडेलवाल के सम्मान में 5 पौधे लगवाए। माया खंडेलवाल ने ये पौधे रोपित किए। शहर के मदनमोहन खंडेलवाल, पुष्पा खंडेलवाल, महेंद्र जग्गी, प्रभा रावत, ममता एवं नेहा गोयल, अनु नंदा, मदन एवं शशि लुनावत, कुंवर साहू, एम आर साहू, संतोष एवं सुलेखा जोशी, वर्षा खंडेलवाल, पायल खंडेलवाल, रीना जैन, सुमन शर्मा, सुनील एवं रजनी शर्मा, जे आर सोनवानी, सेवक साहू, इंदु साहू, हिमांशु ध्रुव, राखी नेताम, मलय देवांगन, ज्योति ठाकुर, भावेश, सतीश साहू, गौरव पटेल, गूंजा ने जेल लाइन में पौधे लगाए। मदनलाल साहू मुख्य प्रहरी, राजेंद्र कुमार लकड़ा मुख्य प्रहरी, दानी लाल साहू शिक्षक, निरंजन रात्रे प्रहरी, सत्यनारायण साहू प्रहरी, उमेश कुमार पुरेना प्रहरी, रिपुसुदन निषाद प्रहरी ने भी पौधरोपण में बहुत उत्साह दिखाया। सार्थक ग्रीन टीम की संयोजिका डॉ सरिता दोशी ने अपने परिवार की ओर से 10 पौधे लगाकर इस पर्यावरणीय पहल में महत्वपूर्ण योगदान दिया और कहा जिला जेल लाइन में पेड़ों की हरियाली और छाया की बहुत आवश्यकता और पर्याप्त स्थान भी है। उन्होंने धमतरी के संवेदनशील नागरिकों से जेल के सामने पौधरोपण की अपील की। कार्यक्रम में जिला जेल धमतरी के सहायक जेल अधीक्षक नरेंद्र कुमार डहरिया ने एक पौधा रोपित किया और कहा यह पहल न केवल जेल परिसर को हरा-भरा बनाने में मदद करेगी। बल्कि जेल के अधिकारियों और कैदियों को भी प्रकृति के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करेगी। सार्थक ग्रीन संस्था का जिला जेल धमतरी में इस पहल के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। पर्यावरण प्रेमियों ने न केवल पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई, बल्कि कई लोगों ने अपने दिवंगत प्रियजनों की याद में और कुछ ने अपने परिवार के वरिष्ठजनों के सम्मान में पौधे लगाकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि भी अर्पित की। यह भव्य आयोजन धमतरी में हरित आवरण विस्तार और पर्यावरण संतुलन सुदृढ़ीकरण के सतत प्रयासों का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें सार्थक ग्रीन धमतरी और स्थानीय समुदाय की सक्रिय सहभागिता स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है। यह पहल निस्संदेह धमतरी के पर्यावरणीय परिदृश्य को समृद्ध और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। सार्थक ग्रीन की सक्रिय सदस्य अनु नन्दा ने जिला जेलर डहरिया उनके सहयोगी एवं दक्षिण वन मण्डल धमतरी के सहायक परिक्षेत्र अधिकारी वन राकेश कुमार तिवारी को पौधे उपलब्ध कराने के सहयोग के प्रति आभार प्रेषित किया।

रजत जयंती महोत्सव पर श्रमिक स्वास्थ्य शिविर व श्रम कार्ड वितरण

पायनियर संवाददाता ◄ धमतरी
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत अग्रसेन भवन धमतरी में श्रमिक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिक निगम धमतरी के महापौर जगदीश रामू रोहरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, वहीं जिला भाजपा महामंत्री महेन्द्र पण्डित विशिष्ट अतिथि एवं मनसुख अग्रवाल, विजय शर्मा, पार्षद ईश्वर सोनकर मुख्य रूप में शामिल हुए। मुख्य अतिथि महापौर रामू रोहरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की रजत जयंती हमें यह संकल्प दिलाती है कि श्रमिकों का जीवन सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक बने। श्रमिक हमारे समाज और विकास की धुरी हैं, इसलिए उनके कल्याण के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। शिविर में बड़ी संख्या में श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही श्रमिक कल्याण योजनाओं के अंतर्गत श्रम कार्ड का वितरण किया गया तथा पात्र श्रमिकों को डमी चेक प्रदान कर योजनाओं का लाभ दिया गया। विशिष्ट अतिथि महेन्द्र पण्डित ने भी आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार और प्रशासन द्वारा किए जा रहे ये प्रयास श्रमिक वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण साबित होंगे। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन जिला प्रशासन एवं श्रम विभाग धमतरी द्वारा किया गया।

नवयुवक गणेशोत्सव समिती हरिनभट्ठा के सदस्यों द्वारा गांव के एक गरीब जरूरत मंद जमुना दाई को गणेश भगवान की चढ़ोत्तरी को किया दान

पायनियर संवाददाता ◄ तिल्दा-नेवरा
www.dailypioneer.com

सिमगा क्षैत्र से महज कुछ दूरी में स्थित ग्राम पंचायत हरिन भट्ठा के नवयुवक गणेशोत्सव समिति के सदस्यों द्वारा एक सराहनीय कार्य किया गया, जिसे पूरे गांव के लोगों ने खुब प्रशांसा की गणेश चतुर्थी पर भक्तो ने भगवान की दस दिनों से खुब उनकी सेवा भाव श्रद्धा से पूजा-अर्चना की। उसके उपरांत उनके चरणों में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाया गया अन्न (चावल) दाल, सब्जी एवं अन्य सामग्री शामिल थी– उसे व्यर्थ न जाने देकर समिति ने एक अदभुत व सुंदर पहल करते हुए भगवान गणेश जी के श्री चरणों में चढा सम्रागी व प्रसाद को गांव की एक निसहाय व अत्यंत गरीब एवं जरूरतमंद महिला जमुना दाई को समिती के द्वारा चांवल, दाल, सब्जी के साथ चढ़ोत्तरी में चढ़ा 1000 रू को भी दान दिया गया। जमुना दाई वर्षो से कठिन परिस्थिति में जीवन यापन कर व्यतीत कर रही हैं और उनके पास हर रोज़ की आवश्यकताओं को पूरा करने के साधन भी सीमित हैं। गणेश समिति के सदस्यों ने यह महसूस किया कि सच्ची पूजा तभी पूर्ण होती है। जब उसका लाभ किसी जरूरतमंद तक पहुंचे। इसी सोच के तहत उन्होंने भगवान को अर्पित अन्न दाल सब्जी को सामाजिक उपयोग में लाते हुए जमुना दाई के घर पहुंचाया। यह कार्य न केवल मानवीयता की मिसाल है, बल्कि यह समाज को एक सकारात्मक प्रेरणा व संदेश भी देता है कि धार्मिक आयोजनों में चढ़ावा एकत्र करने के बाद उसे जरूरतमंदों तक पहुंचाना सच्ची सेवा है। इस कार्य के लिए गांव वासियों ने भी समिति की भूरी-भूरी प्रशंसा की और यह उम्मीद जताई कि भविष्य में भी ऐसे कार्य होते रहेंगे। गणेश समिति के समस्त सदस्यों को इस पुण्य कार्य के लिए तहेदिल से धन्यवाद और शुभकामनाएं ज्ञापित की गई जो की उन्होंने भगवान गणेश की सच्ची भावना को चरितार्थ किया है– जो है सेवा, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व। ऐसे कार्य समाज में प्रेम, सौहार्द व सहयोग और एकता को बढ़ावा दिया। जिसमें मुख्य नवयुवक गणेशोत्सव समिती के अध्यक्ष भागवत यादव, सचिव भोलाराम धुरु, कोषाध्यक्ष कृष्णा यादव व नागेश यादव, विशाल यादव, गोविंद यादव, काशी धुरु, दुर्गेश धुरु, थानू धुरु, प्रहलाद धुरु, करन धुरु, डोमार यादव, उमेश यादव, पुनीत यादव, प्रशांत, मनीष, मंजीत, कौशल, निखिल, विकास, हिमांशु, उत्तरा, मोहित, नरसिंग, कपिल, छन्नू, देवराज, मोनु, खिलेश, कुनाल, चंदन, सागर, विष्णु धुरु, उत्तम टकेश, टुकेश्वर एवं समिती के सदस्य की उपस्थिती थी।

सेवा भाजपा का संस्कार है : उमेश साहू

पायनियर संवाददाता ◄ धमतरी
www.dailypioneer.com

कुकरेल मंडल द्वारा सेवा पखवाड़ा कार्यशाला संपन्न

भारतीय जनता पार्टी मंडल कुकरेल का सेवा पखवाड़ा कार्यशाला माडमसिल्ली में आयोजित किया गया। मां भारती के पूजा अर्चना और वर्ग गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सर्वप्रथम मंडल अध्यक्ष संजय मरकाम ने सभी आमंत्रित अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत उदबोधन किया। तत्पश्चात बैठक के प्रभारी उमेश साहू जिला मीडिया प्रभारी एवं सह प्रभारी टेलेश्वर ठाकुर पूर्व मंडल अध्यक्ष तथा भाजपा मंडल कुकरेल के प्रभारी विकल गुप्ता ने सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। बैठक प्रभारी उमेश साहू ने कहा कि सेवा पखवाड़ा का कार्यक्रम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयंती 2 अक्टूबर तक संपन्न करना है। सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के सेवा कार्य, स्वच्छता, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री के जीवनी पर कार्यक्रम, भाजपा के पुरोधा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जयंती पर विभिन्न आयोजन तथा अन्य कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। उन्होंने उपस्थित सभी जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ताओं से आग्रह किया की पार्टी के द्वारा प्रधानमंत्री के जन्म दिवस अवसर पर जो भी कार्यक्रम दिया हुआ है उसको निष्ठा पूर्वक सभी बूथ स्तर पर संपन्न करना है। उन्होंने आगे बताया कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ राजनीतिक स्तर पर सरकार चलाने में भरोसा नहीं रखती बल्कि राष्ट्र के सुव्यवस्थित निर्माण के लिए सेवा जैसे मंत्र को समाज के महत्वपूर्ण दर्पण के रूप में प्रयोग करने पर बल देती है जिससे एक सुदृढ़ राष्ट्र का निर्माण हो सके। इस बैठक में प्रमुख रूप से अजय ध्रुव सभापति जिला पंचायत धमतरी, संजय मरकाम अध्यक्ष भाजपा मंडल कुकरेल, टिकेश्वर साहू महामंत्री, वासु गंजीर महामंत्री, जयराम नेताम मंत्री, हेमलाल ध्रुव सोसायटी अध्यक्ष, मनोज कुमार नेताम, श्यामलाल सेन, अशोक पटेल, भीषम कुमार साहू, वनलाल साहू, शत्रुघ्न साहू, लखन लाल, हेमलाल साहू, सत्तू राम साहू, ऋषि राम नेताम, पुनाराम साहू, केशव प्रसाद साहू, उत्तम कुमार साहू, रोहित यादव, आनंद राम मरकाम, पवन कुमार काशीराम, मनोहर, उदय राम, अश्वनी कुमार, रवि कुमार यादव, विजय कुमार, योगेश्वर साहू, अजय गार्डिया, राजू नेताम, किशोर नेताम सहित भाजपा के ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार बिजली कीमतों में बढ़ोतरी वापस ले : डॉ. महंत

सितंबर माह में प्रत्येक घरेलू बिजली उपभोक्ता पर कम से कम 1000 का अतिरिक्त भार

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में बिजली की कीमतों में प्रति यूनिट 20 पैसे की बढ़ोतरी ने आम जनता के साथ-साथ राज्य के किसानों की भी कमर तोड़ दी है। इस वृद्धि ने घरेलू उपभोक्ताओं, उद्योगों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से,कृषि क्षेत्र को सीधे प्रभावित किया है, जिससे राज्य की आर्थिक और सामाजिक स्थिरता पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। ऊर्जा विभाग स्वयं प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के पास है। प्रदेश में ऊर्जा विभाग के वर्तमान आकड़े अनुसार एकल बत्ती कनेक्शन 15-लाख 16-हजार 283, कृषि पम्प कनेक्शन 5-लाख 94-हजार 277, एल.टी(घरेलू) कनेक्शन 63-लाख 45-हजार 448, एच.टी (व्यवसायिक) कनेक्शन 3-हजार 8-सौ 99 है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, यह वृद्धि तब हुई है जब छत्तीसगढ़ कोयला और पानी जैसे प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। हम न केवल अपनी बिजली की जरूरतों को पूरा करते हैं, बल्कि इन संसाधनों की आपूर्ति दूसरे राज्यों को भी करते हैं। ऐसे में बिजली मूल्य वृद्धि का कोई ठोस कारण नहीं दिखता, महंगाई के इस दौर आम जनता आर्थिक बोझ से परेशान है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा हमारी 'बिजली हाफयोजना' को बंद करने

से जनता पर आर्थिक बोझ की दोहरी मार पड़ी है। एक तरफ बिजली की कीमतें बढ़ाई गई हैं, वहीं दूसरी तरफ रियायती योजना को लगभग खत्म कर दिया गया है, जिससे आम नागरिकों और किसानों की मुश्किलें और भी बढ़ गई हैं। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, बिजली दरों में लगातार हो रही वृद्धि ने घरेलू बजट को बुरी तरह प्रभावित किया है और छोटे व्यवसायों की लागत कई गुना बढ़ गया है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई है। इस अप्रत्याशित वृद्धि से आम नागरिकों में भारी असंतोष है, क्योंकि उनकी दैनिक जीवन की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, कृषि प्रधान राज्य होने के नाते, छत्तीसगढ़ के किसान अपनी फसलों की सिंचाई के लिए बड़े पैमाने पर बिजली पर निर्भर हैं। बिजली की बढ़ती कीमतें सीधे तौर पर उनकी उत्पादन लागत में वृद्धि कर रही हैं, कई छोटे और सीमांत किसान अब अपनी फसलों की सिंचाई के लिए बिजली का खर्च वहन नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनकी पैदावार और आजीविका पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति न केवल किसानों की आर्थिक स्थिरता को चुनौती देती है, बल्कि राज्य की खाद्य सुरक्षा को भी खतरे में डालती है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, सरकार बढ़ी हुई बिजली दरों को तुरंत वापस ले। किसानों के लिए कृषि पंपों पर विशेष सब्सिडी या रियायती बिजली दर लागू करे। किसानों के लिए कृषि पंपों पर विशेष सब्सिडी या रियायती बिजली दर लागू करे। राज्य में बिजली उत्पादन और वितरण प्रणाली में सुधार किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी वृद्धि को रोका जा सके।

प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि सुशील शर्मा ने नगर पालिका के अधिकारियों पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि एवं पूर्व मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा ने नगरीय निकाय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में निर्माणाधीन विभिन्न वार्डो में 15 वे वित्त आयोग से आरसीसी नाली निर्माण सहित 56 लाख रूपिये की लागत वाले चर्च से रेलवे क्रासिंग तक आरसीसी नाली निर्माण कार्य को वर्षा ऋतु में शुरू कराकर नियमों का खुल्लेआम उल्लंघन किया जा रहा है। जबकि वास्तविकता यह है कि उस कार्य को महज 20 से 25 लाख की लागत में ही निपटाने की कोशिश की जा रही है। शर्मा ने आरोप लगाया कि इस प्रकरण में सीएमओ, इंजीनियर, सहायक यंत्री सहित निर्माण एजेंसी की मिलीभगत है, जो भारी पैमाने पर भ्रष्टाचार कर सरकारी धन का दुरुपयोग करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के नियमों के अनुसार वर्षा काल में किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य प्रतिबंधित रहता है। इसके बावजूद बार-बार निर्देशों की अनदेखी कर नगरीय निकाय के अधिकारियों ने कार्य प्रारंभ करवा दिया। आश्चर्य की बात यह है कि जिस स्थल पर नाली बनाया जा रहा है, वहां वर्तमान में पानी का बहाव ही नहीं है। आरसीसी नाली निर्माण कराने का कार्यादेश देने वाले नगर पालिका के लोक निर्माण विभाग से संबंधित अधिकारियों ने कार्य प्रारंभ करने से पहले निर्माण एजेंसी के दुवारा उपयोग में लाने वाली सामग्री की गुणवत्ता की जांच तक नहीं की गई, जिससे स्पष्ट होता है कि यह पूरा कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ने जा रहा है। सुशील शर्मा ने इस मामले की शिकायत संचालक सचिव नगरीय प्रशासन, लोक आयोग और राज्यपाल से की है। उन्होंने मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की गहराई से जांच कर निर्माण एजेंशी को ब्लेक लिस्ट करने हेतु कड़ी कार्रवाई करते हुये निस्पक्ष जाँच कर मुख्य नगर पालिका अधिकारी, इंजीनियर, सहायक यंत्री को तत्काल निलंबित किया जाये।

कवर्धा में बनने जा रही नालंदा लाइब्रेरी, 4.37 करोड़ की स्वीकृति

कलेक्टर ने स्थल का किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता ➤ कवर्धा
www.dailypioneer.com

कबीरधाम जिले के युवाओं का लंबे समय से इंतज़ार अब खत्म होने जा रहा है। दिल्ली और रायपुर की तर्ज पर कवर्धा में बहुप्रतीक्षित नालंदा लाइब्रेरी के निर्माण की राह साफ हो गई है। राज्य शासन से इसके लिए 4 करोड़ 37 लाख रुपए की स्वीकृति मिल चुकी है। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने छीरपानी कॉलोनी स्थित जिला परिवहन कार्यालय के समीप प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। यहां मौजूद पुराने जर्जर भवनों को तोड़ने के निर्देश दिए गए। अभी इस भवन में आबकारी विभाग का कंट्रोल रूम संचालित हो रहा है, जिसे अन्यत्र शिफ्ट किया जाएगा।

शिक्षा क्षेत्र में नई सौगात

कबीरधाम जिले में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नई सौगातें मिल रही हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पहले से संचालित भोरमदेव शिक्षा पीठ कोचिंग संस्थान युवाओं को लाभ पहुँचा रहा है। दिल्ली एकेडमी द्वारा चलाए जा रहे इस संस्थान से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। नालंदा लाइब्रेरी और भोरमदेव शिक्षा पीठ मिलकर कवर्धा को शैक्षणिक उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे। अब युवाओं को तैयारी के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन करने की ज़रूरत नहीं होगी।

भूमिपूजन करेंगे उपमुख्यमंत्री

नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश चन्द्रवंशी ने बताया कि लाइब्रेरी का भूमिपूजन उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा द्वारा किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर बी.आर. देवांगन, एसडीएम चेतन साहू, तहसीलदार परमेश्वर मंडवी और सीएमओ भी मौजूद रहे।

आधुनिक स्वरूप में होगी लाइब्रेरी

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नालंदा लाइब्रेरी का मॉडल भी देखा। यह लाइब्रेरी तीन मंजिला भवन के रूप में तैयार होगी। इसमें 200 सीटर वातानुकूलित हॉल होगा, जहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को निःशुल्क सुविधा मिलेगी। कलेक्टर ने कहा कि नालंदा लाइब्रेरी कवर्धा सहित पूरे जिले के लिए ज्ञान, अध्ययन और प्रतियोगी शिक्षा का बड़ा केंद्र बनेगी।

प्रगतिशील यादव महासंघ द्वारा कवि शशि कांत यादव सम्मानित

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

आयोजित कवि सम्मेलन काव्योदय में शिरकत करने देवास से पधारे, वीररस के विख्यात कवि शशिकांत यादव का छ.ग. प्रगतिशील यादव महासंघ के कार्यालय में पदाधिकारी गण निरंजन सिंह यादव, जितेंद्र बहादुर यादव, राकेश यदु, डॉ एन पी यादव, रविंद्र सिंह, उपाध्यक्ष शशि कांत यादव, रामलाल यादव आदि ने पटका पहना उन्हें बतौर स्मृति चिन्ह भागवत गीता की प्रति और वॉल क्लॉक भेंट की। इस अवसर पर महासचिव निरंजन सिंह यादव ने कविवर को प्रगतिशील यादव महासंघ की स्थापना के रजत जयंती वर्ष में साल भर चलने वाले कार्यक्रम के प्रथम समारोह यादव शिरोमणि गौरव सम्मान, जो कि 21सितम्बर को होगा, की जानकारी दे उन्हें आमंत्रित किया। ज्ञात हो कि यह आयोजन यादव महासंघ और संगठन को मजबूती देने वाले 32 दिवंगत आजीवन सदस्यों की स्मृति में संपन्न होने वाला है। इस अवसर पर सुभाष राठी एवं अनिल अग्रवाल भी उपस्थित थे।

गोविंद सारंग शासकीय विधि महाविद्यालय मे एल्युमिनी मीट का आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

गोविंद सारंग शासकीय विधि महाविद्यालय भाटापारा में एल्युमिनी मीट आयोजित किया गया। जिसमें भूतपूर्व विद्यार्थियों ने अधिक संख्या मे उपस्थित होकर न केवल कार्यक्रम की महिमा बढ़ाई बल्कि महाविद्यालय के प्रति अपना प्रेम और समर्पण भी व्यक्त किया। 2014 से 2024 तक के पूर्व विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में व्यतीत किए अपने समय को याद किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रीता दीवान प्राध्यापक डॉ निधि मिश्रा, एलुमिनी मीट के संयोजक डॉ राम आशीष श्रीवास्तव की उपस्थिति में यह सम्मेलन बड़े ही हर्षोल्लास से भरे हुए माहोल में संपन्न हुआ।

गौमाताओ एवं बछड़ों को रेडियम बेल्ट लगाया गया एवं घायल सांड का उपचार

पायनियर संवाददाता ➤ भाटापारा
www.dailypioneer.com

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच, ग्रेन सिटी शाखा भाटापारा के तत्वावधान में गौ माता के लिए रेडियम बेल्ट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान का उददेश्य रात के समय सड़कों पर विचरण करने वाली गायों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। तीन चरणों में तीन दिवसीय यह कार्यक्रम क्रमशः तरेंगा रोड, देवरीरोड तथा बलौदाबाजार रोड में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि एक कार चालक द्वारा सांड को बुरी तरह से घायल कर दिया गया है। सूचना मिलते ही भाटापारा गौ सेवक भाई अभिषेक मिश्रा एवं उनके साथियों को सूचित कर त्वरित उपचार प्रदान किया गया। साथ ही घायल सांड को भी रेडियम बेल्ट पहनाया गया ताकि भविष्य में उसकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम में मंच के प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रशांत गांधी, शाखा अध्यक्ष कैलाश बंसल, कोषाध्यक्ष अभिषेक टाटिया, उपाध्यक्ष विनोद अग्रवाल, सहसचिव भावेश अग्रवाल, सिद्धार्थ गोलछा सहित अन्य सदस्य गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की पूरी जानकारी मंच सदस्य सिद्धार्थ गोलछा द्वारा दी गई। यह पहल समाज में पशु संरक्षण एवं संवेदनशीलता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

गरियाबंद जिले में गौधाम बनाने की प्रक्रिया तेज

पायनियर संवाददाता ➤ देवभोग
www.dailypioneer.com

गरियाबंद जिले के पांचों विकासखंड छुरा, फिंगेश्वर, गरियाबंद, मैनपुर तथा देवभोग अंतर्गत प्रथम चरण के गौधाम बनाने हेतु विकासखंडवार 10-10 गौठानों का चयन किया जा रहा है। इन चयनित गौठानों में उपलब्ध संसाधनों जैसे बाउंड्रीवाल, फेंसिंग, जल एवं विद्युत आपूर्ति, बाड़ा/ पशु शेड आदि की उपलब्धता की सूची राज्य गौसेवा आयोग को भेजी गई है। गौधामों के गठन की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए गरियाबंद के कलेक्टर भगवान सिंह उइके द्वारा पशुधन विकास विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों की विशेष बैठक लेकर पशुधन विकास विभाग जिला गरियाबंद के उपसंचालक डॉ. ओपी तिवारी को इस कार्य में गति लाने के निर्देश दिए गए थे जिसके परिपालन में चयनित गौठानों की सूची छग राज्य गौसेवा आयोग को भेजने के उपरांत जिला एवं विकासखंड स्तरीय समिति का गठन किया गया है। गौधाम संचालन के लिए रूचि की अभिव्यक्ति के आधार पर गौशालाओं के संचालकों को प्राथमिकता के आधार पर गौधाम संचालन का दायित्व सौंपा जाना है। इसके अलावा एनजीओ, किसान उत्पादक संगठन एवं अन्य पंजीकृत संस्थाएं तथा स्वसहायता समूह आदि उनके सहमति के आधार पर पात्र होंगे। गौधाम संचालन हेतु इच्छुक संस्थाओं को सहमति के अनुरूप आवेदन करने के लिए विकासखंड के पशु चिकित्सालयों, कृत्रिम गर्भधान केंद्र, मुख्य ग्राम खंड से निर्धारित प्रपत्र प्राप्त कर आवेदन किए जाने की प्रक्रिया जारी है। इच्छुक संस्थाएं इन विभागीय संस्थानों से आवेदन के प्रारूप प्राप्त कर सकते हैं। गौधाम संचालन हेतु प्राप्त आवेदन कलेक्टर के माध्यम से छग राज्य गौसेवा आयोग को प्रेषित किए जायेंगे जहाँ से गौधामों के अंतिम चयन की प्रक्रिया अपेक्षित मापदंडों के अनुसार किया जायेगा। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं द्वारा अवगत कराया गया कि अभी तक गौधाम संचालन हेतु जिले के विकासखंड गरियाबंद से 02, विकासखंड देवभोग से 02 तथा विकासखंड मैनपुर से 03 आवेदन सहमति के आधार पर प्राप्त हुए हैं।

सड़कों के सुदृढ़ीकरण को मिली मंजूरी, भाजपा जिलाध्यक्ष ने सीएम और विभागीय मंत्री का जताया आभार

पायनियर संवाददाता ➤ बालोद
www.dailypioneer.com

स्वीकृत सड़कों की सूची

लाटाबोड से देवी नवागांव- 3.10 किमी, डौंडी से कोपेडेरा- 9.25 किमी, गुरुर से नारागांव- 32.10 किमी, भाटागांव से पायला- 4.60 किमी, मेन रोड (एसएच-5) से नेवारीकला- 2.55 किमी, पीचेटोला जबकसा से नर्रालगुड़ा- 2.20 किमी, मेन रोड (टी-07) से चिखली- 2.60 किमी, केरी जूंगेरा जामड़ी से पाटेश्वर धाम- 4.60 किमी।

भाजपा के जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख एवं जिले के नेताओं द्वारा हाल ही में बालोद जिले के खस्ताहाल सड़कों की मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण को लेकर उठाई गई मांगें अब पूर्ण हो गई हैं। यह मांगें तब सामने आई जब छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं पंचायती राज मंत्री विजय शर्मा का बालोद दौरा हुआ। इस अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित बैठक में जिले के नेताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों की दयनीय स्थिति की जानकारी दी और ग्रामीणों को हो रही परेशानियों से अवगत कराया। मंत्री विजय शर्मा ने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष से विस्तृत जानकारी प्राप्त की और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। अब, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत चयनित सड़कों के सुदृढ़ीकरण (सतह मजबूतीकरण) हेतु वित्त विभाग द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। स्वीकृत सभी मार्गों की मरम्मत व सुदृढ़ीकरण कार्यों के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में अब राहत मिलेगी। भाजपा जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख, नेता, जनप्रतिनिधि एवं समस्त कार्यकर्ताओं ने इस स्वीकृति हेतु मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

स्कूली बच्चों संग सरपंच चंद्रिका साहू ने मनाया जन्मदिन

पायनियर संवाददाता ➤ पाटन
www.dailypioneer.com

ग्राम पंचायत तरीघाट की सरपंच चंद्रिका साहू ने अपना जन्मदिन सादगीपूर्ण और अनूठे तरीके से मनाया। उन्होंने शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला तरीघाट में बच्चों के साथ बैठकर न्योता भोज किया और इस खास मौके पर बच्चों को खीर-पूरी परोसी गई। सरपंच ने बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर भोजन ग्रहण किया और उन्हें अतिरिक्त पोषण आहार के महत्व के बारे में भी बताया। इस पहल से नन्हें-मुन्ने बच्चों के चेहरे खिल उठे और स्कूल का माहौल उत्साहपूर्ण हो गया।

शासन की मंशा के अनुरूप पहल

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जनप्रतिनिधि अपने जन्मदिन व विशेष अवसरों पर बच्चों को अतिरिक्त पोषण आहार उपलब्ध कराते हैं। इससे न केवल बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण में सुधार होता है, बल्कि समुदाय की भागीदारी भी बढ़ती है।

न्योता भोज का उददेश्य

बच्चों को अतिरिक्त पोषण आहार उपलब्ध कराना। समुदाय में सामाजिक सौहार्द और एकता को बढ़ावा देना। जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने विशेष अवसरों को समाज हित में समर्पित करना।

गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी

कार्यक्रम में उप सरपंच प्रकाश गोस्वामी, स्कूल प्रबंधन अध्यक्ष रोहित बन गोस्वामी, शेष नारायण सिन्हा, सुरेश कुमार निषाद, नारायण, चेला राम सिन्हा, संजू साहू, राकेश साहू, शिक्षक लोकनाथ सोनवानी, ऋषि कुमार साहू, कविता मीरे सहित रसोइया और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वहीं, पत्रकार संतोष देवांगन, प्रेस क्लब अम्लेश्वर के अध्यक्ष करन साहू तथा रिपोर्टर खिलेश साहू भी सरपंच को जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे।

निगम आयुक्त के खिलाफ पार्षदों का मोर्चा, विधायक को सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा में इन दिनों पार्षदों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के पार्षद एकजुट होकर निगम आयुक्त डी.एस. राजपूत के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं। सभी पार्षदों ने अहिवारा विधायक डोमनलाल कोसेरवाड़ा को ज्ञापन सौंपकर आयुक्त को हटाने की मांग की। ज्ञापन में पार्षदों ने लिखा है कि आयुक्त डी.एस. राजपूत किसी भी पार्षद के आवेदन पर विचार नहीं करते। शहर की समस्याओं का निराकरण तक नहीं किया जा रहा है। पार्षदों का आरोप है कि आयुक्त द्वारा क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की घोर अनदेखी की जा रही है। न तो नालियों की सफाई होती है और न ही अन्य सार्वजनिक कार्य समय पर पूरे किए जाते हैं। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि आयुक्त पार्षदों के फोन तक रिसीव नहीं करते। लगातार कॉल करने के बाद भी उनसे संपर्क करना बेहद मुश्किल हो जाता है। पार्षदों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आयुक्त बिना कमीशन लिए कोई भी कार्य नहीं करते। यदि किसी काम में कमीशन तय नहीं होता तो वह फाइल लंबित रख दी जाती है और पैसों की मांग जारी रहती है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि आयुक्त का निगम कार्यालय में रहना भी तय नहीं है। कई बार वह केवल आधा घंटा ही ऑफिस में बैठकर चले जाते हैं। पार्षदों ने विधायक से स्पष्ट कहा है कि ऐसी कार्यप्रणाली के चलते जनता को मूलभूत सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है। इसलिए आयुक्त डी.एस. राजपूत को तत्काल पद से हटाया जाए।

संपादकीय

क्रास वोटिंग विवाद का विषय

इन दिनों, राजनीतिक क्षेत्र में ऐसा कुछ भी नहीं होता जिसे सहज और दोषरहित कहा जा सके। हाल ही में हुआ उपराष्ट्रपति चुनाव भी इसका अपवाद नहीं है। एनडीए उम्मीदवार ने भले ही अच्छे अंतर से जीत हासिल की हो, लेकिन सत्ता के गलियारों में क्रॉस-वोटिंग और खरीद-फरोख्त के आरोप अभी भी चर्चा में हैं। उपराष्ट्रपति का पद काफी हद तक औपचारिक होता है। गुप्त मतदान से तय होता है कि अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा। हालाँकि यह एक औपचारिकता है, लेकिन यह शक्ति और एकता के प्रदर्शन के साथ-साथ अन्य जगहों पर होने वाले आगामी चुनावों का पूवार्भास भी हो सकता है।

भारत के अगले उपराष्ट्रपति के रूप में एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के चुनाव ने एक राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, जिसमें विपक्षी सांसदों द्वारा क्रॉस-वोटिंग के आरोप चुनाव के बाद की चचाओं में छाए हुए हैं। जहाँ भाजपा इस जीत का जश्न ₹एक विनम्र और कुशल देशभक्त₹ के लिए जनादेश के रूप में मना रही है, वहीं भारतीय जनता पार्टी आंतरिक एकता और विश्वसनीयता के सवालों से जूझ रही है। राधाकृष्णन को 452 वोट मिले - एनडीए के कुल 438 सांसदों (वाईएसआर कांग्रेस के 11 सांसदों के समर्थन सहित) से 14 ज्यादा। इसके विपरीत, विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को केवल 300 वोट ही मिले, जबकि विपक्षी दल ने 315 सांसदों के समर्थन का दावा किया था।

इस विसंगति ने तुरंत क्रॉस-वोटिंग की आशंकाओं को जन्म दिया, जो 15 मतपत्रों के खारिज होने से और बढ़ गईं। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने इस घटनाक्रम को ₹विश्वास का गंभीर उल्लंघन₹ बताया। चूँकि उपराष्ट्रपति चुनाव गुप्त मतदान

के माध्यम से होता है और पार्टी व्हिप लागू नहीं होता, इसलिए तकनीकी रूप से सांसद अपनी अंतरात्मा की आवाज पर मतदान करने के लिए स्वतंत्र हैं।

फिर भी, व्यवहार में, सांसद शायद ही कभी पार्टी लाइन का उल्लंघन करते हैं - जिससे कथित क्रॉस-वोटिंग बिहार और तमिलनाडु जैसे महत्वपूर्ण राज्य चुनावों से पहले विपक्ष के लिए विशेष रूप से नुकसानदेह साबित हो रही है। नुकसान की भरपाई के लिए, विभिन्न भारतीय ब्लॉक दलों के नेताओं ने किसी भी विश्वासघात से इनकार करने की कोशिश की। राजद के तेजस्वी यादव ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी के सभी नौ सांसदों ने गठबंधन उम्मीदवार का समर्थन किया था, जबकि तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि वोट खरीदने के लिए पैसे का इस्तेमाल किया गया, जबकि उन्होंने कहा कि सभी 41 तृणमूल सांसदों ने विपक्षी उम्मीदवार का समर्थन किया।

इस रहस्य को और बढ़ाते हुए, 15 में से सात अवैध वोटों में भी यही पैटर्न देखा गयाः एनडीए उम्मीदवार के लिए चिह्नित मतपत्र, लेकिन गलत तरीके से डाले गए। दो पर सही का निशान था, और एक पर कोई आकृति लिखी हुई थी - जिससे जानबूझकर की गई तोड़फोड़ का संदेह पैदा होता है।

विपक्ष के लिए, इस घटना ने एकजुट मोर्चे के रूप में पेश की जा रही छवि में दरार को उजागर कर दिया है। भाजपा के लिए, यह मनोबल बढ़ाने वाला है जो एक विखंडित विपक्ष के उसके उस कथन को पुष्ट करता है जो एकजुट कार्रवाई करने में असमर्थ है। राज्य चुनावों के मँडराते हुए, उपराष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस-वोटिंग को लेकर विवाद संसद की दीवारों से परे भी गूँजने की संभावना है। लेकिन अंततः, यह भारतीय लोकतंत्र के लिए एक नुकसान है, जहाँ हर चुनाव संदिग्ध हो जाता है, और सांसदों का आचरण - साथ ही आरोप-प्रत्यारोप - उड़ते हैं, जिससे धन-बल और कदाचार की भूमिका को हवा मिलती है।

छात्रों का शिक्षा हेतु विदेश पलायन

बढ़ती हुई धन-प्रेषण राशि प्रतिभा पलायन की लागत को छिपा नहीं सकती, क्योंकि भारतीय छात्र जितना भेजते हैं, उससे कहीं ज्यादा विदेश में खर्च करते हैं। वीजा प्रतिबंधों, उच्च जीवन-यापन लागत और विदेशों में कम वेतन वाली नौकरियों के साथ, भारत को अपनी प्रतिभा को बनाए रखने के लिए चुनौतियों और अवसरों, दोनों का सामना करना पड़ रहा है।

दिनेश एन जोशी
लेखक, टिप्पणीकार हैं।

भाशकों से अपने देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में सीमित सीटों के कारण भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने को मजबूर हो रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप बौद्धिक प्रतिभा पलायन हो रहा है। अपने देश में रहकर योगदान देने के बजाय, बड़ी संख्या में विशेषाधिकार प्राप्त छात्र कॉलेज के लिए विदेश जाना पसंद कर रहे हैं। हाल के वर्षों में, शिक्षाविदों का एक बड़ा वर्ग यह तर्क दे रहा है कि यह वास्तव में एक अच्छी बात है। वे कहते हैं, 'विदेश से आने वाला धन तेजी से बढ़ रहा है।'

वे आंशिक रूप से सही हैं, लेकिन वे व्यापक तस्वीर को नहीं समझ पा रहे हैं। हालाँकि भारत दुनिया में सबसे बड़ा धन-प्रेषण प्राप्त करने वाला देश है और यह वास्तव में सच है कि धन-प्रेषण 2010-11 में 55 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 118.7 बिलियन डॉलर हो गया है, लेकिन आंकड़े केवल आंशिक रूप से ही कहानी बयां करते हैं। सबसे पहले, सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में धन-प्रेषण 2000 से लगभग 3 प्रतिशत पर स्थिर रहा है। दूसरे, भारतीय छात्र अब शिक्षा के लिए विदेश में जो खर्च कर रहे हैं, वह तेजी से बढ़ा है। कुछ अनुमानों के अनुसार, 2025 तक भारतीय विदेश जाने वाले छात्रों का कुल खर्च 70 अरब डॉलर तक पहुँच सकता है - यह आँकड़ा वापस भेजे जा रहे धन की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है।

तीसरा, और सबसे महत्वपूर्ण, यह तर्क एक महत्वपूर्ण परिकल्पना पर विचार करने में विफल रहता हैः क्या होता अगर ये छात्र यहीं रहना चुनते? मेरा तर्क दोतरफा है। पहला, अगर छात्र यहीं रुक जाते, तो भारतीय अर्थव्यवस्था को कहीं ज्यादा फायदा होता - दूसरे शब्दों में, धन प्रेषण से होने वाले आर्थिक और बौद्धिक पूँजी ह्रास की भरपाई नहीं होती, और दूसरा, कई बार विदेश में रहने की बढ़ती लागत और दुनिया भर में हाल के प्रवासी-विरोधी रुझानों को देखते हुए, छात्रों के लिए भारत में ही रहना कहीं बेहतर भी होगा।

पहले मैं दूसरे दावे पर बात करूंगा। विदेश मंत्रालय के नवीनतम आँकड़ों के अनुसार, 2025 में 18 लाख से ज्यादा भारतीय छात्र विदेश में पढ़ रहे हैं - जो कि दो साल पहले के 13 लाख छात्रों की तुलना में काफी ज्यादा है। हालाँकि, यह आंकड़ा एक महत्वपूर्ण विवरण छिपाता है।

भारतीय छात्रों (जो शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले सभी भारतीय छात्रों का एक तिहाई हिस्सा हैं) के लिए शीर्ष तीन गंतव्य देशों - कनाडा, अमेरिका और यूके - में आव्रजन उपायों को कड़ा करने की पृष्ठभूमि में भारी गिरावट देखी गई है, जिसमें छात्र प्रवेश पर सीमा और आश्रित वीजा पर प्रतिबंध शामिल हैं। इस पर विचार करेंः 2023 से 2024 तक, कनाडा में 32 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, परमिट 2.78 लाख से घटकर 1.89 लाख हो गए, संयुक्त राज्य अमेरिका में 34 प्रतिशत की कमी देखी गई, एफ1 वीजा 1.31 लाख से घटकर 86,110 हो गए, और यूके में 26 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, इसी अवधि के दौरान भारतीयों को जारी किए गए प्रायोजित छात्र वीजा 1.20 लाख से घटकर 88,732 हो गए।

हालांकि कुछ लोग तर्क देते हैं कि यह एक बुरा संकेत है लेकिन क्या आप्रवासी विरोधी बयानबाजी और वीजा पर अंकुश वास्तव में छात्रों को विदेश जाने से रोकेंगे, या वे बस अपनी यात्रा का गंतव्य बदल देंगे? मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से हो सकता है। कई भारतीय जो विदेश जाते हैं, उन्हें वास्तव में अपनी कॉलेज शिक्षा पर खर्च किए गए हजारों डॉलर का अच्छा रिटर्न नहीं मिल रहा है। पहला, कई लोग अपनी शिक्षा पूरी होने के बाद बेरोजगार हैं या कम रोजगार वाले हैं। दूसरा, जिन्हें नौकरी मिलती है उन्हें समान कौशल वाले अमेरिकियों और यूरोपीय लोगों की तुलना में कम वेतन मिल रहा है। उदाहरण के तौर पर, 2004 के एच-1बी वीजा सुधार अधिनियम ने वेतन स्लैब का पुनर्गठन किया और दो वेतन स्तर डाले, एक क्षेत्र में किसी व्यवसाय के लिए सर्वेक्षण किए गए कुल वेतन के 34वें और 50वें प्रतिशतक पर, उच्चतम (67वें प्रतिशतक) से नीचे।

तीसरा, उनके आकर्षक वेतन पैकेज में ई-एसओपी और अन्य वेरिएबल्स शामिल होते हैं जो वास्तव में उन्हें मिलने वाली राशि का हिस्सा नहीं होते, और विदेश में रहने का खर्च भारत में रहने के खर्च से काफी ज्यादा है। किराया, किराने का सामान और यात्रा, ये सभी उनके खर्च का एक बड़ा हिस्सा हैं, और जो बचता है वह उनके परिवारों को वापस भेज दिया जाता है। हालांकि आइवी लीग संस्थानों में दाखिला लेने वाले भारतीय छात्र शायद भारत में नहीं रुकना चाहेंगे, लेकिन कई अन्य लोगों को यहीं रोकना आसान काम होगा। कम से कम प्रयासों से, भारत प्रतिभाओं को बनाए रखने में सक्षम होगा जो न केवल आने वाले वर्षों के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों में दिखाई देंगी, बल्कि इस प्रक्रिया में अनुसंधान एवं विकास को भी आगे बढ़ाएंगी।

सहयोग का एक विशेष रूप से आशाजनक क्षेत्र शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में भारत और यूएई के बीच बढ़ती साझेदारी है। यूएई भारतीय पेशेवरों के लिए एक शीर्ष गंतव्य बन गया है, जहाँ स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग और आईटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में कुशल श्रमिकों के लिए अवसरों का विस्तार हो रहा है। शिक्षा के लिहाज से, दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए सहयोगी कार्यक्रमों, आदान-प्रदान पहलों और छात्रवृत्तियों की सक्रिय रूप से खोज कर रहे हैं। भारतीय विश्वविद्यालय और संस्थान संयुक्त अरब अमीरात में अपने परिसर स्थापित कर रहे हैं, जिससे संबंध और मजबूत हो रहे हैं। भारतीय छात्रों के लिए, यह विश्वस्तरीय शिक्षा के लिए एक आकर्षक और नजदीकी विकल्प प्रदान करता है, साथ ही संयुक्त अरब अमीरात की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में रोजगार की बेहतर संभावनाएं भी प्रदान करता है।

भारत में प्रतिभाओं को बनाए रखने के दो तरीके हो सकते हैं। पहला, अधिक गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थान स्थापित करना और दूसरा, यह सुनिश्चित करना कि विदेश से स्नातक करने के बाद भारतीय अपने देश लौट आएँ। दूसरे उद्देश्य के संदर्भ में, भारत पहले से ही प्रतिभा पलायन को रोकने की प्रक्रिया में है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, प्रमुख वैश्विक विश्वविद्यालयों से पीएचडी प्राप्त भारतीय छात्रों के नेतृत्व में सबसे अत्याधुनिक, डीप टेक और अग्रणी टेक स्टार्ट-अप अब भारत में जड़ें जमा रहे हैं। हमारे स्टार्ट-अप एक दशक पहले केवल 400 से बढ़कर आज 1.3 लाख हो गए हैं, और इनमें से लगभग 50 प्रतिशत टियर 2 और टियर 3 शहरों में आ रहे हैं।

यहीं पर राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका विशेष मान्यता की पात्र है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और देवेंद्र फडणवीस तथा धर्मेंद्र प्रधान जैसे वरिष्ठ नेताओं के प्रयासों ने यह सुनिश्चित किया है कि शिक्षा और रोजगार भारत की विकास गाथा के मूल में बने रहें। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस राज्य स्तर पर शैक्षिक सुधारों को आगे बढ़ाने, कौशल विकास और उद्योग-अकादमिक संबंधों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जबकि प्रधान ने शिक्षा मंत्री के रूप में उच्च शिक्षा को मजबूत करने और छात्रों को भविष्य के लिए तैयार कौशल से सशक्त बनाने वाली पहलों को आगे बढ़ाया है।

इसका एक हालिया उदाहरण मुंबई को एक वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने के लिए उठाए गए कदम हैं, जिसके तहत महाराष्ट्र में परिसर स्थापित करने के लिए पांच विश्व-प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों को आशय पत्र सौंपे गए हैं। प्रधानमंत्री द्वारा नवाचार और उद्यमिता पर जोर दिए जाने के साथ, उनके संयुक्त नेतृत्व ने भारत के प्रतिभा पलायन को प्रतिभा लाभ में बदलने की नींव रखी है।

भारत एक तकनीकी क्रांति के मुहाने पर खड़ा है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), बिग डेटा, ऊर्जा परिवर्तन, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), क्वांटम कंप्यूटिंग, जीनोमिक्स, 3डी प्रिंटिंग, रोबोटिक्स, ड्रोन और अंतरिक्ष अन्वेषण जैसे क्षेत्रों में अपार अवसर प्रस्तुत करता है। इन सभी क्षेत्रों को सरकार ने राष्ट्रीय क्वांटम मिशन, भारत एआई मिशन और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों के माध्यम से गति दी है।

हालांकि, कुछ समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं। सबसे बड़ी समस्या घरेलू फंडिंग की है, जिसे तेजी से बढ़ाने की जरूरत है। जरा सोचिए - भारतीय स्टार्ट-अप्स ने 2024 में 12 अरब डॉलर से ज्यादा जुटाए, लेकिन इसका लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा अंतरराष्ट्रीय स्रोतों से आया। एक और समस्या रॉयल्टी का भुगतान है। भारत में हर साल लगभग 24,000 पीएचडी स्नातक तैयार होते हैं, लेकिन देश ने 2024 में केवल 1.5 अरब डॉलर कमाते हुए 14.3 अरब डॉलर की आईपीआर रॉयल्टी का भुगतान किया, जो एक महत्वपूर्ण अंतर को दर्शाता है जिसे और अधिक नवाचार से भरा जा सकता है।

पहली चुनौती ज्यादा कठिन लगती है– गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों का निर्माण। हालाँकि आईआईटी, आईआईएम और आईआईआईटी जैसे प्रमुख शिक्षण संस्थान कुशल पेशेवर तैयार कर रहे हैं और आइवी लीग कॉलेजों के बाद दूसरे स्थान पर हैं, फिर भी भारत में ऐसे विश्वविद्यालयों की कमी है।

एक और चुनौती पाठ्यक्रम में बदलाव की है, जो अनुसंधान और उद्योग की जरूरतों को जोड़ने के लिए पहले से ही चल रहा है। इसमें डेटा साइंस, बायोटेक, स्वच्छ ऊर्जा, एआई और एमएल आदि क्षेत्रों में कौशल की कमी को दूर करना शामिल होगा। इसके लिए उद्योगों को आगे आना होगा और सरकार का सहयोग करना होगा।

कहां तक पहुंची हिंदी राजभाषा राष्ट्रभाषा या वैश्विक भाषा ?

डॉ राजाराम त्रिपाठी
स्वतंत्र स्तंभकार

हिंदी दिवस के बहाने हर साल हम सब उसी पुराने झुनझुने को बजाते हैं, हिंदी हमारी आत्मा है, हिंदी हमारी पहचान है, हिंदी की जय हो। और अगले ही पल फाइलें, आवेदन पत्र, आदेश और अदालती कार्यवाही अंग्रेजी में ही चलती रहती हैं। यह वही स्थिति है, जिसे कवि भवानीप्रसाद मिश्र ने बरसों पहले कहा था, हिंदी का दुखड़ा कोई सुनता नहीं, और गाता हर कोई है।

भारत की इस दुविधा पर याद आता है संस्कृत वचन – मातृभाषा न त्याज्या कदापि अर्थात मातृभाषा कभी भी त्यागने योग्य नहीं। लेकिन हम भारतीय शायद अपवाद साबित होने पर ही गर्व करते हैं।

आंकड़े चीखते हैं, पर हम बहरे हैं – भारत में 46 करोड़ लोग हिंदी मातृभाषा के रूप में बोलते हैं। विश्व स्तर पर हिंदी बोलने वालों की संख्या लगभग 60 करोड़ से अधिक मानी जाती है। गूगल की 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार इंटरनेट पर हिंदी सामग्री की हिस्सेदारी केवल 0.1% है, जबकि अंग्रेज़ी का हिस्सा 55% से अधिक है। शिक्षा मंत्रालय के आँकड़े कहते हैं कि उच्च शिक्षा के 85% से अधिक शोधपत्र आज भी अंग्रेज़ी में लिखे जाते हैं।

सवाल यह है कि इतनी बड़ी जनसंख्या होने के बावजूद हिंदी ज्ञान-विज्ञान और तकनीक की भाषा क्यों नहीं बन पा रही?

राजभाषा, पर राज किसी और का – हिंदी 1950 से भारत की राजभाषा घोषित है। पर सच्चाई यह है कि संसद, न्यायालय, विश्वविद्यालय और बड़े वैज्ञानिक संस्थान अभी भी अंग्रेज़ी की दासता से मुक्त नहीं हुए। क्या यह विडंबना नहीं कि देश का प्रधानमंत्री हिंदी में बोलता है, पर उसी के मंत्रालयों के आदेश अंग्रेज़ी में लिखे जाते हैं? यह वही दोमुंही स्थिति है जिसे अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार संसद में कहा था– राजभाषा हिंदी है, पर राज अंग्रेज़ी करता है।

दुनिया से सीखने की ज़रूरत – यहाँ पर मुझे अपने हाल की रूस यात्रा का अनुभव जोड़ना होगा। हर तरफ से साधन-संपन्न होने के बावजूद रूस ने तमाम वैश्विक दबाव और आंतरिक कठिनाइयों के बीच अपनी भाषा पर अटूट विश्वास रखा है। विज्ञान हो या परमाणु तकनीक, साहित्य हो या अर्थशास्त्र, हर विषय की पढ़ाई-लिखाई वे अपनी ही भाषा में करते हैं। इसी तरह जर्मनी और फ्रांस तो भाषा-गौरव के लिए पहले से विख्यात हैं। किंतु मैंने अपनी यात्राओं के दौरान यह भी देखा कि थाईलैंड और कंबोडिया जैसे छोटे देश, और यहाँ तक कि इथियोपिया जैसा सबसे गरीब माने जाने वाला देश भी, अपना सारा शासकीय कामकाज और शिक्षा अपनी भाषा में ही करते हैं। और हम? हम अभी भी सोचते हैं कि हिंदी में विज्ञान पढ़ाने से छात्र कमजोर हो जाएंगे!

हिंदी आज भी मंच की शेरनी है और दफ्तर की बकरी, जो नेता इसके नाम पर गरजते हैं, और सचिवालय में वही अंग्रेज़ी की दुम हिलाते रहते हैं

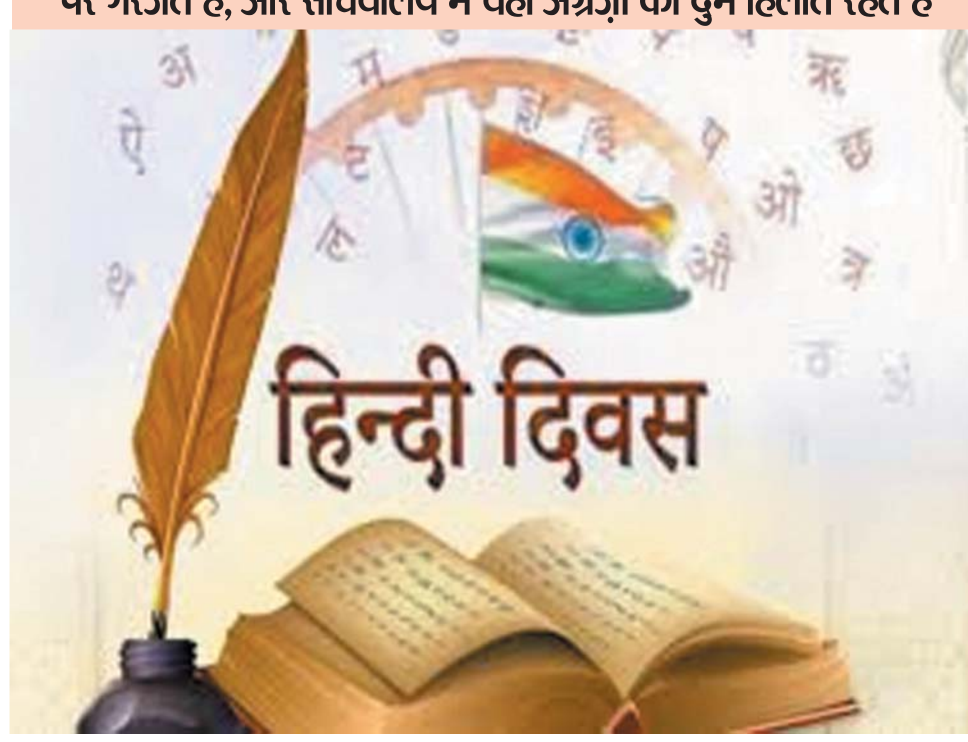

साहित्य से सॉफ़्टवेयर तक – विश्व हिंदी सम्मेलन, अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस, और हिंदी सप्ताह मनाने की परंपराएँ अब रस्मअदायगी से आगे नहीं बढ़ पा रही हैं। जबकि आँकड़े बताते हैं कि बॉलीवुड फिल्मों और हिंदी गीतों की वजह से विश्व के लगभग 80 देशों में हिंदी-समझने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अमेरिका, कनाडा, मॉरीशस, फिजी और खाड़ी देशों में हिंदी-भाषी समाज बड़ी ताकत बन चुका है। फिर भी विज्ञान, तकनीक और न्यायपालिका में हिंदी का स्थान हाशिए पर है।

आखिर दोष किसका?

दोष केवल अंग्रेज़ी या तथाकथित औपनिवेशिक मानसिकता का नहीं है। दोष उन नेताओं, नौकरशाहों और शिक्षा-नीति निर्माताओं का है, जो जनता से हिंदी में वोट तो माँगते हैं, पर अपने बच्चों को अंग्रेज़ी माध्यम स्कूल भेजते हैं।

गांधीजी ने चेताया था – किसी राष्ट्र की आत्मा उसकी भाषा में बसती है। पर हमने आत्मा को गिरवी रखकर शरीर को बेच दिया है।

भविष्य : अभी भी उम्मीद बाकी – यदि चीन, जापान, रूस, जर्मनी, फ्रांस जैसे देश अपनी भाषा में तकनीकी शिक्षा और शासन चला सकते हैं, तो भारत क्यों नहीं? हिंदी न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक मज़बूत दावेदार बन सकती है– बशर्ते हम इसे विज्ञान, तकनीक और प्रशासन की मुख्यधारा में लाएँ।

हिंदी का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि यह केवल भावना की भाषा रहेगी या ज्ञान की भी भाषा बनेगी।

जीएसटी दरों में अप्रत्याशित कटौती से कृषि बाजार होंगे गुलजार

अशोक बजाज
प्रदेश कार्यालय मंत्री
भाजपा, रायपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दूर दृष्टि सोच के तहत जी.एस.टी. दरों में भारी भरकम कटौती की है। इस कटौती का सीधा लाभ कृषि एवं किसानों को मिलेगा। 22 सितम्बर 2025 से लागू होने वाली नई दरें कृषि व कृषकों के कल्याण के लिए मील का पत्थर साबित होगी। भारत सरकार के फैसले से एक तरफ जहां कृषि लागत मूल्य कम होगा तो वहीं उत्पादन में बेतहाशा वृद्धि होगी। इससे किसानों की बल्ले-बल्ले तो होगी ही साथ ही साथ देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। भारत के किसानों को आत्मनिर्भर बनने तथा विकसित भारत की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना को साकार करने का अवसर मिलेगा।

भारत में जी.एस.टी. (गुड्स एंड सर्विस टैक्स) एक एकीकृत टैक्स व्यवस्था है जो वेट, एक्साइज ड्यूटी, सर्विस टैक्स आदि अप्रत्यक्ष करों को सम्मिलित कर 1 जुलाई 2017 से लागू है। देश में व्यापार को सुलभ बनाने, पारदर्शिता लाने एवं कर चोरी को रोकने के उद्देश्य से लागू इस व्यवस्था में वर्तमान मे चार स्लेब है जिसे घटाकर अब दो स्लेब कर दिया गया है। जनता की मांग पर व्यापारियों एवं उपभोक्ताओं के हित में 2017 के बाद कई बदलाव हुए है लेकिन जी.एस.टी. कौंसिल की 56वीं बैठक में जो बदलाव का निर्णय लिया गया है वह नई आर्थिक क्रांति का सूचक है। 22 सितम्बर 2025 से लागू होने वाली नई व्यवस्था तथा जी.एस.टी. दरों में कटौती से आम उपभोक्ताओं विशेष कर किसानों के लिए सौगात से कम नहीं है। देश की अर्थव्यवस्था पर निश्चित रूप से इस बदलाव का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। कृषि के क्षेत्र में उपयोग में आने वाली मशीनों, उपकरणों, थ्रेसर, खाद्यान्न प्रोसेसिंग उपकरण, खाद निर्माण की मशीनें, जैव-कीटनाशक, वानिकी व बागवानी के उपयोग की मशीनें व उपकरण, सिंचाई के काम में आने वाली मशीनें, ड्रिप एरिगेशन सिस्टम, स्प्रिंकलर, डेयरी उद्योग व पशुपालन, मुर्गीपालन, बकरी पालन व मत्स्य पालन में उपयोग की जाने वाली मशीनों और उपकरणों के अलावा अन्य कृषिपयोगी यंत्रों के दाम सस्ते हो जायेंगे। वर्तमान में इन पर 12 प्रतिशत टैक्स लगता था जो घटकर अब मात्र 5 प्रतिशत हो जायेगा। फलस्वरूप किसानों को सस्ते दामों पर उपकरण बाजार में मिलेंगे। इन उपकरणों के सस्ते हो जाने से इन मशीनों की मांग बाजार में बढ़ेगी जिससे उपकरण निर्माण से जुड़े उद्योगों को भी फायदा होगा। कृषिपयोगी यंत्रों के दाम घटने से लघु व सीमांत किसान भी इन उपकरणों का इस्तेमाल कर सकेंगे। कृषि के क्षेत्र में नई तकनीक का प्रयोग बढ़ेगा। किसानों को कम से कम लागत में अधिक से अधिक उत्पादन करने की हमेशा चिंता रहती है, जी.एस.टी. दरों में प्रस्तावित कटौती से उनकी यह चिंता दूर हो जाएगी। नए बदलाव से उत्पादन लागत तो घटेगा ही, साथ ही साथ नई उन्नत तकनीक के प्रयोग से कृषि उत्पादन भी बढ़ेगा।

मोदी सरकार ने चमत्कारिक निर्णय लेते हुए 12 किस्म की जैव-कीटनाशकों और प्राकृतिक मेंथाल पर भी टैक्स घटा दिया है जिससे भारत में जैविक कृषि को प्रोत्साहन मिलेगा। वर्तमान में किसानों को कृषि उत्पाद के विपणन के लिए सुलभ बाजार की व्यवस्था तो है ही, लेकिन लघु एवं सीमांत किसान साधन के अभाव में अपना उत्पाद बाजार तक नहीं पहुंचा पा रहे थे। अब संसाधनों के मूल्य में कमी हो जाने से अपने उत्पादों को परिवहन करके बाजार तक आसानी से पहुंचा सकेंगे।

खाद्यान्न के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने तथा विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी.एस.टी. दरों में कटौती करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। निश्चित रूप से इस बदलाव से कृषि प्रधान देश में आर्थिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। अतः यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि 22 सितम्बर 2025 का दिन भारत के खेती किसानी के लिए स्वर्णिम युग की शुरुवात होगी। इस ऐतिहासिक बदलाव से खेत और खेतिहर दोनों गुलजार होंगे।

ट्रंप की निजी खुन्नस का नतीजा

कहा जा रहा है कि अमेरिका की एक प्रसिद्ध कम्पनी जैफरीज ने यह दावा किया है कि भारत पर थोपा गया बेतहाशा टैरिफ राष्ट्रपति ट्रम्प की निजी खुन्नस का नतीजा है जो कि आगे चल कर अमेरिका के राष्ट्रीय हितों के लिए घातक है। कम्पनी के अनुसार ट्रम्प का ये कदम उनके सहयोग के विपरित है एवं अमेरिका के राष्ट्रीय हितों में भी सही नही है। इसी तरह से अमेरिकी अर्थशास्त्री रिचर्ड वोल्फ का कहना है कि अमेरिका आज भारत के खिलाफ एक बड़े दबंग की तरह व्यवहार कर रहा लेकिन ऐसा करके वह अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहा है। कह सकते हैं कि भारत को धमकाने से वह ब्रिक्स को पश्चिमी देशों के लिए एक आर्थिक विकल्प बनने की दिशा में धकेल रहा है। रिचर्ड वोल्फ का कहना है कि भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा देश है एवं आज भारत को यह बताना कि उसे क्या करना चाहिए यह तो एक तरह से एक चूहे का अपने एक साथी को मुक्का मारने जैसा है एवं उनका यह भी कहना है कि अगर अमेरिका भारत के लिए अपने दरवाजे बन्द कर देता है तो भारत को अपने निर्यात बेचने के लिए अन्य जगह मिल जायेगी और इस कदम से केवल ब्रिक्स देशों को मजबूती मिलेगी, अतः कहा जा सकता है कि भारत पर 50% टैरिफ लागू करना अमेरिकी राष्ट्रपति की व्यक्तिगत खुन्नस का ही नतीजा है।

– **मनमोहन राजावत**, शाजापुर

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल pioneer.editorial@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

भिभौरी मे नगर पंचायत भवन निर्माण का विधायक दीपेश साहू ने किया भूमिपूजन

पायनियर संवाददाता ᐸ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

नगर पंचायत भिभौरी में 50 लाख रूपये के लागत बनने वाले नगर पंचायत भवन निर्माण हेतु भव्य भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश मंत्री संध्या परगनिया सम्मिलित हुई तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष संदीप परगनिया ने की। विधायक दीपेश साहू ने वैदिक मंत्रोच्चारण एवं पूजा-अर्चना कर नगर पंचायत भवन निर्माण का विधिवत भूमिपूजन किया। उन्होंने इस अवसर पर नगर पंचायत भिमभौरी के समस्त नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए कहा कि डूंगरु पंचायत भवन का निर्माण भिमभौरी नगरवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके निर्माण से न केवल प्रशासनिक कार्य सुव्यवस्थित होंगे, बल्कि आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ और त्वरित सेवाएँ भी प्राप्त होंगी। यह भवन जनसेवा का सशक्त केंद्र बनेगा और नगर के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक नया अध्याय जोड़ेगा। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने उपस्थित सभी नागरिकों से नगर के विकास कार्यों में सहयोग और सहभागिता की अपील की। कार्यक्रम में नगर पंचायत भिम भौरी के चुनाव प्रभारी महेश साहू, मण्डल अध्यक्ष सूर्यकान्त नायक, मण्डल उपाध्यक्ष उत्तम देवांगन, पार्षद श्याम कुमार वर्मा, लीला देवी, अरुण साव, सीता सिन्हा, श्यामा, कैलाश वर्मा, गोविन्द यदु, नरेंद्र धीवर, मोहित साहू, प्रकाश यादव, यूके देवांगन, योगेश धीवर, परस यादव, लोकनाथ साहू, अमर साहू, नगर पंचायत सीएमओ, तहसीलदार सरिता मंडरिया, पटवारी सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बैराज के मुख्य नहर निर्माण में गड़बड़ी के आरोप क्षेत्रीय जनपद सदस्य सरिता साहू द्वारा निरीक्षण

पायनियर संवाददाता ᐸ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

जनपद पंचायत क्षेत्र की जनपद सदस्य सरिता मदन साहू ने सूखा नाला बैराज के नहर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नहर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से असंतुष्ट जनपद सदस्य ने बैराज के एसडीओ को पत्र लिखकर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की है। साहू ने उल्लेख किया है कि सूखा नाला बैराज के मुख्य नहर आरडी. 0 मी. से 16890 मी. एवं 16890 मी. से 24120 मी. तक रिमॉडलिंग एवं सीसी लाइनिंग का कार्य विभाग द्वारा कराया गया है। इसमें व्हीआरबी, इनलेट, ओपन ट्रफ, स्क्रैप, पुलिया और कोलापा का निर्माण कार्य शामिल है। इन कार्यों में गुणवत्ता की कमी होने का आरोप सरिता मदन साहू ने लगाया है। इन्होंने कहा है कि गुणवत्ता की वजह से ही जगह जगह पानी का रिसाव हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों से स्थल निरीक्षण व भौतिक सत्यापन कराकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। निरीक्षण के दौरान सूखानाला बैराज की मुख्य नहर लाइनिंग कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया गया। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने संयुक्त रूप से करोड़ों की लागत से हुए कार्यों का निरीक्षण किया और पाई गई त्रुटियों को सुधारने के निर्देश दिए। विज्ञप्ति में सबसे बड़ी समस्या नेशनल हाईवे से डोंगरगांव पहुंच मार्ग मचानपार के पास नाली क्रॉसिंग से लगातार हो रहे पानी के रिसाव को बताया गया है। इसके तत्काल निराकरण के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग और बैराज के अधिकारियों को मिलकर मरम्मत करने की बात कही गई। नहर निरीक्षण दरम्यान जिला कांग्रेस अध्यक्ष मदन साहू, ग्राम पंचायत कोपेडीह सरपंच वीर सिंह चंद्रवंशी, उपसरपंच टेलन सिंह वर्मा, जीवन वर्मा, पुरुषोत्तम साहू, गौतम वर्मा सहित विभाग के एसडीओ आर के गजभिये, सबइंजीनियर, टाइमकीपर गौतम भी मौजूद थे।

विधायक ने दिलाई है स्वीकृति

जनपद सदस्य ने बताया कि सूखा नाला बैराज के मुख्य नहर की लाइनिंग का यह कार्य क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और किसानों की मांग पर विधायक दलेश्वर साहू के विशेष प्रयासों से स्वीकृत हुआ है। करोड़ों की लागत वाले इस कार्य को दो भागों में ठेकेदारों द्वारा पूरा किया जा रहा है। अधिकांश कार्य लगभग पूर्णता की ओर है। इस साल बैराज के अंतिम छोर पर स्थित आलिखूँटा व कोपेडीह कोहैं को समय पर पर्याप्त पानी मिल पाया।

शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौंडी में रजत जयंती वर्ष संगोष्ठी का भव्य आयोजन

पायनियर संवाददाता ᐸ बालोद
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शासकीय कंगला मांझी महाविद्यालय डौंडी में रजत जयंती वर्ष 2025 के अंतर्गत संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, प्रबुद्धजन, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि रहे भाजपा जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा छत्तीसगढ़ राज्य 25 वर्ष पूर्ण कर गौरवपूर्ण रजत जयंती मना रहा है। उन्होंने राज्य के संसाधनों, विकास की यात्रा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत विकसित भारत 2047 विजन डॉक्यूमेंट की चर्चा करते हुए युवाओं से शिक्षा के साथ प्रकृति संरक्षण, संस्कृति संवर्धन और समाज निर्माण में भागीदारी की अपील की। इतिहास उस ओर मुड़ता है, जिस ओर जवानी चलती है, उस ओर जवानी चलती है। उन्होंने डौंडी क्षेत्र में छात्राओं की संख्या पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि 90% छात्राएं होना 'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ' अभियान की सच्ची सफलता है।

विकास की दिशा में प्रयासरत रहने का दिया संदेश

वही अतिथि भाजपा जिला महामंत्री राकेश 'छोटू' यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का एकमात्र राज्य है जिसे 'महतारी' कहकर संबोधित किया जाता है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के संघर्ष, अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान और भाजपा सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा छत्तीसगढ़ की यात्रा शोषण से स्वाभिमान तक की यात्रा रही है। महाविद्यालय के प्राचार्य योगेंद्र साहू ने अपने पिता की शिक्षकीय परंपरा का उदाहरण देते हुए छात्रों को लक्ष्य निर्धारित करने और सतत विकास की दिशा में प्रयासरत रहने का संदेश दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 विजन एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रस्तुत विकसित छत्तीसगढ़ अंजोर 2047 डॉक्यूमेंट की विस्तृत जानकारी दी। प्राचार्य ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार का वर्तमान टर्नओवर 5 लाख करोड़ है, जिसे 2047 तक 75 लाख करोड़ करने का लक्ष्य है। बेरोजगारी दर को 2.7 से घटाकर 1 करना। शिशु मृत्यु दर को प्रति हजार 38 से घटाकर 5 तक लाना। जीवन प्रत्याशा को 65 वर्ष से बढ़ाकर 85 वर्ष तक करना। उन्होंने युवाओं से सतत विकास की दिशा में सरकार के साथ मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की

आयोजन का मुख्य बिंदु युवाओं की भूमिका और जिम्मेदारी पर बल, नई शिक्षा नीति 2020 की उपयोगिता पर चर्चा, जल, बिजली एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की अपील, सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूकता रही। वही कार्यक्रम का समापन देशभक्ति नारों 'भारत माता की जय' एवं 'छत्तीसगढ़ महतारी की जय' के साथ हुआ। अतिथियों ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान जनभागीदारी समिति अध्यक्ष अजय चौहान, जिला मंत्री सोमेश सोरी, जिला सह कोषाध्यक्ष मनीष झा, नगर पंचायत अध्यक्ष मोहंतीन बाई चौरका, जनपद पंचायत अध्यक्ष मुकेश कौडो, जनपद उपाध्यक्ष भोलाराम नेताम, नगर पंचायत उपाध्यक्ष संजीव मानकर, जिला मीडिया प्रभारी कमल पनपालिया, मंडल अध्यक्ष रूपेश नायक, मंडल महामंत्री इंछा राम साहू अन्य जनप्रतिनिधिगण, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं नागरिकगण मौजूद रहे।

शासकीय प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन

पायनियर संवाददाता ᐸ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

शासकीय प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन बच्चों के द्वारा किया गया विभिन्न कार्यक्रम। प्राथमिक विद्यालय दाढ़ी में शिक्षक दिवस पर्व पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन एवम बच्चों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप मे विकास खंड शिक्षा अधिकारी कामनी महिलांग विशिष्ट अतिथि अवधेश दुबे नगर पंचायत दाढ़ी जनप्रतिनिधि के रूप में सुरज साहू पार्षद प्रतिनिधि के रूप मे गणेश यादव शिबू जायसवाल उपस्थित थे एवम सेवा निवृत्त शिक्षक जवाहर सिंह राजपूत जवाहर लाल वर्मा सुरेन्द्र दुबे धरम दास चतुर्वेदी एवम कन्या शाला के प्राचार्य धर्मेंद्र ग्वालवंसी संकुल समन्वयक सोनेलाल चंद्राकर ललित कुमार संकुल समन्वयक सातवंशी सर उपस्थित थे कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती जी की पूजा अर्चना किया गया और स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया उसके बाद सेवा निवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया गया सम्मान समारोह के बाद जवाहर सिंह राजपूत ने बच्चों को आशीर्वचन के रूप में गुरु शिष्य के महत्व पर प्रकाश डाला बच्चों को अच्छे पढ़ने लिखने के लिए प्रेरित किया गया। सुरेन्द्र दुबे सर ने बच्चों को गतिविधि से सीखना चाहिए इस पर प्रकाश डाला। जवाहर सिंह वर्मा द्वारा विभिन्न विषयों को सरल तरीके से सीखने के लिए प्रेरित किया गया। चतुर्वेदी ने बच्चों को अच्छे पढ़ने लिखने सीखने के आशीर्वचन दिए गए। उसके बाद बच्चों का फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता रंगोली प्रतियोगिता डांस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम दूसरा स्थान आने वाले बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया एवं सभी बच्चों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। संस्था प्रमुख चंद्रभान सिंह धुर्वे ने सभी अतिथि का स्वागत सम्मान किया गया। मंच संचालक डाइट छात्र कुमारी निधि देवांगन ने किया डाइट छात्र सुमन साहू ऋतु धुर्वे शाहिस्ता ने बच्चों को गतिविधि के माध्यम से सिखाया गया संस्था से महेश्वर सिंह चंदेल आरती गुप्ता प्रतिमा भंडारी भुनेश्वरी कुंभकार राजिम जायसवाल ललिता कुंभकार अनुसुइया निषाद डोमन धुर्वे कॉलेज छात्र अनुवय गुप्ता आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का आभार प्रकट चंद्रभान सिंह धुर्वे ने आभार व्यक्त किया गया।

संस्था एवं पाठ्यक्रम परिवर्तन हेतु पोर्टल पर सुविधा उपलब्ध

बेमेतरा। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (कॉलेज स्तर) वर्ष 2025-26 के विद्यार्थियों के लिए खुशखबरी है। विभागीय पोर्टल के माध्यम से पंजीयन, स्वीकृति एवं भुगतान की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। वर्ष 2025-26 में ऐसे विद्यार्थी, जो संस्था परिवर्तन, पाठ्यक्रम परिवर्तन, कोर्स ईयर परिवर्तन अथवा संस्था एवं पाठ्यक्रम दोनों परिवर्तन करना चाहते हैं, उन्हें भारत सरकार के नियमों के अनुरूप पोर्टल पर यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

राज्यपाल शिक्षक सम्मान प्राप्त करने वाले शिक्षकों का हुआ सम्मान

पायनियर संवाददाता ᐸ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

शासकीय प्राथमिक शाला कन्तेली में विगत दिनों वर्ष 2024 का राज्य शिक्षक सम्मान राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षिका सुनीता राजपूत जो शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कन्तेली की शिक्षिका है के साथ वर्ष 2025 हेतु राज्य शिक्षक सम्मान राज्यपाल पुरस्कार हेतु नामित शिक्षिका आंचल वर्मा का जो शासकीय प्राथमिक शाला कन्तेली में पदस्थ है का शाला की प्रधान पाठिका शीतल राजपूत एवं अन्य शिक्षकों के द्वारा सम्मान किया गया। सभी शिक्षकों ने दोनों ही राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित एवं चयनित शिक्षकों का पुष्पगुच्छ से अभिनंदन किया तथा उन्हें शाला परिवार की ओर से बधाइयां एवं शुभकामनाएं प्रेषित की इस अवसर पर प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला परिवार की ओर से पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों के लिए कहा गया कि इनके द्वारा जो कक्षा में मेहनत की गई है तथा नवाचार किया गया है साथ ही साथ शिक्षा के क्षेत्र में जो योगदान दिया गया है उसके लिए राज्य शासन ने जो इन्हें सम्मान दिया है वह बहुत ही गर्व की बात है। विशेष रूप से दोनों ही शिक्षक ग्राम कन्तेली से आते हैं जो शाला परिवार को गौरवान्वित करता है। कार्यक्रम में प्राथमिक शाला के प्रधान पाठिका शीतल राजपूत पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक परसराम साहु सहित शिक्षक गितेश मिश्रा प्रीति साहू नीता देशमुख प्रकाश सोनी कनक मैडम भी उपस्थित रहे।

बालोद को राष्ट्रीय राजमार्ग 930 के रूप में नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग की मिली सौगात

बालोद जिला देश एवं प्रदेश के नक्शे में शामिल

पायनियर संवाददाता ᐸ बालोद
www.dailypioneer.com

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 के साथ-साथ बालोद जिले में नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 930 की सौगात मिलने से बालोद जिले का नाम अब बेहतर एवं सुगम यातायात की दृष्टि से देश एवं प्रदेश के नक्शे में शामिल हो गया है। बालोद जिले को पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 के अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 930 के रूप में नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग का सौगात मिलना जिले व प्रदेश में सड़क एवं यातायात सुविधाओं की विस्तारीकरण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सौगात है। विदित हो कि सड़क केवल सुगम यातायात का ही माध्यम नही होता अपितु यह सभ्यता एवं संस्कृतियों का प्रसार तथा मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता का भी महत्वपूर्ण एवं कारगर माध्यम होता है। बालोद जिले में एक और राष्ट्रीय राजमार्ग की सौगात मिलने से जिले में यातायात सुविधाओं के विस्तार होने के साथ-साथ यह मार्ग जिले और प्रदेश की विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा।

जिले के विकास के लिए मील का पत्थर होगा साबित

उन्होंने बताया कि बालोद जिले के पुरूर से लेकर सीमावर्ती मोहला-मानुपर-अंबागढ़ चौकी जिले के महाराष्ट्र सीमा पर स्थित ग्राम कोहका तक की कुल लंबाई 115.300 है। छारी ने बताया कि पैकेज 02 के अंतर्गत बालोद जिले के सीमावर्ती ग्राम शेरपार से लेकर मोहला-मानुपर-अंबागढ़ चौकी जिले के अंतर्गत महाराष्ट्र सीमा पर स्थित ग्राम कोहका तक के राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 930 का निर्माण कार्य लगभग 90 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुका है। इस तरह से बालोद जिले के पुरूर से लेकर मोहला-मानुपर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम कोहका तक इस राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्य शत पूरा हो जाने पर छत्तीसगढ़ राज्य सहित बालोद एवं सीमावर्ती जिलों में सुगम एवं बेहतर यातायात सुविधा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगा। इस तरह से यह मार्ग सड़क एवं यातायात सुविधाओं की विस्तार के अलावा देश एवं प्रदेश के साथ-साथ बालोद जिले के विकास के लिए भी मील का पत्थर साबित होगा।

शेरपार तक निर्माण कार्य हुआ पूर्ण

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 930 के निर्माण के प्रगति के संबंध में जानकारी देते हुए लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग बालोद के अनुविभागीय अधिकारी अनिल कुमार छारी ने बताया कि पैकेज 01 के कार्यों के अंतर्गत जिला मुख्यालय बालोद के समीपस्थ ग्राम झलमला से लेकर मोहला मानपुर जिले के ग्राम शेरपार तक का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही भारत सरकार के द्वारा पुरूर से झलमला तक शेष सड़क के निर्माण कार्य हेतु स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उन्होंने बताया कि पुरूर से झलमला तक राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्य हेतु डीपीआर निर्माण करने की कार्रवाई जारी है। शीघ्र ही इसका डीपीआर तैयार कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पुरूर से झलमला तक का राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 930 के निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से संपूर्ण बालोद जिले में इस नवीन राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा।

शेष निर्माण कार्यों का तत्परता से किया जा रहा कार्य

उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गटकरी द्वारा जिले के प्रभारी मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा व अरूण साव एवं क्षेत्रीय सांसद भोजराज नाग के विशेष प्रयासों से राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 930 के शेष कार्य के अंतर्गत पुरूर से लेकर झलमला तक के लिए बजट में राशि का प्रावधान किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी अनिल कुमार छारी ने कहा कि कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के सतत दिशा-निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 930 के शेष निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा कराने हेतु तत्परता से कार्य किया जा रहा है। जिसके फलस्वरूप कुछ ही दिनों के पश्चात् राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 930 के रूप में गुणवत्तायुक्त एवं बेहतरीन पूरी तरह से मूर्त रूप ले लेगा।

नेशनल लोक अदालत में 3 करोड़ 54 लाख 10 हजार रूपये अवार्ड राशि का हुआ वितरण

पायनियर संवाददाता ᐸ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

जिला न्यायालय बेमेतरा में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें बृजेन्द्र कुमार शास्त्री, प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दीप प्रज्वलित कर लोक अदालत का शुभारंभ कर कार्यक्रम में उपस्थित न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण व न्यायिक कर्मचारीगण को अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण करने हेतु प्रोत्साहित कर शुभकामनाएं दी गई। अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा द्वारा लोक अदालत की विशेषता बताते हुए कहां कि पक्षकारों के मन में पुराने समय से चल रही वैमनस्यता को दूर करने के लिए लोक अदालत बहुत अच्छा माध्यम है। यह एक राष्ट्र के प्रति सेवा है, जिसमें हमें बढ़ चढ़कर अपनी सहभागिता देनी चाहिए, तथा न्यायालय में लंबित मामलों के अधिक से अधिक निराकरण कर सौहाद्रपूर्ण वातावरण का निर्माण कर राष्ट्र के विकास में सहयोग प्रदान करना चाहिए। लोक अदालत में जिला न्यायालय प्रांगण में जिले के कोने-कोने से पक्षकार अपने प्रकरणों के निराकरण के लिए उपस्थित हुये, जिनकी सुविधा के लिए विधिक सहायता डेस्क, स्वचलित चिकित्सकीय वेन, स्वास्थ्य डेस्क व समस्त बैंक, विद्युत विभाग, फाइनेंस कंपनी द्वारा संचालित डेस्क लगाई गयी। नेशनल लोक अदालत हेतु जिला न्यायालय में 8 खण्डपीठ और तहसील साजा न्यायालय में 1 खण्डपीठ इस प्रकार जिला में कुल 9 न्यायालयीन खण्डपीठ का गठन कर दो-दो सुलहकर्ता सदस्यों की नियुक्ति की गई। उक्त नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के अनुक्रम में समस्त न्यायालीन कर्मचारी, पैरालीगल वालेंटियर्स, जिला प्रशासन, जिला एवं जनपद पंचायत, नगर पालिका, विद्युत विभाग, जिले की समस्त बैंको सहित अन्य समरत विभागों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ है। 3 करोड़ 54 लाख 10 हजार रूपये अवार्ड राशि का हुआ वितरण जिले में 9477 प्री-लिटिगेशन व लंबित प्रकरणों को निराकरण हेतु रखा गया था जिसमें से राजस्य प्रकरण, विद्युत विवाद, बैंक प्रकरण व बी.एस.एन.एल. प्रकरणों का निराकरण कर कुल 39.88.867 /- रूपये की वसूली की गई। न्यायालय में लंबित

35 अपराधिक प्रकरण, 14 सिविल प्रकरण, 28 पारिवारिक प्रकरण, 26 एनआई एक्ट धारा 138 प्रकरण, 22 मोटर दुर्घटना दावा व 2319 अन्य प्रकरण का निराकरण कर कुल 3.14.21,419 /- रूपये का अवार्ड पारित कर जिलें में रिकॉर्ड अनुसार 3,54.10.286 /- रूपये की समझौता राशि वसूली गई। नेशनल लोक अदालत में नालसा एवं सालसा योजनाओं एवं अभियानों की व्यापक प्रचार-प्रसार करने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा द्वारा योजनाओं / अभियानों एवं कानूनी के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में न्याय वृक्ष एवं द्वार तोरन बनाकर प्रदर्शनी के माध्यम से नेशनल लोक अदालत में आये पक्षकारों को जानकारी प्रदान करते हुए कानूनी विषयों पर रंगोली बनाकर बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं, न्याय सबके लिए संदेश देते हुये बाल विवाह एवं बलात्कार पीडिता के गर्भ का चिकित्सीय समापन व अन्य विधिक विषयों पर पाम्पलेट का वितरण कर जागरूक किया गया। तथा प्रेरणादायक सुविचारों को छोटे-छोटे तख्तियों के माध्यम से समस्त न्यायालय परिसर में लगाकर पक्षकारों को आपसी रंजीश, नफरत व वैमनस्यता को दूरकर समझौता करने हेतु प्रोत्साहित किया गया तथा हमारा परिवार ही हमारी असली ताकत होती है, परिवार हमारे जीवन को स्थिरता और प्रेम देती है, परिवार के बिना जीवन अधूरा है. इस प्रकार परिवार न्यायालय के पक्षकारों को परिवार का महत्व समझातें हुए उन्हें पुनः एक होकर जीवन यापन करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, निष्पादन एमएसीटी के प्रकरण एवं आर्बिटल प्रकरण में अवार्ड पारित किया

बृजेन्द्र कुमार शास्त्री, प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा के न्यायालय में दुर्घटना में मृतक मनहरण लहरे की मृत्यु होने पर क्षतिपूर्ति हेतु 47,00,000 /- रूपये तक का दावा मृतक के परिजनों द्वारा प्रस्तुत किया गया था। न्यायाधीश के समझाईश पर बीमा कंपनी द्वारा मृतक की मां, अवयस्क बहन एवं उसके दादा-दादी के पक्ष में 20.00.000 /- (अक्षरी बीस लाख रूपये) का क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करने हेतु सहमत होते हुए राजीनामा किया गया। दोनों पक्षों के द्वारा राजीनामा होने के आधार पर 20,00,000/- (अक्षरी बीस लाख रूपये) क्षतिपूर्ति राशि प्रदान किया गया। पीठासीन अधिकारीदेवेन्द्र कुमार, खण्डपीठ कमांक 03 द्वारा श्रीराम ट्रांसपोर्ट फायनेंस कंपनी लिमिटेड ने एक निष्पादन प्रकरण कं0 71/2023 इस न्यायालय में एवार्ड की राशि 8,32.964 /- रूपये प्राप्त करने के लिए प्रकरण प्रस्तुत किया था। उक्त प्रकरण में समझाईश देने पर निर्णीतऋणी की आर्थिक दशा को देखते हुए फायनेंश कंपनी ने 8.32,964 /- रूपये के स्थान पर 50,000 रूपये में समझौता किया। उसी प्रकार दूसरे निष्पादन प्रकरण कं. 49/2023 में इस न्यायालय में एवार्ड की राशि 2,46,780 /- रूपये प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था जिसमें भी निर्णीतऋणी की आर्थिक स्थिति को देखते हुए खण्डपीठ द्वारा समझाईश दिये जाने पर चोला मण्डलम इन्वेस्टमेंट एण्ड फायनेंश कंपनी के द्वारा 2,46,780 /- रूपये के स्थान पर 1,82,000 /- रूपये में समझौता किया जाकर मामले का निराकरण किया गया है। इसके अलावा चेक अनादरण के संबंध में एक आपराधिक अपील प्रकरण क0 11/2024 का निराकरण किया जिसमें विचारण न्यायालय में आरोपी को 03 माह का साधारण कारावास एवं 3,50,000/- रूपये का प्रतिकार राशि देने का आदेश हुआ था लेकिन लोक अदालत में उपरोक्त आपराधिक अपील का निराकरण राजीनामा के आधार पर 3,00,000 /- रूपयें में किया गया।

पति-पत्नी और भाई-भाई मध्य आपसी रंजीश न्यायाधीश के प्रयास से हुई खत्म

न्यायाधीश मोहित सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में दो भाईयों के बीच पुरानी रंजिश के चलते गाली गलौज, मारपीट व मारने की धमकी को लेकर हुए विवाद के चलते मामला पेश किया था। न्यायाधीश के द्वारा पक्षकारों के मध्य प्री-सीटिंग कराई गगी न्यायालय के समझाईश पर दोनों पक्षों के द्वारा लिखित में राजीनामा प्रस्तुत किया गया जिस पर राजीनामा कराया जा कर दो भाईयों के बीच चली आ रही रंजिश को समाप्त किया गया। न्यायालय में लगभग 03 वर्ष से लंबित पति पत्नी के मध्य गाली गलौच का मामला पेश किया गया था। पक्षकारों ने न्यायालय में समझाये जाने पर नेशनल लोक अदालत में आपस में राजीनामा किया। तथा दोनों पक्षों द्वारा सौहाद्रपूर्ण सहिष्णुता का आचरण भविष्य में किए जाने का संकल्प लिया है। इस प्रकार दोनों के मध्य आपसी संबंधों को मधुर बनाने का प्रयास सफल रहा।

परिवाररिक मामलों के झगड़ों में न्यायाधीश ने राजीनामा कराया

नेशनल लोक अदालत में पति/पिता द्वारा पत्नि एवं पुत्र के साथ गाली गलौज व मारपीट मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट, मो. जहांगीर तिगाला द्वारा रिश्तो की अहमियत को बतातें हुए समझाइश दिये जाने पर पिता, पत्नि एवं पुत्र द्वारा मन-मुटाव को भूलकर आपसी समझौते के आधार पर आपसी राजीनामा किया गया। वही दूसरे प्रकरण में दो पक्षों के मध्य ट्रैक्टर को लेकर गाली गलौज का मामला पेश किया गया था। जहां पीठासीन अधिकारी द्वारा दोनों पक्षो के मध्य आपसी सहमति से राजीनामा कराया गया।

मवेशी की मृत्यु करंट लगने से होने पर विद्युत विभाग प्रकरण में हुआ राजीनामा

प्रकरण के वादी विष्णु यदु के पास एक मुर्रा नरल की एक भैंस थी, जिसे उसकी बेटी रीतु चराने के लिए 25.07.2021 को सल्दा से संडी के रास्ते पर स्थित कच्ची रोड में लेकर जा रही थी, रास्ते में कुमार साहू के खेत के किनारे लगे बिजली विभाग के ट्रासफार्मर का तार टूटकर गिर गया था। जिसकी चपेट में आने से वादी की भैंस की करंट लगने से तत्काल मृत्यु हो गया थी। जिसके बाद वादी के द्वारा विद्युत विभाग में मुआवजा के लिए नोटिस भेजी गया थी, जिसका कोई निराकरण नही होने पर वादी के द्वारा न्यायालय के समक्ष वाद प्रस्तुत किया गया, जिस पर सुसार्विका चतुर्वेदी, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी के द्वारा समझाईश दिये जाने पर विद्युत विभाग द्वारा वादी को 32,800 रूपये की मुआवजा राशि प्रदान करने हेतु सहमत होने के आधार पर दोनों पक्षों के मध्य राजीनामा के माध्यम से उक्त प्रकरण का निराकरण किया गया।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से मिलेगा उत्कृष्ट परिणाम, कलेक्टर ने कहा किताबों में ही नहीं बनाना होगा वातावरण

पायनियर संवाददाता ⊲ बलरामपुर
www.dailypioneer.com

जिले में शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने तथा आगामी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा ने संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कक्षा 10वीं और 12वीं की गत वर्ष की परीक्षा परिणामों की समीक्षा की गई तथा इस वर्ष और बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने हेतु रणनीति पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास कराते हुए उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करें, ताकि उनकी शैक्षणिक क्षमता बढ़े और जिले का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट हो। उन्होंने निर्देश दिया कि संकुल स्तर पर आने वाली शालाओं का लगातार निरीक्षण करें तथा छात्रों की पढ़ाई की समीक्षा कर आवश्यक सहयोग प्रदान करें। पढ़ाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियों के आयोजन पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जोड़कर उनकी प्रतिभा को उभारने के अवसर प्रदान करें, जिससे उनमें आत्मविश्वास का विकास होगा। शैक्षणिक सुविधा से जुड़े अन्य विषयों पर भी कलेक्टर ने निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के सभी छात्र-छात्राओं को जाति प्रमाण पत्र समय पर उपलब्ध कराए जाएँ। जिन विद्यार्थियों के पास अभी दस्तावेज नहीं हैं, उनके लिए विशेष कैंप आयोजित कर आवश्यक कागजात संकलित कर प्रमाण पत्र बनवाकर उपलब्ध कराया जाए। विद्यालयों की अधोसंरचना, साफ-सफाई, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता तथा अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताते हुए कलेक्टर ने शिक्षकों से उपस्थिति समय एवं नियमित अध्यापन कार्य सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने कार्य में निष्ठा और जिम्मेदारी से योगदान दें, जिससे बच्चों का शैक्षणिक स्तर और ऊँचा उठे। कलेक्टर ने बच्चों को बेहतर भविष्य की दिशा में प्रेरित करते हुए कहा कि उन्हें केवल किताबों तक सीमित न रखकर, आसपास के वातावरण, प्रायोगिक गतिविधियों और जीवन से जुड़े अनुभवों से भी जोड़ें। इससे शिक्षा में रुचि बढ़ेगी और बच्चों का व्यक्तित्व विकसित होगा। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी डा. डी.एन. मिश्रा, शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

वेल विशर फाउंडेशन द्वारा शासकीय साहेब लाल गौतम मंगतू उ.मा. शाला कापन स्कूल में शिक्षक सम्मान व कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का किया गया आयोजन

पायनियर संवाददाता ⊲ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

वेल विशर फाउंडेशन द्वारा शासकीय साहेब लाल गौतम (मंगतू) उ.मा. शाला कापन में शिक्षक सम्मान व कैरियर मार्गदर्शन का आयोजन किया गया। जिसने अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी सतीश दीवान, डॉ इंद्रजीत कालेज के प्रोफेसर सुनील साहू, डॉ इंद्रजीत कालेज के हस्स प्रभारी उपेंद्र वर्मा व अजीम प्रेम फाउंडेशन के गौरव साहू शामिल हुए। बच्चों को सम्बोधित करते हुए समाजसेवि सतीश दीवान ने कहा कि वेल विशर फाउंडेशन द्वारा लगातार समाज के किये नेक कार्य किए जा रहे है।आगे सम्बोधन में कहा कि पहले शिक्षा के लिए गुरुकुल पद्धति हुआ करती थी।हमारे देश के गुरुकुलों को को जला कर नष्ट कर दिया गया जिससे हमारे देश की शिक्षा प्रणाली को काफी नुकसान हुआ है। गुरु ही देश के भविष्य निर्माता है । गुरु ज्ञान के प्रकाश से हमारे जीवन मे अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करता है और हमारे भविष्य को संवारने में मदद करते है। प्रोफेसर सुनील साहू ने बच्चों को अपने कैरियर के प्रति सजग रहने के लिए कहा ।अपने लक्ष्य का निर्धारण अभी से करते हुए उसको पाने के लिए अभी से कड़ी मेहनत करने की बात कही। सफल होना केवल पैसे कमाना ही नही है बल्कि सफल तब आप है जब समाज के लिए आप अपने कर्तव्य का निर्वाह कर रहे हो एनएसएस प्रभारी उपेंद्र वर्मा ने बच्चों को मन लगा कर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। और कुछ बन कर समाज के लिए कुछ करने की प्रेणा दी। अजीम प्रेम जी के गौरव साहू ने अजीम प्रेम फाउंडेशन द्वारा चलाये जा रहे छात्रवृति व फाउंडेशन द्वारा संचालित कालेज जे बारे में बच्चों को अवगत कराया। स्कूल के प्रभारी प्राचार्य राम रत्न कोसले ने वेल विशर फाउंडेशन द्वारा किये जा रहे कार्यो को सहराहाना की और उक्त कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया। संस्था के सदस्य मोहन कश्यप ने कहा कि हमारे संस्था के द्वारा शिक्षको के सम्मान के लिए ये कार्यक्रम आयोजित की है। हमें सदैव हमारे गुरुजनो का सम्मान करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन वेल विशर फाउंडेशन के सचिव चिराग शर्मा ने किया। आभार प्रदर्शन सदस्य दीपक साहू ने किया। कार्यक्रम में वेल विशर फाउंडेशन के अध्यक्ष अविनाश सिंह, सचिव चिराग शर्मा कोषाध्यक्ष रंजना सिंह सदस्य दीपक साहू, मोहन कश्यप, सौरभ सिंह, सतीश मानिकपुरी, श्रीपाल, प्रेम निलमकर, शरद सिंह व स्कूल के शिक्षक शिक्षकाओ उपिस्थति थे। वेल विशर फाउंडेशन द्वारा रामरत्न कोसले प्रभारी प्राचार्य, सतीश कुमार स्वर्णकार, राज कुमार कौशिक, मनमोहन लाल टण्डन, विजय कुमार कश्यप, गोपाल प्रसाद मार्बल, हेमलता दिव्य, अंजुलता राठौड़, कुमारी शारदा कश्यप, बेबी फरीदा खान, रेणु मिश्रा, नेमा थवाईत, सौरभ सागर, अमिता सिंह, निर्मला कश्यप, आशा किरण तिर्की, पफुला टोप्पो, प्रशांत साहू का किया गया सम्मान।

नगर पंचायत बाराद्वार के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि ने करी मंत्रियों से मुलाकात

पायनियर संवाददाता ⊲ सक्ति
www.dailypioneer.com

सक्ति विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक डॉक्टर खिलावन साहू एवं नगर पंचायत बाराद्वार के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक कलानोरिया के नेतृत्व में नगर पंचायत बाराद्वार के अध्यक्ष नारायण कुर्रे, उपाध्यक्ष जितेश शर्मा एवं सांसद प्रतिनिधि अमित कलानोरिया ने छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री ओ पी चौधरी से मुलाकात की। इस दौरान वित्त मंत्री जी से बाराद्वार शहर में उप पंजीयक कार्यालय खोलने का आग्रह किया तथा बताया कि बाराद्वार क्षेत्र काफी बड़ा इलाका है, एवं यहां के लोगों को रजिस्ट्री करवाने के लिए अन्य शहरों की ओर जाना पड़ता है तथा यहां रजिस्ट्री कार्यालय खुलने से शासन को भी बड़ा राजस्व लाभ मिलेगा जिस पर वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने भी जन प्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए इस पर शीघ्र ही कार्रवाई करने की बात कही।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से भी करी जनप्रतिनिधियों ने मुलाकात

बाराद्वार के जन प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से भी मुलाकात की तथा तथा उन्हें मंत्री बनाए जाने पर गुलदस्ता भेंट करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी, एवं उनसे मुलाकात के दौरान बाराद्वार शहर में स्वामी आत्मानंद स्कूल के नए बिल्डिंग का निर्माण शीघ्र ही करवाने की बात कही तथा इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष नारायण कुर्रे एवं उपाध्यक्ष जितेश शर्मा ने स्कूल शिक्षा मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें बताया गया है कि नगर पंचायत नया बाराद्वार सीमान्तर्गत संचालित आत्मानंद स्कूल के संबंध में विगत दिनों स्थानीय समाचार पत्रों में प्रमुखता से समाचार प्रकाशन किया गया, जिस पर हमारे द्वारा संज्ञान लेते हुए नगर पंचायत उपाध्यक्ष एवं शाला विकास समिति के अध्यक्ष के साथ मिलकर मेरे द्वारा स्कूल का निरीक्षण किया गया, जिसमें पाया गया कि स्कूल में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को स्कूल परिसर में मूलभूत सुविधा नहीं होने से बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा निरीक्षण के दौरान शिक्षकों द्वारा बताया गया कि स्कूल हेतु आबंटित जमीन पर कई व्यक्तियों द्वारा बेजा कब्जा कर लिया गया है, जिसका सीमांकन विगत वर्ष करवाकर बेजा कब्जा हटाये जाने हेतु जिला कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार बाराद्वार को पत्र के माध्यम से सीमांकन रिपोर्ट सहित प्रेषित किया जा चुका है। स्कूल परिसर में छात्र/छात्राओं एवं शिवाकों से बर्चा के दौरान पाया गया कि क्रमशः आत्मानंद स्कूल में रिक्त शिक्षकों के पद पर नियुक्ति हो,नवीन शाला भवन हेतु राशि उपलब्ध करवाई जाए। नगर पंचायत अध्यक्ष नारायण कुर्रे ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन की मंशानुरूप छात्र/छात्राओं के बेहतर वातावरण में शिक्षा प्रदान करने हेतु नगर पंचायत नया बाराद्वार में संचालित आत्मानंद स्कूल में बिन्दु क्र. 1 से 2 हेतु आवश्यकतानुसार राशि प्रदाय किए जाने की कृपा करेंगे।

अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब से भी मिले जन प्रतिनिधि

नगर पंचायत बाराद्वार के अध्यक्ष नारायण कुर्रे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ शासन के नवनियुक्त अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब से भी मुलाकात की, तथा उनसे मुलाकात के दौरान उन्हें मंत्री बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जिला स्तरीय कब्बडी प्रतियोगिता सम्पन्न

पायनियर संवाददाता ⊲ चांपा
www.dailypioneer.com

स्थानीय लायन्स स्कूल चांपा में 10 सितम्बर को जिला स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता (कबडडी अंडर-17, बालक/बालिका वर्ग) का आयोजन भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर लायन्स क्लब चांपा के अध्यक्ष लायन संतोष सोनी मुख्य अतिथि तथा लायन्स स्कूल चांपा के चेयरमैन लायन रामप्रपन्न देवांगन अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिले के पांचों ब्लॉकों के ब्लॉक प्रभारी भी शामिल हुए। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में बम्हनीडीह ब्लॉक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बालक वर्ग में नवागढ़ ब्लॉक ने बाज़ी मारी।

मुख्य अतिथि लायन संतोष सोनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि क्रीड़ा प्रतियोगिताएं न केवल शारीरिक विकास का माध्यम हैं बल्कि ये बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का भी निर्माण करती हैं। विजेता और प्रतिभागी आने वाले समय में जिले का ही नहीं बल्कि प्रदेश और देश का नाम भी रोशन करेंगे। विशिष्ट अतिथि लायन रामप्रपन्न देवांगन ने भी विद्यार्थियों को खेलों में निरंतर भागीदारी हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में विद्यालय परिवार एवं क्रीड़ा विभाग का विशेष सहयोग रहा।चयनित खिलाड़ी संभाग स्तर में जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे।

गर्वमेंट एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन का किया गया विस्तार, अंजू रत्नाकर बनाए गए प्रदेश संगठन सचिव

जांजगीर-चांपा। गवर्नमेंट एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष कृष्ण कुमार नवरंग ने अपने संगठन का विस्तार किया है। प्रदेश स्तर के प्रदेश महामंत्री, प्रदेश संगठन सचिव, उपाध्यक्ष रायपुर संभाग, कोषाध्यक्ष रायपुर संभाग पर पदाधिकारी मनोनीत किए गए हैं। नई कार्यकारिणी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सक्ती में पदस्थ एएनएम अंजू रत्नाकर प्रदेश संगठन सचिव बनाए गए। संगठन के विस्तार करने के बाद प्रांताध्यक्ष कृष्ण कुमार नवरंग ने कहा कि संगठन के मान सम्मान, प्रतिष्ठा, मर्यादा एवं नियमों का भलीभांति निर्वहन करने एवं अपनी अनुभवी से संगठन में एकता, भाईचारा बनाते हुए संगठन को और भी ऊंचाइयों तक पहुंचाने की बात कही है, प्रदेश संगठन सचिव बनाए जाने के बाद अंजू रत्नाकर ने कहा कि संगठन ने जिस विश्वास के साथ मुझे नई जिम्मेदारी दी है। उसे मैं बिल्कुल अच्छे तरीके से निर्वहन करूंगी। साथ ही संगठन को आगे बढ़ाने में हमेशा तत्परता के साथ करने की बात कही है।

कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने पर लिपिक को कलेक्टर ने किया निलंबित

रामानुजगंज। कार्यालय तहसीलदार रामानुजगंज विकासखंड रामचन्द्रपुर में सहायक ग्रेड-03, प्रवीण कुमार लकड़ा, प्रभारी लिपिक काननूगो शाखा तथा नायब नाजीर शाखा रामानुजगंज के द्वारा नशे के हालत में अपने कार्य पर उपस्थित होने एवं अपने पदीय दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता बरतने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-9 (1) (क) के तहत् कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा के द्वारा प्रवीण कुमार लकड़ा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में प्रवीण कुमार लकड़ा का मुख्यालय कार्यालय जिला निर्वाचन कार्यालय (स्थानीय) बलरामपुर नियत किया गया है। निलंबन अवधि में प्रवीण लकड़ा को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

भव्य राजमहल की थीम पर मातारानी स्वयं अपने राज दरबार में राजरानी के रूप में होंगी विराजमान

पायनियर संवाददाता ⊲ चांपा
www.dailypioneer.com

अग्रवाल सेवा समिति कोरबा रोड चांपा के तत्वावधान में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष श्री शतचंडी महायज्ञ एवं भव्य दुर्गोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। शतचंडी महायज्ञ एवं पूजन का कार्य मथुरा पुरी से पधारे विद्वान ब्राह्मण समिति द्वारा किया जाएगा।इस वर्ष दुर्गोत्सव हेतु साज सज्जा का थीम भव्य राजमहल के रूप में रखा गया है। माता स्वयं अपने राज दरबार में राजरानी के रूप में विराजमान होंगी। प्रतिमा निर्माण हेतु स्थानीय सिद्धहस्त प्रसिद्ध मूर्तिकार भटगांव से आए करीगर हैं। पश्चिम बंगाल के कारीगरों द्वारा भव्य पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। शारदीय नवरात्रि पर्व के दौरान प्रतिदिन कन्या भोज, भव्य संगीतमय आरती तथा दर्शन के लिए आए श्रद्धालु भोग प्रसाद की व्यवस्था समिति द्वारा की जा रही है। पिछले वर्षों में आयोजित दुर्गोत्सव को मिले प्रतिसाद को दृष्टिगत रखते हुए पर्याप्त पार्किंग, पेयजल, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरा आदि की व्यवस्था समिति द्वारा की जा रही है। समिति के पदाधिकारियों ने पूर्व की तरह सभी श्रद्धालुजनों से दुर्गोत्सव में पधारने का आग्रह किया है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि श्री शतचंडी महायज्ञ में कोई श्रद्धालु शामिल होकर पूजन व हवन में भाग ले सकता है। साथ ही कार्यक्रम में लोग स्वेच्छा से सहयोग भी कर सकते हैं।

भाजपा शक्ति ग्रामीण मंडल की सेवा पखवाड़ा बैठक में पहुंचे रामअवतार अग्रवाल

पायनियर संवाददाता ⊲ सक्ति
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण मंडल शक्ति की सेवा पखवाड़ा बैठक एवं कार्यशाला का आयोजन 12 सितंबर को किया गया, इस बैठक में मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता के रूप में प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश प्रतिनिधि एवं पूर्व जिला भाजपा उपाध्यक्ष राम अवतार अग्रवाल पहुंचे, इस दौरान बैठक का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तेल चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित कर हुआ, तत्पश्चात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व जिला भाजपा उपाध्यक्ष रामावतार अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के सेवा के काम, रचनात्मक कार्य, जरूरतमंदों की सेवा के लिए कार्य योजना बनाई है,, हमें भी अपने-अपने बूथ स्तर पर इन सभी कार्यक्रमों को प्राथमिकता के आधार पर संपादित करना है, एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 से लेकर आज तक पूरे देश में जनकल्याण के लिए सैकड़ो योजनाए प्रारंभ की है, एवं देश के विकास के लिए काम किया है, हमें इन सभी बातों को जन-जन तक पहुंचना है तथा हमारा एकमात्र लक्ष्य यही हो कि हम अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे एवं पार्टी की मंशा अनुरूप कार्यों को गति दें। इस दौरान भाजपा शक्ति ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष पहलवान दास महंत ने भी सभी उपस्थित मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को कहा कि मंडल द्वारा सेवा पखवाड़े के अंतर्गत अलग-अलग कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है, वे सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ अपने कार्यों को करें तथा प्रतिदिन की रिपोर्टिंग मंडल को जरूर दें, ताकि कार्यक्रमों के संबंध में ऊपर जानकारी दी जा सके, इस दौरान जहां वृक्षारोपण के भी काम किए गए तो वहीं भाजपा शक्ति ग्रामीण मंडल की बैठक में पूर्व मंडल अध्यक्ष लेखराम जयसवाल, रामानुज साहू सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता जनप्रतिनिधि मौजूद रहे, एवं सेवा पखवाड़े कार्यक्रम को लेकर सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भी इसे बेहतर ढंग से संपन्न करने का संकल्प लिया साथ ही भारतीय जनता पार्टी के संगठन को मजबूत बनाने को लेकर भी चर्चा हुई।

रजत जयंती महोत्सव पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी एवं दीक्षारंभ कार्यक्रम

ज्ञान, संस्कृति और आत्मविश्वास से रचेगा छत्तीसगढ़ का उज्ज्वल भविष्य, संसाधनों की कमी हो सकती है पर आपकी साधना में कमी नहीं होनी चाहिए : गिरीज पंकज

पायनियर संवाददाता ⊲ मनेन्द्रगढ़
www.dailypioneer.com

नवीन शासकीय कन्या महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ में छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती महोत्सव 2025 के अवसर पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी और दीक्षारंभ कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ, जिसका विषय कल, आज और कल रखा गया। समारोह का शुभारंभ भारतमाता, मां सरस्वती और छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके बाद छात्राओं ने छत्तीसगढ़ महतारी की आरती कर पूरे वातावरण को परंपरा, संस्कृति और गौरव से भर दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार गिरीश पंकज, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रामकिंकर पाण्डेय, विशिष्ट जनप्रतिनिधि और अतिथि उपस्थित रहे जिनका पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। नव प्रवेशी छात्राओं का पारंपरिक चंदन तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया। जिससे उनकी नई शैक्षणिक यात्रा का विशेष महत्व प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन संयोजक एवं इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. वर्षा तिवारी ने कुशलतापूर्वक किया। प्राचार्य डॉ. पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि बेटियों की शिक्षा ही समाज की असली ताकत है और कल्पना चावला जैसी विभूतियाँ इसका प्रेरक उदाहरण हैं। उन्होंने महाविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 2023 में लेदरी से मात्र 9 छात्राओं के साथ प्रारंभ हुआ। यह संस्थान तीसरे वर्ष में प्रवेश कर 52 छात्राओं को शिक्षा प्रदान कर रहा है और अमली गोलाई में इसके लिए भव्य कैंपस हेतु भूमि आवंटित हो चुकी है। संगोष्ठी के प्रमुख वक्ताओं में जन भागीदारी अध्यक्ष नीलू जायसवाल ने कहा कि आने वाला कल संघर्ष और परंपरा की धरोहर है, आज उपलब्धियों का प्रतीक है और भविष्य हमारी जिम्मेदारी है, वहीं नपा उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा ने शिक्षा को समाज और राष्ट्र की दिशा बदलने वाली शक्ति बताया तथा राज्य सरकार के विजन 2027 का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का संकल्प ही छात्राओं का भविष्य उज्ज्वल करेगा। छत्तीसगढ़ राज्य केवल अन्नगर्भा नहीं है बल्कि रत्नगर्भा भी है। डा.रश्मि सोनकर ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ केवल धान का कटोरा ही नहीं बल्कि शिक्षा और संस्कृति और खनिजों की धनी भूमि है और आज छात्राओं को आत्मनिर्भरता तथा आधुनिकता के साथ समाज में अपनी पहचान बनानी होगी। इसी क्रम में वीरेंद्र श्रीवास्तव ने छात्राओं की शिक्षा को जीवन की असली दिशा बताते हुए विश्वास जताया कि हमारी बेटियाँ न केवल पढ़ाई बल्कि साहित्य, लेखन और रचनात्मकता में भी अपनी प्रतिभा से जिले और राज्य का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने कहा कि मनेंद्रगढ़ की धरती शिक्षा, प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक धरोहर की धनी है। यहाँ की हरी-भरी वादियाँ, पहाड़, झरने और हरचौका, हसदेव नदी से लेकर लगभग 29 करोड़ वर्ष पुराने गोंडवाना मरीन फॉसिल्स पार्क तक की ऐतिहासिक और वैज्ञानिक महत्ता हमारे जिले को छत्तीसगढ़ का अनमोल रत्न बनाती है। उन्होंने कहा कि मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला अपनी संस्कृति, प्राकृतिक सुंदरता और युवाओं की प्रतिभा के बल पर आने वाले समय में पूरे प्रदेश के लिए एक आदर्श उदाहरण बनेगा। इस संगोष्ठी ने न केवल छात्राओं को शिक्षा, संस्कृति और महिला सशक्तिकरण का महत्व समझाया बल्कि आत्मविश्वास, परिश्रम और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश भी दिया।

केंद्रीय सम्मेलन नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के सम्मान

पायनियर संवाददाता ⊲ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

संयुक्त खदान मजदूर संघ दल्लीराजहरा में संयुक्त खदान मजदूर संघ केंद्रीय (एटक) बचेली में हुए 20 वां केंद्रीय सम्मेलन नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के सम्मान में एक सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजन किया गया, जिसमें समस्त नियमित एवं ठेका कर्मचारी सदस्यों बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। सबसे पहले का. कमलजीत सिंह मान का फूलों के हार पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात सभी केंद्रीय नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को आमंत्रित किया गया, फिर सभी पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं यूनियन के साथियों का माइंस के अलग-अलग विभागों से पहुंचे नियमित एवं ठेका कर्मचारी के द्वारा सभी का स्वागत किया गया। सेंट्रल एसकेएमएस (एटक) दल्लीराजहरा पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की सूची में कमलजीत सिंह मान अध्यक्ष, राजेश कुमार साहू उपाध्यक्ष, निवासलु सहायक महासचिव, प्रीतम कौशल पटेल सचिव, कार्यकारिणी सदस्य मसलेउदीन, हंस कुमार, उमेश पटेल, रजिक खान, नरेंद्र जनबंधु और आर बी सिंह सभी डेलीगेट्स जो बचेली गये उनका भी किया गया। प्रीतम कौशल पटेल ने कहा कि आप सबके सहयोग से मुझे सेंट्रल एसकेएमएस में सचिव का पद दिया गया है, जिसे मैं पूरी ईमानदारी से निभाउंगा और यूनियन के प्रति हम सबको मिलकर एकजुटता के साथ रहना है। श्रीनिवासलू ने कहा कि सेंट्रल एसकेएमएस में राजहरा शाखा से 10 लोगों की पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को चुना गया है जिसमें कमलजीत सिंह मान को सेंट्रल एसकेएमएस में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के चुना गया। राजेश कुमार साहू ने कहा कि यह राह बहुत ही कांटों भरा है, क्योंकि जिम्मेदारी भी बड़ी है और मैनेजमेंट किसी भी मांग को पूरा करवाना आसान नहीं है, पर सबके सहयोग से हम अपनी मांगों को हासिल कर सकते हैं और हमारी कुछ -कुछ मांगों पर बात चल ही रही है। कमलजीत सिंह मान ने सबसे पहले सेंट्रल एसकेएमएस के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने आगे कहा कि सेल स्टील सेक्टर का प्राफिट वेरियेबल होते रहता है, मतलब कभी कम तो कभी ज्यादा। अब चूंकि सेल से अधिनस्थ छत्तीसगढ़ की सभी माइंस, उड़िसा की माइंस, झारखंड की माइंस अब सीएमएलओ सेंट्रल माइनिंग लॉजिक्टिस ऑर्गेनाइजेशन में आने से माइंस का प्राफिट अलग सा दिखने लगेगा, प्राफिट के अनुसार हम अपनी मांगों को मैनेजमेंट से मांग सकते हैं। उन्होंने ठेका कर्मचारियों के बच्चों को डीएव्ही स्कूल फीस में छूट पर भी बात बताए। कार्यक्रम के अंतिम में श्रीनिवास, राजकिशोर मोहंती, राधेश्याम साहू और आरपी बघेल सभी ने बहुत ही मधुर आवाज में अपने-अपने गीत गाकर सभी का मनोरंजन किया। कार्यक्रम का संचालन एस.अंसारी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष ओपी शर्मा, राजकिशोर मोहंती एवं अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

ऑल इंडिया बैडमिंटन टूर्नामेंट में केरल का दबदबा, तीनों इवेंट में बना विजेता

पॉवर कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने किया पुरस्कृत

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

47वीं ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी शटल बैडमिंटन टूर्नामेंट में केरल स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड का दबदबा रहा। केरल के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और तीनों इवेंट में विजेता का खिताब हासिल किया। तीन दिनों से चल रहे आल इंडिया बैडमिंटन टूर्नामेंट का समापन आज पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि ऊर्जा सचिव व पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन व जनरेशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव थे। उन्होंने कहा कि बैडमिंटन ऐसा खेल है जिसे हर कोई एक न एक बार जरूर खेला होगा। यहां हुए खेल के प्रदर्शन को देखकर बचपन याद आ गया। विद्युत कंपनियों की यह अच्छी परंपरा है कि हर राज्य खेल गतिविधि करते हैं और राष्ट्रीय स्तर पर खेलने का मौका मिलता है। उससे बिजली कर्मियों में अनुशासन और टीम भावना का विकास होता है। वे अपने शरीर को चुस्त-दुरूस्त और फिट भी रख पाते हैं। समापन समारोह की अध्यक्षता उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक एसके कटियार ने की। विशेष अतिथि के रूप में पारेषण कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला एवं वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर के साथ ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष व कार्यपालक निदेशक केएस मनोठिया, केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव एमएस चौहान, कार्यपालक निदेशक जेएस नेताम, मुख्य अभियंता संजीव सिंह सहित कार्यपालक निदेशक-मुख्य अभियंतागण उपस्थित थे। ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी शटल बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की सेंट्रल स्पोर्ट्स एंड कल्चरल कमेटी किया, जिसमें 10 राज्यों के 65 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। टीम इवेंट में केरल स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड विजेता रहा। उपविजेता तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कार्पोरेशन रही। तीसरे स्थान पर कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कार्पोरेशन रही। मेन्स डबल में केरल के श्याम प्रसाद व विष्णु राजेंद्रन विजेता रहे। दूसरे स्थान पर आन्ध्रप्रदेश के बी उदय भास्कर व के संकेश तथा तीसरे स्थान पर तेलंगाना के बी कृष्णकांत व के दिनेश रेडडी रहे। मेन्स सिंगल में केरल के श्याम प्रसाद प्रथम व अजय सतीश नायर द्वितीय रहे। तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ के अविनेश पाठक ने बाजी मारी। इस तरह तीनों इवेंट में केरल के खिलाड़ियों ने पहला स्थान बनाये रखा। आभार प्रदर्शन कमेटी के सचिव राजेश सिंह ने कियाव मंच संचालन प्रबंधक (जनसंपर्क) गोविन्द पटेल ने किया। पूरे टुर्नामेंट में चीफ रेफरी रहे प्रताप भट्टाचार्य व मैच कंट्रोरल गुरदीप सिंह तथा अंपायर हेम पांडेय, घनश्याम सोनी, आदित्य भट्टाचार्य, अनुराग डे व श्रीराम यादव को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। देशभर के विद्युत कंपनियों के अधिकारी-कर्मचारियों के बीच खेल को प्रोत्साहित करने के लिए ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड विभिन्न टूर्नामेंट का आयोजन करती है, जिसमें इस बार छत्तीसगढ़ को आल इंडिया बैडमिंटन टूर्नामेंट की जिम्मेदारी मिली। इसमें कर्नाटका पॉवर ट्रांसमिशन कार्पोरेशन लिमिटेड, कर्नाटका पॉवर कार्पोरेशन, तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कार्पोरेशन लिमिडेट, यूपी पावर कार्पोरेशन लिमिटेड, केरल स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड, आंध्रप्रदेश ट्रांसमिशन कार्पोरेशन लिमिटेड, तेलंगाना ट्रांसमिशन कार्पोरेशन लिमिटेड, असम स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड, दिल्ली ट्रांस्को लिमिटेड की टीम ने हिस्सा लिया।

विशाल मोटवानी की गिरफ्तारी के विरोध में व्यवसायिक प्रतिष्ठाने बंद

पायनियर संवाददाता ∢ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

थाना राजहरा क्षेत्रान्तर्गत राजहरा शहर में गणेश विसर्जन झांकी निकली थी। प्रशासन के द्वारा निर्धारित समय के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्र के बजने के उपरान्त विसर्जन ड्यूटी मे लगे पुलिस बल के द्वारा ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु साउंड सिस्टम बंद करने समितियों से कही जा रही थी। इसी दौरान पुलिस सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार डी जे, को लेकर विशाल मोटवानी नामक व्यक्ति ने मौके पर उपस्थित सहायक उप निरीक्षक से बहस किया गया। घटना की सूचना अधिकारियों को दी गई जिस पर पुलिस अधीक्षक बालोद योगेश कुमार पटेल के निर्देशन में अतरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोद मोनिका ठाकुर के पर्यवेक्षण में थाना राजहरा में अपराध क्रमांक 286/25 धारा 132, 221,296 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। अतिरिक्त. पुलिस अधीक्षक मोनिका ठाकुर के मार्गदर्शन में सीएसपी राजहरा डा. चित्रा वर्मा एवं एसडीओपी बालोद देवांश सिंह राठौर के नेतृत्व में थाना प्रभारी राजहरा पुलिस बल के साथ आरोपी विशाल मोटवानी को एसडीएम कार्यालय राजहरा के पास गिरफ्तार कर, न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। इस कार्रवाई से व्यापारी संघ में नाराजगी देखी गई तथा उनके पदाधिकारी ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि इस कार्रवाई के निष्पक्ष जांच कर इस कार्रवाई को निरस्त किया जाए जो झांकी निकाली गई थी विसर्जन के दौरान को शांतिपूर्ण ढंग से चल रही थी। व्यापारी संघ सूत्र के अनुसार पुलिस प्रशासन किसी पूर्वाग्रह से पीड़ित होकर विशाल मोटवानी के खिलाफकार्रवाई की गई। जबकि विशाल मोटवानी ने किसी प्रकार का कानून नहीं तोड़ा तथा समिति वालों से आग्रह किया कि 12 बजे रात के बाद डीजे बंद करने का है इसलिए डीजे बंद किया जाए ऐसी समझाइए दी गई। व्यापारी संघ अध्यक्ष गोविंद वाधवानी का कहना है कि व्यापारी संघ की बातों को न मानते हुए पुलिस अपने हिसाब से काम करते हुए विशाल को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पता चला है कि विशाल मोटवानी द्वारा इस भव्य झांकी कार्यक्रम में किसी प्रकार का कानून नहीं तोड़ा ऐसा प्रत्यक्ष दर्शियों का कहना है। विशाल मोटवानी की गिरफ्तारी को लेकर व्यापारी संघ ने 12 सितंबर की दोपहर के बाद नगर की सभी दुकानों को बंद करवाया इधर जिला पुलिस प्रशासन भारी पुलिस बल के साथ राजहरा में तैनात है तथा किसी भी अपनी स्थिति को संभालने के लिए तत्पर है। गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार को नगर की दुकान बंद है तथा व्यापारी संघ के सदस्य एवं अन्य व्यापारी गुप्ता चौक में धरना प्रदर्शन लगातार कर रहे हैं। दल्ली राजहरा का समस्त व्यापार बंद रहा। इस बीच गुप्ता चौक में एक आमसभा का आयोजन किया गया जहां चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष थोरानी सहित काफी संख्या में पदाधिकारी लोग उपस्थित हुए, जिन्होंने इस गिरफ्तारी का पुरजोर विरोध किया तथा कहा कि प्रशासन से तथा शासन के संबंधित मंत्री से संबंध में बात की जाएगी। इस प्रकार की कार्रवाई कतई उचित नहीं है। यह गिरफ्तारी किसी पूर्वाग्रह से पीड़ित होकर पुलिस द्वारा की गई ऐसा आभास हो रहा है।

विक्रांत और भागवत ने किया शिक्षकों का सम्मान

पायनियर संवाददाता ∢ खैरागढ़
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई द्वारा दाऊचौरा में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न प्राइवेट स्कूलों के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम ने समां बांध दिया और पूरे माहौल को उल्लासमय बना दिया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद प्रतिनिधि भागवत शरण सिंह ने की, जबकि एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चंदेल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत से हुई, जिसमें आयोजकों द्वारा सभी मंचासीन अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद मंच पर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। जिले के विभिन्न निजी स्कूलों से आए बच्चों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और शिक्षकों को समर्पित कविताओं की शानदार प्रस्तुतियां दीं। दर्शकों ने इन प्रस्तुतियों का खूब आनंद लिया और तालियों की गड़गड़ाहट से बच्चों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि विक्रांत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक राष्ट्र और समाज के निर्माता होते हैं। उन्होंने कहा कि 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को समर्पित है। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को समाज के लिए आधारभूत बताते हुए कहा कि उनके बिना शिक्षित और प्रगतिशील समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। सांसद प्रतिनिधि भागवत शरण सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि आज के युग में शिक्षा समाज को आगे ले जाने का सबसे मजबूत माध्यम है और इसमें शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव मोती जैन ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान का संचार ही नहीं करते, बल्कि वे समाज के नैतिक और चारित्रिक निर्माण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि निजी स्कूलों के शिक्षक भी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ कर रहे हैं और उनके योगदान को सराहना मिलनी चाहिए। जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चंदेल ने सभी शिक्षकों और अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि निजी स्कूलों के शिक्षक भी सरकारी शिक्षकों की तरह समाज को शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों के सम्मान को शिक्षा व्यवस्था की मजबूती के लिए आवश्यक बताया।

चयनित शिक्षकों को किया गया सम्मानित

समारोह में जिले भर के निजी स्कूलों से आए चयनित शिक्षकों और शिक्षिकाओं को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मंचासीन अतिथियों को भी मोमेंटो प्रदान कर आभार व्यक्त किया गया। समारोह में विशेष रूप से राजेश देवांगन, कृष्ण कुमार सोनी, पं. मिहिर झा सहित बड़ी संख्या में निजी स्कूलों के शिक्षक, शिक्षिकाएं और प्रबंधकगण उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम शिक्षक दिवस को यादगार बनाने के साथ-साथ शिक्षा जगत में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करने वाला साबित हुआ।

बाल विवाह मुक्त पंचायत करने के लिए शासकीय हाई स्कूल अमलीडीह में जागरूकता रैली

पायनियर संवाददाता ∢ कवर्धा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं महिला एवं बाल विकास अधिकारी के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन वात्सल्य अंतर्गत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 जिला बाल संरक्षण इकाई महिला विभाग की टीम ने ग्राम पंचायत अमलीडीह में जाकर ग्रामीण एवं स्कूली बच्चों के साथ मिलकर बाल विवाह के प्रभावी रोकथाम के लिए जागरूकता रैली के माध्यम से किया गया। बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सभी जिलों को मार्च 2026 तक 40 प्रतिशत ग्राम पंचायतो एवं नगरीय निकायों मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है इसी को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी ग्राम पंचायतों टीम के द्वारा जन जागरूकता किया जा रहा है। परियोजना समन्वयक महेश निर्मलकर ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के बारे में बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम सर्वप्रथम 1929 में लाया गया इसके बाद 1949, 1978 और इसके बाद 2006 में संशोधन किए गए। इसके अनुसार किसी लड़के 21 या लड़की की शादी 18 वर्ष की उम्र से पहले होना बाल विवाह कहलाता है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत शादी के लिए लड़की का उम्र 18 वर्ष और लड़कों का उम्र 21 वर्ष होनी चाहिए। साथ ही बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 राष्ट्रीय इमरजेंसी 24 घंटे चलने वाली निशुल्क फोन आउटरीच सेवा है। ऐसे बच्चों के लिए जिन्हें देखभाल एवं संरक्षण की जरूरत है कोई भी अनाथ, बेसहारा, लावारिस, घुमंतू, गुमशुदा, बाल श्रम, बाल विवाह से संबंधित बच्चों की सुरक्षा के लिए एवं मदद के लिए निशुल्क नंबर 1098 पर फोन कर सकते हैं। जागरूकता रैली कार्यक्रम में प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल अमलीडीह भूपेंद्र सिंह ठाकुर, शिक्षक पूर्णिमा श्रीवास्तव, सुमन तिवारी, सरिता श्रीवास्तव, प्रीति राय, विनीता कौशिक, महेश निर्मलकर परियोजना समन्वयक, रामलाल पटेल सुपरवाइजर, भारती धुर्वे, मंदाकिनी वर्मा केस वर्कर खेमलाल खटर्जी एवं विद्यालय के सभी बच्चे, ग्राम वासी उपस्थित थे।

रानी रश्मि देवी महाविद्यालय खैरागढ़ में हुआ रक्तदान शिविर, 70 यूनिट रक्त संग्रह

पायनियर संवाददाता ∢ खैरागढ़
www.dailypioneer.com

रानी रश्मि देवी सिंह शासकीय महाविद्यालय एवं शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय खैरागढ़ के संयुक्त तत्वावधान में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 2025 के अंतर्गत रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 70 छात्र-छात्राओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया। मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव की टीम, जिसमें डॉ. नीलम, डॉ. राजशेखर सिन्हा और टेक्नीशियन कौशल प्रसाद शामिल थे, ने रक्तदान प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। एकत्रित रक्त को मेडिकल कॉलेज के ब्लड बैंक में सुरक्षित रखा गया। इस अवसर पर अतिथि जे. के. वैष्णव ने रक्तदान को महादान बताते हुए युवाओं को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. यशपाल जंघेल ने छात्र-छात्राओं के उत्साह की सराहना करते हुए रक्तदान शिविर को सफल बनाने वाले सभी का आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय के स्वयंसेवक टिकेंद्र वर्मा ने अब तक 16 बार, ताम्रध्वज वर्मा ने 15 बार और लीना वर्मा ने 3 बार रक्तदान किया है। टिकेंद्र और ताम्रध्वज वर्मा ने देहदान का संकल्प भी लिया है। शिविर की सफलता में सहायक प्राध्यापक सुरेश आडवाणी, सतीश माहला, सृष्टि वर्मा, भबीता मंडावी, मनीषा नायक, मोनिका जत्ती, डॉ. उमेंद चंदेल समेत सभी स्टाफ अधिकारी-कर्मचारी और स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा। रक्तवीर डॉ. संजय वर्मा, जिन्होंने अब तक 29 बार रक्तदान किया है, सहित हिमेश जांगड़े, तुलेश्वर वर्मा, अल्का शेष, गौरी यदु, पूजा वर्मा, सोनी मंडावी, नागेश वर्मा, चुम्मन वर्मा, नितेश साहू, देवेंद्र पटेल, प्रमोद सिन्हा, वर्षा वर्मा, राहुल साहू और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. यशपाल जंघेल ने किया और आभार प्रदर्शन डॉ. मेधाविनी तूरे ने किया।

कब बुलबुल बच्चों के लिए सामुदायिक सहभागिता से ड्रेस की व्यवस्था

पायनियर संवाददाता ∢ भंवरपुर
www.dailypioneer.com

शासकीय प्राथमिक शाला करनापाली में बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु कब बुलबुल टीम का गठन कर नियमित रूप से अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में बच्चों को बहुमुखी बनाने हेतु शारीरिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत योग व्यायाम परेड साहसिक प्रदर्शन एवं मिट्टी से जुड़े अनेक खेलों का नियमित आयोजन किया जा रहा है। मानसिक विकास के लिए कब बुलबुल टीम द्वारा सुभाषित वाचन देश भक्ति गीत प्रेरक वाक्य सामुदायिक प्रार्थना आदि अनेक विषयों पर बच्चों द्वारा नियमित कार्य किया जा रहा है जिससे विद्यालय के बच्चों को नियमित लाभ हो रहा है। वे अध्ययन अध्यापन के साथ-साथ अन्य मानवीय गुणों के विकास में नियमित अभ्यास करते रहते हैं जिससे पालक बंधुओं में भी बहुत अधिक खुशी है। पालक बंधुओं ने भी सभी कब बुलबुल बच्चों के लिए सामुदायिक सहभागिता से ड्रेस की भी व्यवस्था की है। विद्यालय के प्रधान पाठक गिरधारी साहू ने बताया की विद्यालय में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए स्काउट के अंतर्गत कब बुलबुल के टीम का गठन एवं उनके शिक्षक वीरेंद्र कर द्वारा नियमित रूप से अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिससे बच्चों में बहुमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त हो रहा है तथा बच्चों को सदैव आनंददायक शिक्षा मिल पा रहा है जिससे बच्चों की उपस्थिति नियमित रूप से बढ़ रही है। शिक्षकों एवं पालक बंधुओं का यह प्रयास विद्यालय परिवार को आगे बढ़ाने में बहुत सहायक है इस हेतु विकासखंड शिक्षा अधिकारी विनोद शुक्ला सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी लोकेश्वर कंवर एवं बीआरसी बद्री विशाल जोल्हे ने प्रसन्नता व्यक्त की एवं विद्यालय करनापाली परिवार को शुभकामनाएं दी।

सरायपाली आगमन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज से की मुलाकात

पायनियर संवाददाता ∢ सरायपाली
www.dailypioneer.com

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का केजुआं रोड स्थित नवीन विश्राम गृह में आगमन हुआ । रायगढ़ प्रवास के दौरान कुछ देर के लिए रुके इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक चातुरी डिग्रीलाल नंद के साथ कांग्रेस जनों से भेंट मुलाकात किए द्धराजेंद्र कुमार यादव राजू जिला महामंत्री कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग ने मुलाकात किया ।मुलाकात करने वालों में मयंक यादव मोंटी, तुषार यादव, अमित सतपथी, अनस खान ,पंकज बीसी ,मोहनलाल भोई, भरत मेश्राम ,दीपक साहू ,तेजराम पटेल, रमीज रजा खान पार्षद,अनिल पटेल, ओम चौहान, जयंत यादव, सुरेश भोई श्रीराम मानिकपुरी, प्रभात पटेल, गोलू मुखेंद्र पटेल सरपंच ,गोपाल अग्रवाल , बीरंची बेताल, सादराम पटेल आदि भारी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे ।

सरायपाली । अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय में लोक अदालत सुनवाई में सिख समाज सरायपाली द्वारा लंगर(भोजन) करवाया गया , उक्त कार्य म में संगम सेवा समिति द्वारा शीतल जल की सेवा भी दी गई।

नेशनल लोक अदालत में 27 हजार 152 लंबित प्रकरण का हुआ निराकरण

पायनियर संवाददाता ∢ कवर्धा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य में तालुका न्यायालय के स्तर से लेकर उच्च न्यायालय स्तर तक सभी न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत आयोजित किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सत्यभामा अजय दुबे द्वारा उक्त नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ विद्या की देवी सरस्वती मॉ के फोटोचित्र पर पूजा, अर्चना, दीप प्रज्जवलित कर किया। तत्पश्चात् अन्य जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण उपस्थित पक्षकारगण एवं अन्य संस्थाओं बैंक, विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा भी दीप प्रज्जवलित किया गया। नेशनल लोक अदालत में जिले में कुल 10 खण्डपीठ गठित किया गया था, जिसमें से 09 खण्डपीठ जिला मुख्यालय कबीरधाम में तथा 01 खण्डपीठ व्यवहार न्यायालय,पण्डरिया में गठित की गई थी। जिसमें राजीनामा योग्य समस्त दाण्डिक मामले, चेक बाउन्स के प्रकरण, समस्त प्रकार के व्यवहार वाद प्रकरण, मोटर दुर्घटना से उत्पन्न दावा प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय में लंबित वैवाहिक विवाद से संबंधित प्रकरण, इसके साथ ही प्री-लिटिगेशन (मुकदमा पूर्व वाद प्रकरण) यथा बिजली बिल, दूरभाष, बैंक लोन, जलकर से संबंधित प्रकरण रखे गए थे। उल्लेखनीय है कि नेशनल लोक अदालत के खण्डपीठ क्रमांक 01 में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्यभामा अजय दुबे द्वारा मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में कुल 61,40,000 रूपये की अवार्ड राशि पारित की गई। खण्डपीठ क्रमांक 02 परिवार न्यायालय कबीरधाम में पीठसीन अधिकारी लीलाधर सारथी द्वारा परिवार न्यायालय में वैवाहिक विवाद से संबंधित प्रकरण में कुल 30 प्रकरण का निराकरण करते हुए वैवाहिक संबंधो में मधुरता स्थापित करते हुए सुखद दाम्पत्य का पुर्नस्थापन किया गया।

लोक अदालत में समझौता के आधार पर परिवार का एकीकरण

परिवार न्यायालय, कबीरधाम में लंबित एक प्रकरण में एक दम्पत्ति के कुल 06 संतान है, जिनमें से मात्र 01 संतान अपनी माता के साथ निवासरत् है तथा शेष 05 संतान अपने पिता के साथ निवासरत् थे। पति शराब की लत के कारण अपनी पत्नी के साथ दुर्व्यवहार करता था, जिससे उसकी पत्नी तंग आकर अपनी एक पुत्री के साथ अपने मायके में निवास कर रही थी और अपने तथा अपनी पुत्री के लिए परिवार न्यायालय में मामला प्रस्तुत की थी। परिवार न्यायालय के पीठासीन न्यायाधीश लीलाधर सारथी द्वारा उभयपक्ष को समझाईश प्रदान की गई जिससे उक्त पति-पत्नी के द्वारा एक-दूसरे की सभी शिकायतों को माफ करते हुए संयुक्त रूप से जीवन यापन करना स्वीकार किया गया। इस प्रकार लोक अदालत के द्वारा एक बिखरे हुए परिवार को समझौता के आधार पर एकीकरण कर संतानों को माता-पिता के संयुक्त वात्सल्य स्नेह की प्राप्ति कराई गई। उक्त नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के अनुक्रम में समस्त न्यायालयीन कर्मचारीगण, अधिवक्तागण, पैरालिगल वालिन्टियर्स, जिला प्रशासन, जिला पंचायत, नगर पालिका, पुलिस विभाग, समस्त बैंको सहित अन्य समस्त विभागों का भरपूर सहयोग रहा है।

न्यायालय नायब तहसीलदार -03, सहसपुर लोहारा

मामले की श्रेणी-राजस्व

संदर्भ :- जिला-कबीरधाम तहसील-सहसपुर लोहरा प.ह.न.-00028 रेंगाटोला ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- **RD202425570466800003**

// ईश्तहार //

तहसील **सहसपुर लोहारा** के **प.ह.न. 00028** के अंतर्गत ग्राम **रेंगाटोला** के वर्तमान भूमिस्वामी **कैलासमोहन पि. योगेशमोहन पिता/पति-सा. देह भूमिस्वामी** पता के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक **128/1(0.7440), 202/1(0.0850)** में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता **पार्थ शर्मा पिता/पति-कैलाशमोहन** पता-के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण/अभिलेख दुरुस्ती/खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 23/09/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय, नायब तहसीलदार-03, सहसपुर लोहारा पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/09/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार
तहसील-सहसपुर लोहारा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर

// सूचना //

नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 10/09/2025

क्रमांक GENCOR/3022/2025-HOUSING/32: छत्तीसगढ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 23-क (1) एवं (2) के अन्तर्गत नवा रायपुर अटल नगर विकास योजना 2031 में अत्यावश्यक लोक प्रयोजनार्थ उपांतरण करने का अनंतिम निर्णय लिया है। अधिनियम की धारा 23-क (2) के अधीन राज्य शासन एतद् द्वारा प्रस्तावित उपांतरण के निम्नानुसार प्रारूप को क्षेत्र के सर्वसाधारण के निरीक्षण हेतु अवलोकनार्थ प्रकाशित करता है:-

नवा रायपुर अटल नगर विकास योजना 2031 में उपांतरण प्रस्ताव

अंगीकृत नवा रायपुर अटल नगर विकास योजना 2031 में	अधिनियम की धारा 23(क) के तहत उपांतरण प्रस्ताव
Clause 18.5.2.2 Industrial Zone c) The Industrial Sub-division Shall Provide for : i. Minimum 10% fo the area to be reserved as recreational and green belt. If the area of the plot designated for recreation is more than 1500 sq. mts the additional area can be used for parking purpose	**Clause 18.5.2.2 Industrial Zone** c) The Industrial Sub-division Shall Provide for : i. Within industrial parks, minimum 5% of the area to be reserved as recreational / open space in the layout. Further 5% recreational/open will be reserved within the development plots of Industrial area where approval of layout is mandatory. For the industrial plots not within industrial parks, minimum 10% of the area to be reserved as recreational/open space. if the area of the plot designated for recreation is more than 1500 sq. mts the additional area can be used for parking purpose. Maximum 10% of the area at the sector level shall be provided for housing for workers.

2/ प्रस्तावित उपांतरण विकास योजना में निहित विकास नियमन में संशोधन हेतु है।

3/ उपांतरण प्रस्ताव की प्रति आयुक्त, संभाग रायपुर, कलेक्टर, जिला रायपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण, संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर, आयुक्त, नगर पालिक निगम, रायपुर के कार्यालयों में कार्यालय समय में (अवकाश के दिनों को छोडकर) निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी।

4/ अतः प्रस्तावित उपांतरण से प्रभावित होने वाले व्यक्तियों से इस सूचना के दो स्थानीय मुख्य दैनिक समाचार पत्रों में एक दिन के प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर लिखित आपत्तियाँ तथा सुझाव आंमत्रित किये जाते हैं। आपत्ति तथा सुझाव निम्नलिखित कार्यालयों में शासकीय कार्य दिवसों में प्रस्तुत किये जा सकते हैं :-

(1) आयुक्त, रायपुर संभाग, छत्तीसगढ,
(2) कलेक्टर कार्यालय, जिला रायपुर।
(3) मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर।
(4) संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर।
(5) आयुक्त, नगर पालिक निगम, रायपुर।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
(देवेन्द्र भारद्वारज)
विशेष सचिव, छत्तीसढ़ शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग

G-252603468/2

लीकेज पाईप ट्रेस होते ही तत्काल मरम्मत कार्य प्रारम्भ, मरम्मत कार्य निरन्तर प्रगति पर

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

150 एमएलडी फिल्टरप्लांट के रा वाटर 1400 एमएम व्यास की एचएस राइजिंग मेन पाईप लाईन में भाठागांव चौक के पास लीकेज की मरम्मत का कार्य लीकेज पाईप ट्रेस होने के तत्काल पश्चात से निरन्तर प्रगति पर है। लीकेज मरम्मत कार्य के चलते 150 एमएलडी फिल्टरप्लांट से भरने वाली 28 पानी टंकियों और नया 80 एमएलडी फिल्टरप्लांट से भरने वाली 4 पानी टंकियों इस प्रकार कुल 32 पानी टंकियों से आंशिक तौर पर प्रभावित रहेगी। रायपुर नगर पालिक निगम के जल कार्य विभाग के कार्यपालन अभियंता फिल्टरप्लांट नरसिंह फरेन्द्र ने जानकारी दी है कि शनिवार को रात्रि में भाठागांव चौक के पास राइजिंग मेन पाईप लाईन के लीकेज की मरम्मत के लिए लीकेज पाईप ट्रेस नहीं होने के कारण फिल्टरप्लांट को बन्द नहीं किया गया और तत्काल रात्रि में ही सम्बंधित सभी 32 पानी टंकियों में पावर पम्पो से जल का भराव किया गया और नियत समय में सभी 32 पानी टंकियों से सुबह नियमित जलप्रदाय कर दिया गया। राइजिंग मेन पाईप लाईन में लीकेज पाईप के ट्रेस होते ही तत्काल शटडाउन लेकर राइजिंग मेन पाईप लाईन की लीकेज की मरम्मत का कार्य प्रारम्भ करवा दिया गया, जो निरन्तर प्रगति पर है. लीकेज मरम्मत कार्य पूर्ण होने उपरांत सभी 32 पानी टंकियों का जल का भराव कर संध्याकालीन जलापूर्ति की जानी प्रस्तावित है। लीकेज मरम्मत कार्य के चलते संध्याकालीन जलापूर्ति आंशिक तौर पर प्रभावित रहेगी। रविवार को सुबह नियत समय पर नियमित जलापूर्ति की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस के अवसर पर पर्यावरण मंडल द्वारा पोस्टर एवं इन्वायरोथान प्रतियोगिता का आयोजन

रायपुर। 16 सितम्बर अन्तर्राष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल द्वारा जन-जागरूकता के लिये स्कूली एवं महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं की पोस्टर एवं इन्वायरोथान प्रतियोगिता का आयोजन 16 सितम्बर 2025 को नवीन विश्राम गृह सिविल लाइंस रायपुर में प्रातः 10:00 बजे से किया जा रहा है। पोस्टर प्रतियोगिता का विषय- जलवायु परिवर्तन के कारण और निदान अथवा ओजोन परत संरक्षणः मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल रखा गया है। प्रतियोगिता तीन आयु वर्गों में आयोजित की जायेगी। प्रथम आयु वर्ग 12 से 17 वर्ष, द्वितीय आयु वर्ग 18 से 22 वर्ष एवं तृतीय आयु वर्ग दिव्यांगजनों के लिए होगा। प्रतिभागियों को पोस्टर बनाने के लिये अपने साथ हार्ड बोर्ड लेकर आना होगा। इसी प्रकार इन्वायरोथान प्रतियोगिता का विषय वेस्ट टू वेल्थ प्रथम आयु वर्ग में कक्षा 12वीं तक द्वितीय आयु वर्ग में स्नातक व तृतीय आयु वर्ग में स्नातकोत्तर के छात्र/छात्राएं भाग ले सकेंगे। दोनो ही प्रतियोगिताओं में आकर्षक नगद पुरस्कार रखा गया है। दोपहर 04:00 बजे से आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह एवं संगोष्ठी के मुख्य अतिथि ओ.पी. चौधरी मंत्री वित्त वाणिज्य कर आवास एवं पर्यावरण योजना एवं सांख्यिकी विभाग छत्तीसगढ़ शासन होंगे। इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये प्रतिभागी आधार कार्ड एवं विद्यालय/ महाविद्यालय का पहचान प्रमाण पत्र के साथ 16 सितम्बर को नवीन विश्राम गृह सिविल लाइंस रायपुर में प्रातः 09:30 बजे तक उपस्थित होवें। इन्वायरोथॉन में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र/छात्राओं के लिये स्क्रीनिंग राऊड 15 सितम्बर को कलिंगा विश्व विद्यालय परिसर में प्रातः 10:00 बजे रखा गया है। यहां से चयनित छात्र-छात्राएं दिनांक 16 सितम्बर को नवीन विश्राम गृह में आयोजित इन्वायरोथॉन की प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

आईटीएम विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा प्रदीप टंडन को डी.लिट् की उपाधि प्रदान

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

आईटीएम विश्वविद्यालय, रायपुर ने प्रदीप टंडन को डॉक्टर ऑफ लेटर्स (डी.लिट्) की प्रतिष्ठित उपाधि से सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें बिजनेस मैनेजमेंट, कॉर्पोरेट नेतृत्व, छत्तीसगढ़ में औद्योगिक प्रोत्साहन तथा राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्माण एवं परामर्श में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया है। टंडन वर्तमान में भारत के शीर्ष कॉर्पोरेट नवीन जिंदल समूह की कंपनी में अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। बिज़नेस मैनेजमेंट और कॉर्पोरेट कार्यों में तीन दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, उन्होंने छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास और निवेश प्रोत्साहन में अहम भूमिका निभाई है। कॉर्पोरेट जगत से परे, टंडन ने नीति वकालत के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। वे वर्तमान में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, छत्तीसगढ़ राज्य परिषद के अध्यक्ष तथा नेशनल एम्प्लॉयर्स फेडरेशन के अध्यक्ष हैं। इन भूमिकाओं में उन्होंने उद्योग और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने वाली प्रगतिशील नीतियों के निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। आईटीएम विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त यह डी.लिट् उपाधि उनके कॉर्पोरेट उत्कृष्टता, आर्थिक विकास और सामाजिक-औद्योगिक प्रगति के प्रति समर्पण की सराहना है। इस अवसर पर आभार व्यक्त करते हुए टंडन ने कहाः यह सम्मान मेरे लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि मेरे सहकर्मियों, मार्गदर्शकों और उद्योग से जुड़े साथियों से मिले निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन का प्रतिबिंब है। मैं इस मान्यता के लिए आईटीएम विश्वविद्यालय का हृदय से आभारी हूँ। यह उपाधि मुझे समावेशी औद्योगिक विकास, नीति सुधार और सामाजिक-आर्थिक उन्नति की दिशा में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करती है।

श्री रावतपुरा सरकार ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन कुम्हारी में कैंपस जंग का आयोजन

पायनियर संवाददाता ◀ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

श्री रावतपुरा सरकार ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन कुम्हारी, में TVS Apache कंपनी द्वारा मेवरिक प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से कैंपस जंग नामक एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों ने बड़े उत्साह और जोश के साथ भाग लिया और विभिन्न प्रस्तुतियों व प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सोलो एवं ग्रुप डांस, सिंगिंग और मिमिक्री सहित कुल 46 परफॉरमेंस की प्रस्तुती दी गयी। जिसमे ग्रुप डांस में 13, सोलो में 13, सिंगिंग में 17, मिमिक्री में 1 व पोएट्री में 2 छात्रों ने परफॉर्म किया। इस पूरे कार्यक्रम में छात्रों ने अलग-अलग प्रान्तों व विधा की डांस की झलकियाँ दिखाई। जिससे पूरे माहौल में ऊर्जा और मनोरंजन का संचार हुआ। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से छात्रों को अपनी छुपी हुई प्रतिभा को मंच पर लाने का सुनहरा अवसर मिला। श्री रावतपुरा सरकार ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन कुम्हारी के डायरेक्टर डॉ. एस प्रकाश राव ने कहा कि हमारे कैंपस में टैलेंट की कोई कमी नहीं है। 'कैंपस जंग' जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन प्लेटफॉर्म प्रदान करते हैं। इस आयोजन में सभी प्रतिभागियों ने अत्यंत सराहनीय प्रदर्शन किया, जिससे यह सिद्ध होता है कि हमारे छात्र न केवल शिक्षा में, बल्कि सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अग्रणी हैं। कैंपस जंग प्रतियोगिता के परिणामस्वरूप ग्रुप डांस कैटेगरी में फार्मेसी डिपार्टमेंट के 'मेनिका, प्रीति, तृप्ति, श्रद्धा, सोनाली, जयश्री, मधु'और सिंगिंग कैटेगरी में 'प्राची वर्मा' ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को प्रमाण पत्र और लैपटॉप बैग प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही TVS Apache कंपनी द्वारा बेस्ट बाइक राइडर के लिए मोहसिन खान, हाईएस्ट लाइक के लिए उत्कल साहू व विवेक चंद्राकर को भी उपहार देकर सम्मानित किया। पूरे आयोजन के दौरान छात्रों में जबरदस्त जोश और उत्साह देखने को मिला, जो कार्यक्रम की सफलता का प्रमाण है।

जन विश्वास का आधार एवं जन आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम : डॉ. रमन सिंह

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह 11 से 13 सितम्बर, तक कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरू में आयोजित (सीपीए) राष्ट्रकुल संसदीय संघ भारत क्षेत्र के 11 वें सम्मेलन में ''संवाद और चर्चा- जन विश्वास का आधार, जन आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम है''- विशय पर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर विधान सभा सचिव दिनेश शर्मा भी उपस्थित थे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सम्मेलन में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि-संसद और विधान सभाएं किसी भी लोकतांत्रिक प्रणाली की रीढ़ होती हैं। वे सिर्फकानून बनाने वाली मशीनें नहीं हैं, बल्कि एक ऐसा मंच हैं जहाँ जनता के विश्वास और आकांक्षाओं को आकार दिया जाता है। विधायी संस्थाओं में संवाद और चर्चा केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा है। लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब विधायी संस्थाओं में खुले मन से संवाद और तर्कपूर्ण चर्चा हो। उन्होंने कहा कि-विधायी संस्थाओं में होने वाली बहसें केवल वाद-विवाद नहीं होती, बल्कि वे राष्ट्र के भविष्य की दिशा तय करने वाली बौद्धिक कसरत होती है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि कानून और नीतियां केवल एक वर्ग या समूह के हितों को ध्यान में रखकर न बनें बल्कि वे समाज के सभी वर्गों की जरूरतों और चिंताओं को प्रतिबिंबित करें। डॉ रमन सिंह ने कहा कि-विधायी संस्थाएं केवल बहस का अखाड़ा नहीं है, बल्कि वे समस्याओं को सुलझाने का केन्द्र भी हैं। जब किसान, युवा एवं महिलाओं के मुद्दे विधायी मंच पर चर्चा का विषय बनते हैं, तो इनसे सरकार को दिशा मिलती है कि किन क्षेत्रों में तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है, और कौन से समाधान सबसे उपयुक्त होंगे। उन्होंने कहा कि-लोकतंत्र की आत्मा संवाद में हैं और जब संवाद कमजोर होता है तो लोकतंत्र की साख भी डगमगाने लगती है। संसद जो जनता की समस्याओं के समाधान का मंच होना चाहिए था, कई बार केवल राजनीतिक टकराव और शोरगुल से न केवल गंभीर मुद्दे अनुसुने रह जाते हैं, बल्कि जनता के विश्वास पर भी आघात पहुंचता है।

भारी पड़ गयी लापरवाही कलेक्टर का सख्त फैसला, सस्पेंड हो गया बाबू

पायनियर संवाददाता ◀ रामानुजगंज
www.dailypioneer.com

कार्यालय तहसीलदार रामानुजगंज में कार्यरत सहायक ग्रेड-03 प्रवीण कुमार लकड़ा को कलेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्रवीण कुमार लकड़ा प्रभारी लिपिक काननूगो शाखा तथा नायब नाजीर शाखा रामानुजगंज में पदस्थ थे। उन पर आरोप है कि वे नशे की हालत में कार्यस्थल पर उपस्थित हुए और अपने पदीय दायित्वों के प्रति घोर लापरवाही तथा स्वेच्छाचारिता बरती। कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-9 (1) (क) के तहत प्रवीण कुमार लकड़ा को निलंबित किया। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय जिला निर्वाचन कार्यालय (स्थानीय) बलरामपुर नियत किया गया है। साथ ही,उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता प्रदान की जाएगी।

छत्तीसगढ़ की कोयला खदानों ने साल वृक्षों को दी नई जिंदगी

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ के सरगुजा ज़िले में स्थित परसा ईस्ट एंड कांता बासन कोयला खदान राज्य की पहली खदान बन गई है, जिसने दुर्लभ साल वृक्षों के बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण को सफलतापूर्वक पुनर्जीवित किया है। साल पेड़ों की यह प्रजाति प्राकृतिक वनों के बाहर उगाना बेहद कठिन मानी जाती है। खनन से प्रभावित भूमि पर अब तक 15 लाख से अधिक पेड़ लगाए जा चुके हैं जिनमें साल प्रमुख है। साल (शोरिया रोबस्टा) मध्य भारत के जंगलों की रीढ़ माना जाता है। यह मिटटी के कटाव को रोकता है, भूजल स्तर को बनाए रखता है और कार्बन अवशोषित कर जलवायु संतुलन में योगदान देता है। इसके अलावा, साल स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। 2013 से खनन कार्य शुरू होने के बाद करीब 1.40 लाख पेड़ों की कटाई हुई थी। आलोचक अक्सर इसी आँकड़े को सामने रखते हैं, जबकि हकीकत यह है कि केवल पीईकेबी साइट पर ही अब तक 15.59 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। इस वर्ष 4 लाख और पौधे जोड़े जाएंगे तथा हर साल 3.5 लाख पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है। कम्पनसेटरी अफॉरेस्टेशन (सीए) योजना के तहत खनन परियोजनाएं भूमि अधिग्रहण से लेकर वृक्षारोपण और रखरखाव तक का पूरा खर्च वहन करती हैं। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, छत्तीसगढ़ में अब तक 40 लाख से अधिक पौधे कम्पनसेटरी अफॉरेस्टेशन के तहत लगाए जा चुके हैं।

सेवा पखवाड़ा पर भाजपा की मंडल स्तरीय कार्यशाला संपन्न, शिवरतन शर्मा हुए शामिल

पायनियर संवाददाता ◀ भाटापारा
www.dailypioneer.com

भाजपा कार्यालय में सेवा पखवाड़ा को लेकर क्रमशः मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मंडल से कार्यकर्ता, पदाधिकारी और वरिष्ठ नेता बड़ी संख्या में शामिल हुए। प्रदेश भाजपा के नेता शिवरतन शर्मा ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा केवल चुनाव जीतने के लिए राजनीति नहीं करती, बल्कि समाज को सेवा और समर्पण से जोड़ने का कार्य करती है। सेवा ही संगठन का मंत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ होते हैं, इसलिए हर कार्यकर्ता को जनता की सेवा को ही प्राथमिकता बनाना चाहिए। शिवरतन शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से प्रारंभ हुआ यह सेवा पखवाड़ा पूरे देश में सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बन गया है। उन्होंने युवाओं से अपील की, कि वे इस अभियान को उत्सव की तरह मनाएँ और सेवा का संदेश पहुंचाएँ। जिला भाजपा अध्यक्ष आनंद यादव ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि सेवा पखवाड़ा का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं है, बल्कि समाज की कमजोर कड़ी तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने कहा कि महिला शक्ति और युवाओं को सेवा कार्यों में आगे आना चाहिए। स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान और पोषण जागरूकता जैसे कार्यक्रमों के जरिए हम जनहित को मजबूत कर सकते हैं।

कोलंबिया ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन्स की शीतल वर्मा तकनीकी विश्वविद्यालय की मेरिट लिस्ट में पहले स्थान पर

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी की अष्टम सेमेस्टर के नतीजों के अनुसार कोलंबिया इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की (2021-25) बैच के तीन विद्यार्थी शीतल वर्मा (कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग), शारदा लहरे (सिविल इंजीनियरिंग) तथा रागिनी यादव (ई टी एंड टी) ने क्रमशः 86.98, 80.53 एवं 76.96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तकनीकी विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में क्रमशः प्रथम, तृतीय एवं पंचम स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार कोलंबिया फार्मेसी संस्थान की कोलंबिया कॉलेज ऑफ फार्मेसी के योगेंद्र कुमार ने विगत दिनों छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा जारी बी फार्मेसी (2021-25) बैच की अष्टम सेमेस्टर के नतीजों के अनुसार तकनीकी विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में दूसरा स्थान प्राप्त कर कोलंबिया संस्थान को गौरवान्वित किया है, नतीजों के अनुसार योगेंद्र ने 84.22 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं विदित हो कि योगेंद्र कुमार ने जी पैट 2025 एवं नाइपर 2025 को भी क्वालीफाई किया है। सभी विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय संस्थान प्रबंधन द्वारा प्रदत्त मुलभुत सुविधाओं समय समय पर आयोजित शैक्षणिक भ्रमण संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, एवं व्यक्तित्व विकास के लिए आयोजित क्लासेज को महत्वपूर्ण बतलाया, इसके अलावा प्राध्यापकों द्वारा प्रदत्त सहयोग तथा मार्गदर्शन तथा उपलब्ध अत्याधुनिक सेंट्रल इंस्ट्रूमेंट लैब जिसके कारण अनुसन्धान कार्य को बढ़ावा मिलता है को दिया है। गौरतलब है की विगत वर्षों में भी संस्थान के विद्यार्थी तकनीकी विश्वविद्यालय की मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त करते रहे हैं, संस्थान प्रबंधन विभिन्न संकायों के प्राचार्यों, प्राध्यापकों ने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त सभी विद्यार्थियों को इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर अशेष बधाइयाँ देते हुए भविष्य में भी प्रदर्शन को जारी रखने की शुभकामनाएं भी प्रेषित की।

भावी पीढ़ी को अनमोल उपहार देने जल संरक्षण जरूरी : डॉ. डी.डी. ओझा

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

देश के प्रख्यात वैज्ञानिक और विज्ञान संचारक डॉ. डी.डी. ओझा ने कहा है कि प्राकृतिक जल इस पृथ्वी पर वह अनमोल उपहार है जिसके संचय, संरक्षण व संवर्धन हर व्यक्ति की प्रथम जिम्मेदारी है। शासकीय प्रतिष्ठानों ने जल संरक्षण की दिशा में पिछले दो दशकों से महत्वपूर्ण कार्य किया है किन्तु एक जन आंदोलन के तौर पर जल के संरक्षण व उसकी गुणवत्ता को बनाये रखने की जरूरत आज भी है। राजस्थान के जोधपुर शहर के रहने वाले डॉ. ओझा संक्षिप्त प्रवास पर राजधानी रायपुर पहुंचे थे, जहां हिन्दी दिवस पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में शामिल होकर राष्ट्रभाषा में लिखे अपनी पुस्तक जल शोधक - प्राचीन से अर्वाचीन पर प्रकाश डाल रहे थे। इस परिचर्चा में पीएचई विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता ए.के. साहू भी उनके साथ मौजूद थे, जो स्वयं भी राजधानी रायपुर, बस्तर, बिलासपुर, सरगुजा, दुर्ग संभाग के शहरी और दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में अपनी अनुकरणीय सेवाएं दी हैं। राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित इस परिचर्चा में डॉ. ओझा ने जन जागरूकता के प्रभावी कार्यक्रम हेतु मातृभाषा में संवाद व आलेखों के प्रस्तुतिकरण पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के कई महत्वपूर्ण अनुसंधान अंग्रेजी व अन्य विदेशी भाषाओं में लिपिबद्ध हैं किंतु भाषाई विभिन्नता की वजह से गूढ़ संदेश आम किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों की पहुंच से आज भी दूर है। उन्होंने नीरी जैसे शासकीय उपक्रमों की मुक्त कंठ सराहना की है, जिसने प्राकृतिक व मानव निर्मित जलाशयों में जल गुणवत्ता को उच्च स्तर पर बनाये रखने हेतु जैविक पद्धतियों का सहारा लेकर इस दिशा में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। इस दौरान छत्तीसगढ़ सरकार में अपनी दीर्घ सेवा देने वाले पूर्व मुख्य अभियंता अजय कुमार साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी भौगोलिक विभिन्नता के साथ कई तरह के खनिज तत्व यहां की मिट्टी में शामिल हैं, जिसकी वजह से खनिज की प्रकृति अनुरूप जल की गुणवत्ता में बदलाव देखने में आता है। इस कारण से ही फ्लोराइड, आर्सेनिक, कैल्शियम, आयरन जैसे कई खनिज तत्व मनुष्य के शारीरिक अंगों पर अपना प्रतिकूल प्रभाव भी दिखाते हैं। इस संबंध में व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों की जरूरत है। पानी की हर बूंद के संरक्षण की दिशा में समय रहते सोचना होगा एवं उपयोग किये गये पानी के पुनः उपयोग कर वाहनों को धोने, निर्माण कार्य व सिंचाई में किये जाने की प्रवृत्ति को प्रभावी ढंग से लागू करने की जरूरत है।परिचर्चा के सूत्रधार रायपुर स्मार्ट सिटी के पूर्व महाप्रबंधक (जन संपर्क) आशीष मिश्रा थे। दोनो वक्ताओं ने अपनी नवीनतम पुस्तक जल शोधन - प्राचीन से अर्वाचीन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए इसमें दिये सुझावों को आम नागरिकों के साथ ही साथ अरबन प्लानर, वास्तुविदों, सिविल अभियंताओं और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए भी महत्वपूर्ण संदर्भित मार्गदर्शिका के रूप में अत्यंत ही उपयोगी बताया। लगभग 130 पृष्ठ की इस पुस्तक का मूल्य 350 रूपये है एवं इसका प्रकाशन जोधपुर के साईन्टिफिक पब्लिशर्स ने किया है। डॉ. ओझा अपने इस प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ की विरासत, पौराणिक नगरी व प्राचीन राजधानी रतनपुर का भी भ्रमण कर इसके ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत होंगे।

निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू, मलेरिया, डायरिया जनजागरूकता रैली निकाली, नागरिकों को बचाव, सुरक्षा के उपायों की जानकारी से किया जागरूक

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा मानसून में नगर निगम की महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नागरिकों के मध्य मच्छर जनित रोग डेंगू, मलेरिया, जलजनित रोग डायरिया के प्रति जनजागरूकता रैली नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिशाइन हॉस्पिटल प्रबंधन के साथ मिलकर अमलीडीह मुख्य मार्ग में नागरिकों को डेंगू, मलेरिया, डायरिया के लक्षणो की जानकारी देने सहित बचाव और सुरक्षा के उपायों की सरल जानकारी देने नगर निगम जोन 10 जोन अध्यक्ष सचिन बी. मेघानी, वार्ड पार्षद गायत्री नौरंगे और विनय पंकज निर्मलकर के नेतृत्व और नगर निगम जोन 10 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा, स्वच्छता निरीक्षक यशवंत बेरिहा, सम्बंधित स्वास्थ्य कर्मचारियों की उपस्थिति में स्वच्छता दीदियों, सफाई मित्रों, मेडिशाइन हॉस्पिटल के स्टॉफ के प्रतिनिधि कर्मचारियों के सहयोग से निकाली गयी। नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग की ओर से अमलीडीह में घर-घर जाकर स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों ने जोन 10 जोन अध्यक्ष और वार्ड पार्षदों के नेतृत्व में जनजागरूकता पम्पलेट वितरित कर नागरिकों को मानसून में डेंगू, मलेरिया, डायरिया आदि रोगों के प्रति सजग और जागरूक रहकर जीवन में स्वस्थ रहने की विनम्र अपील की।

जादुई कलश चावल खींचता है, यह बताकर हजारों लोगों से करोड़ों की ठगी, चार को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

■ आरोपियों ने जादुई कलश, के नाम से लोगों को दिया था झांसा

पायनियर संवाददाता ◄ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

ग्राम चिड़ौरा, थाना कांसाबेल क्षेत्रांतर्गत निवासी अमृता बाई ने थाना पत्थलगांव में 7 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराया कि वर्ष 2021 में, आर.पी. ग्रुप नाम की कंपनी, जिसके मुख्य संचालक आरोपी तुरेंद्र कुमार दिव्य उर्फ मनीष कुमार दिव्य एवं राजेंद्र कुमार दिव्य हैं, के द्वारा आरोपी प्रकाश चंद्र धृतलहरे व उपेन्द्र कुमार सारथी के साथ मिलकर, यह बोलकर झांसे में लिया गया, कि कोरबा जिले के मंडवारानी में एक जादुई कलश मिला है, जिसे कि भारत सरकार के द्वारा जादुई कलश को विदेश में बेचा जायेगा, व उसके मुनाफे की राशि को, आर.पी. ग्रुप कंपनी में पैसा जमा करने वाले सदस्यों को अनुदान के रूप में दिया जाएगा, हर सदस्य को 1 से 5 करोड़ रुपए तक मिलेंगे, जिससे आरोपियों के झांसे में आकर प्रार्थिया भी सिक्यूरिटी मनी व प्रोसेसिंग फीस के रूप में 25000 रु जमा कर, उक्त आर.पी. ग्रुप कंपनी से जुड़ गई, आरोपियों के खिलाफ वर्ष 2021 से 2024 तक हजारों लोगों से ठगी करते हुए, करोड़ों रुपए लेकर, रकम वापस न कर उनके साथ धोखाधड़ी किया गया है। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना पत्थलगांव में आरोपियों के विरुद्ध भा.द.वि. की धारा 420,34 के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया था।

लगभग 2 करोड़ की ठगी – मामले की प्रारंभिक विवेचना के दौरान जशपुर पुलिस के द्वारा जब सरगुजा संभाग के विभिन्न जिलों के पीड़ित ग्रामीणों से पूछताछ की गई, तो पता चला कि आरोपियों के द्वारा लगभग 1 करोड़ 94 लाख रु की ठगी की गई थी, जांच के साथ साथ आरोपियों के द्वारा ठगी की रकम की बढ़ने की भी संभावना थी।

टीम बनाकर कई स्थानों में दबिश – चूंकि मामला हजारों ग्रामीणों से करोड़ों की ठगी से संबंधित था, अतः मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए, मामले की जांच व आरोपियों की पता साजी के लिए, पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के द्वारा, एसडीओपी

पत्थलगांव धुर्वेश कुमार जायसवाल के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित कर, बिलासपुर, कोरबा एवं सीतापुर भेजी गई थी, जिनके द्वारा कार्यवाही करते हुए, आर.पी.ग्रुप कंपनी के मुख्य संचालक राजेंद्र कुमार दिव्य, तुरेंद्र उर्फ मनीष कुमार दिव्य सहित उनके सहयोगी प्रकाश चंद्र धृतलहरे व उपेन्द्र कुमार सारथी को हिरासत में लेकर वापस लाया गया।

कलश से चावल को खींचने का दावा –पुलिस की पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि, उसके एक अन्य साथी जिसका नाम महेंद्र बहादुर सिंह ठाकुर है, के द्वारा उन्हें बताया गया था कि, उसके पास एक कलश है, जो कि काफी महंगे धातु का बना है, उसमें जादुई लक्षण हैं, जो कि चावल को भी खींच लेता है, उक्त कलश की विदेशों में कीमत अरबों रुपए में है, उक्त रकम को वह अकेला नहीं ले सकता है, कलश की बिक्री से उसे जो भी रकम मिलेगा, उसको अन्य लोगों को अनुदान के रूप में देने के लिए उसके द्वारा एक आर.पी.ग्रुप नाम की कंपनी बनाई गई है। जिसमें की महेंद्र बहादुर सिंह ठाकुर के द्वारा उक्त गिरफ्तार आरोपियों को आर.पी.ग्रुप का मुख्य (हेड) बनाया गया और उनके द्वारा अन्य बीस लोगों को ग्रुप में जोड़ते हुए, कंपनी का हेड बनाने हेतु कहा गया था व कलश को बिक्री करने के लिए विदेश के लोगों को बुलाना पड़ेगा, कहकर, उनके आने जाने, रुकने एवं रकम प्राप्ति में जो भी खर्च होगा, उसके लिए कंपनी में जुड़े सदस्यों से रकम इकट्ठा करने हेतु कहा गया, जिस पर उक्त आरोपियों के द्वारा ग्रुप में जुड़ने पर 1 से 5 करोड़ रुपए तक मिलेगा कहकर, ग्रामीणों को प्रलोभित करते हुए उनसे रकम वसूली गई थी।

25 हजार से 70 हजार तक लिए

पुलिस की जांच में मालूम चला है कि आरोपियों के द्वारा बिलासपुर व रायगढ़ संभाग के भी विभिन्न जिलों में, हजारों ग्रामीणों से उनके आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं फोटो लेकर, आर.पी.ग्रुप कंपनी में जुड़ने के लिए, के वाई सी. नॉमिनी व सिक्यूरिटी मनी तथा प्रोसेसिंग फीस के रूप में प्रति व्यक्ति 25000 रु से लेकर 50000, 70000 रु. तक ले रहे थे। आरोपियों के द्वारा भोले भाले ग्रामीणों को प्रलोभन देकर ठगी कर धोखाधड़ी करते हुए, करीबन 01 करोड़ 94 लाख रुपए लेना स्वीकार किया गया है। मामले में पुलिस की जांच जारी है, ठगी की रकम और भी बढ़ने की संभावना है। मामले में आरोपी महेंद्र बहादुर सिंह ठाकुर सहित एक अन्य आरोपी भी है फरार, पुलिस के द्वारा उनकी पता साजी की जा रही है, जिन्हें भी शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ये हैं आरोपी

पुलिस की पूछताछ पर अपराध स्वीकार करने व प्रयाप्त अपराध सबूत पाए जाने पर आरोपियों क्रमशः राजेंद कुमार दिव्य, उम्र 46 वर्ष, निवासी ग्राम जोरहा डबरी, थाना हरदी बाजार, जिला कोरबा, वर्तमान निवास अटल आवास, कबीर नगर, रायपुर। तुरेंद्र कुमार दिव्य उर्फ मनीष कुमार दिव्य उम्र 38 वर्ष, निवासी ग्राम जोरहा डबरी, थाना हरदी बाजार, जिला कोरबा, वर्तमान निवास भदरापारा, बालको नगर कोरबा। प्रकाश चन्द धृतलहरे, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम गोढ़ीकला, थाना पत्थलगांव, जिला जशपुर। उपेन्द्र कुमार सारथी, उम्र 56 वर्ष, निवासी लीचीरमा, थाना सीतापुर, जिला सरगुजा (छ. ग) को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। पुलिस के द्वारा आरोपियों के कब्जे से कुछ आवश्यक दस्तावेज, एक कार व मोबाइल को जप्त किया गया है, जिसके कुल कीमत 13 लाख रु. है।

इनकी रही प्रमुख भूमिका

मामले की कार्यवाही व आरोपीयों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी पत्थलगांव निरीक्षक विनीत कुमार पांडे, सहायक उप निरीक्षक लखेश साहू, आरक्षक आशीषन टोप्पो, तुलसी रात्रे, कमलेश्वर वर्मा, आलोक मिंज की सराहनीय भूमिका रही है।

चार गिरफ्तार हुए

पत्थलगांव में दर्ज एक ठगी के मामले का खुलासा किया है, जिसमें ठगों के द्वारा हजारों ग्रामीणों से कलश के नाम पर करोड़ों रुपए की ठगी की गई थी, चार आरोपी ठगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, दो आरोपी फरार है जिसकी पता साजी की जा रही है, मामले में पुलिस की जांच जारी है, ठगी की रकम और भी बढ़ने की संभावना है।

–शशि मोहन सिंह,
एसएसपी जशपुर

महाकुल समाज के द्वारा ब्लॉक इकाई सुरजुला शिव मंदिर के प्रांगण में मनोनयन कार्यक्रम आयोजित

पायनियर संवाददाता ◄ मनोरा
www.dailypioneer.com

विकासखंड मनोरा के ग्राम सुरजुला शिव मंदिर परिसर सामुदायिक भवन में विकास खंड इकाई का मनोनयन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रेम कुमार यादव प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। साथ ही गणमान्य समाज बंधुओं की गरिमामयी उपस्थिति में प्रभाकर यादव को ब्लॉक अध्यक्ष और शंकर यादव को ब्लॉक सचिव एवं जगेश्वर यादव कोषाध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन किया गया। जिसमें सर्व सहमति से मनोनयन /चयन के तहत लीलाधर यादव, शेखर यादव, बैसाखू यादव, नंद कुमार यादव को मनोरा ब्लॉक उपाध्यक्ष और गंगाधर यादव सह कोषाध्यक्ष एवं विशेष ब्लाक कार्यकारिणी सदस्य मोहन

यादव, रुकेश्वर यादव, सुरेश यादव, लक्ष्मी यादव, खगेश्वर यादव, महेश यादव घनश्याम यादव, बेनु यादव ईश्वर यादव पुरनो यादव महकुल समाज विकास खंड मनोरा इकाई के पद पर मनोनित किये गए। ब्लॉक स्तरीय महासभा में उपस्थित समस्त पदाधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से पधारे समाज के वरिष्ठ समाजसेवियों सह समाज बंधुओ को नव निर्वाचित ब्लाक अध्यक्ष प्रभाकर यादव के द्वारा आभार व्यक्त करते हुए अपने उदबोधन में कहा कि यादव समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। इसे सिर्फ और सिर्फ बचाए रखने की जरूरत है। वक्ताओं ने भी लोगों से समाज के उत्थान में सहयोग करने की बात कही। और कार्यक्रम का समापन किया गया।

पामगढ़ में पत्रकार भवन निर्माण के लिए छत्तीसगढ़ मीडिया एसोसिएशन ने विधाएक को सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता ◄ पामगढ़
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ मीडिया एसोसिएशन के संरक्षक टी.एस. कंवर, प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश रात्रे के मार्गदर्शन में जिला जांजगीर-चांपा टीम ने पामगढ़ नगर पंचायत में पत्रकार भवन निर्माण के लिए स्थानीय विधायक शेषराज हरवंश से राशि स्वीकृति की मांग की। इस संबंध में संघ के जिलाध्यक्ष शनि सूर्यवंशी ने के नेतृत्व में संघ ने विधायक को एक ज्ञापन सौंपा और अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ मीडिया एसोसिएशन एक पंजीकृत सामाजिक एवं पत्रकार कल्याणकारी संगठन है, जो भारत सरकार के नीति आयोग एवं छत्तीसगढ़ शासन से विधिवत पंजीकृत है। संगठन का उद्देश्य पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा करना, उनके सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए कार्य करना तथा समाज में जनजागरूकता एवं विकासोन्मुख गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है। पत्रकार समाज लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जो शासन-प्रशासन और जनता के बीच सेतु का कार्य करता है। पामगढ़ क्षेत्र के पत्रकारों के लिए एक स्थायी पत्रकार भवन की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही है, ताकि पत्रकारों के प्रशिक्षण, बैठक, कार्यशाला एवं सामाजिक-जनहितकारी गतिविधियों का संचालन व्यवस्थित रूप से किया जा सके। एसोसिएशन की मांग को विधायक ने पूरी गंभीरता से सुना को और पूर्ण आश्वासन दिलाया कि राशि स्वीकृति कराने त्वरित पहल उनके द्वारा की जाएगी। इस दौरान राघवेंद्र प्रताप सिंह पूर्व उपाध्यक्ष जिला पंचायत जांजगीर-चांपा, ठाकुर नवल सिंह अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पामगढ़, नीरज खूंटे विधायक प्रतिनिधि पामगढ़, कल्याण बर्मन सहित छत्तीसगढ़ मीडिया एसोसिएशन जांजगीर चांपा जिला अध्यक्ष शनि सूर्यवंशी, जिला महासचिव पंकज कुर्रे सहित संघ के पदाधिकारी सदस्यगण उपस्थित रहे।

निशक्त जन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने स्पीच थेरेपी सेन्टर का अवलोकन किया

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित वाणी वाचन, एवं श्रवण अनुसंधान एवं विशेष दिव्यांग बच्चों का स्कूल शिक्षा का मन्दिर का लोकेश कावड़िया अध्यक्ष निःशक्त जन वित्त एवं विकास निगम ने अवलोकन किया। सप्रे शाला परिसर में स्थित छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद का मुख्य कार्यालय के साथ पूरे परिसर में होने वाले स्पीच थेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, बिहेवियर थेरेपी, श्रवण क्षमता की जांच करने वाली बेरा मशीन, आदि सभी का सूक्ष्मता से अवलोकन करने के पश्चात कावड़िया ने उपस्थित बच्चों के अभिभावकों से भी बच्चों के प्रोग्रेस के बारे में जानकारी ली और परिषद

द्वारा किए जा रहे कार्य को सराहा और भविष्य में उनके द्वारा यथा संभव सहयोग करने की बात कही। इस दौरान मेट्स विश्वविद्यालय में विदेशों से अध्ययन करने वाले छात्रों का भी एक दल स्पीच थेरेपी सेन्टर देखने पहुंचे थे और भविष्य में इस संस्थान में इंटरशिप करने की इच्छा व्यक्त किए। इस अवसर पर लोकेश कावड़िया को शाल, श्रीफल, एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर परिषद के महासचिव चंद्रेश शाह, कोषाध्यक्ष इंदिरा जैन, संयुक्त सचिव राजेन्द्र कुमार निगम कार्यकारिणी सदस्य छगनभाई पटेल और परिषद के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय पाठक को पुलिस ने किया गिरफ्तार, जुरुडांड़ मामले में सीएम का कर रहे थे विरोध

पायनियर संवाददाता ◄ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

बगीचा के जुरूडांड में हुए हादसे के विरोध में तथा पीड़ित परिवार को 50 लाख मुआवजे की मांग को लेकर मुख्यमंत्री का विरोध करने जा रहे युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं उनके साथियों को पुलिस ने बंदरचुआ में गिरफ्तार किया। जिलाध्यक्ष युवा कांग्रेस जशपुर संजय पाठक, अजित साय विधानसभा अध्यक्ष युवा कांग्रेस जशपुर विवेकानंद दास महंत, जिला महासचिव सोमल तिर्की, बगीचा ब्लॉक अध्यक्ष युवा कांग्रेस हेमानंद यादव, युवा नेता रोहित भगत, अरशद खान, सुदर्शन विश्वकर्मा, विवेक यादव, कपिल, संजय सोनी, उमा यादव, सिद्धेश्वर राम उपस्थित थे।

संत गहिरा गुरु महाविद्यालय में सुरक्षित भविष्य को लेकर एसएसपी की अध्यक्षता में जागरूकता कार्यशाला आयोजन

पायनियर संवाददाता ◄ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

श्री रामेश्वर गहिरा गुरु संस्कृत महाविद्यालय, सामरवार में पुलिस प्रशासन एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में, पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के नेतृत्व और यूनिसेफ जिला समन्वयक के सहयोग से सजग समाज सुरक्षित भविष्य कार्यक्रम अंतर्गत एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उददेश्य युवाओं को मानव तस्करी, यातायात सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, बाल विवाह, पढ़ाई का कोना, बॉडी शेमिंग सहित समसामयिक एवं सामाजिक मुददों पर जागरूक करना था। पुलिस विभाग से

टी.आई. संतलाल ने साइबर सुरक्षा पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए प्रेरित किया तथा पुलिस विभाग की सहयोगात्मक भूमिका को रेखांकित किया। डॉ. राजीव रंजन तिग्गा (प्राध्यापक एवं एनएसएस अधिकारी, शासकीय महाविद्यालय बगीचा) ने संगीत के माध्यम से मानव तस्करी और यातायात सुरक्षा पर प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया और सभी को जागरूक किया। कु. शालिनी गुप्ता, यूनिसेफ परियोजना की ब्लॉक समन्वयक, ने पढ़ाई का कोना, आज क्या सीखा, मानव तस्करी तथा नोनी सुरक्षा दल की महत्ता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 तथा पुलिस हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी विद्यार्थियों को अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विद्याकांत त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम का परिचयात्मक वक्तव्य प्रो. विद्यासागर उपाध्याय ने दिया। इस अवसर पर डॉ. बृजभूषण चतुर्वेदी, बालकृष्ण त्रिपाठी, प्रधानपाठक राजवाड़े, वीरेंद्र वैष्णव सहित अनेक शिक्षाविद एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रासेयो दलनायक तुलेश्वर सेवक राम एवं कक्षा नायक विशाल ने किया। स्वागत गीत प्रभा चुनेश्वरी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

स्वास्थ्य विभाग ने सरकारी स्कूलों में किया नेत्र जांच पखवाड़े का आयोजन

पायनियर संवाददाता ◄ सक्ती
www.dailypioneer.com

कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा बच्चों की नेत्र सुरक्षा के लिए स्कूलो में नेत्र जांच पखवाड़ा शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. पूजा अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन और देखरेख में आज जिले के चार प्रमुख विद्यालयों में शिविर आयोजित हुए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कसेरपारा (सक्ती), प्राथमिक शाला देवरी, प्राथमिक शाला सोठी और शासकीय पूर्व माध्य शाला मालखरौदा में विशेषज्ञ टीम और प्रबंधन स्वास्थ्य विभाग की विशेष नेत्र परीक्षण इकाई, नेत्र सहायक अधिकारी एवं सहयोगी कर्मचारियों ने मिलकर शिविर का आयोजन किया। हर विद्यालय में बच्चों की दृष्टि तीक्ष्णता, रंग

पहचान और निकट-दृष्टि, दूर-दृष्टि दोष का परीक्षण आधुनिक उपकरणों से किया गया। साथ ही, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को दृष्टि स्वास्थ्य बनाए रखने के उपाय, जैसे नियमित नेत्र परीक्षण, पौष्टिक आहार और नेत्र स्वच्छता के महत्व पर मार्गदर्शन दिया गया। डॉ. पूजा अग्रवाल ने उपस्थित अभिभावकों को कहा कि स्वस्थ दृष्टि हर विद्यार्थी के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जिले के किसी भी बच्चे को नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहना पड़े।

पर्यावरण संरक्षण एवं शोध हेतु चैतन्य विज्ञान एवं कला महाविद्यालय पामगढ़ और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ भोपाल के मध्य हुआ करार

जैव विविधता संरक्षण में युवा वर्ग की भागीदारी अनिवार्य है : डॉ. स्वाति मोघे

पायनियर संवाददाता ◄ पामगढ़
www.dailypioneer.com

चैतन्य विज्ञान एवं कला महाविद्यालय, पामगढ़ और वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर के भोपाल स्थित कार्यालय के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता पत्र (एल.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का मुख्य उददेश्य पर्यावरण संरक्षण, शोध एवं जागरूकता गतिविधियों को सशक्त बनाना और विद्यार्थियों को इन कार्यों में सक्रिय रूप से जोड़ना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर के कार्यक्रम कार्यान्वयन, निगरानी एवं प्रबंधन विभाग की राज्य निदेशक (मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़) डॉ स्वाति मोघे उपस्थित रहीं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डब्ल्यू डब्ल्यू एफ के एक्टिविस्ट

अभय राय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। उदबोधन के क्रम में सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वी.के. गुप्ता ने अपने स्वागत भाषण में अतिथियों का परिचय देते हुए कहा कि डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के साथ यह साझेदारी महाविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण क्षण है । उन्होंने इसे विद्यार्थियों और समाज के हित में एक ऐतिहासिक पहल बताया। मुख्य अतिथि डॉ स्वाति मोगे ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जैव विविधता संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग और युवा वर्ग की भागीदारी की अनिवार्य है। उन्होंने डबल्यू डबल्यू एफ ऐतिहासिक पहलू के बारे जानकारी देते हुए पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से डबल्यू डबल्यू एफ की गतिविधियां के विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरणीय हितैषी नवोन्मेषी के किए प्रेरित किया। उन्होंने महाविद्यालय की ओर से किए जा रहे पर्यावरणीय जागरूकता अभियानों की सराहना भी की। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ एक्टिविस्ट अभय राय ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल संस्थागत प्रयास नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है। युवा पीढ़ी को अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव लाकर बड़े परिवर्तन की दिशा में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कैंपस इंगेजमेंट प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के संचालक वीरेंद्र तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह एल.ओ.यू. केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का एक ठोस कदम है। यह एल.ओ.यू. दोनों संस्थानों के लिए एक मील का पत्थर सिद्ध होगा, जिसके माध्यम से संयुक्त रूप से शोध, प्रशिक्षण तथा समुदाय केंद्रित पर्यावरणीय गतिविधियों को और अधिक गति प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर के वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक, डॉ. गरिमा तिवारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज शिक्षा और पर्यावरणीय संस्थानों का सहयोग समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

पुस्तक मित्र बनाएं और उससे प्रेरणा लेते रहें : सालिक साय

पायनियर संवाददाता ◄ जशपुर
www.dailypioneer.com

ज्ञान और शिक्षा की रोशनी से समाज को दिशा देने वाले पुस्तकों का महत्व सर्वविदित है। इसी क्रम में शासकीय राम भजन राय एन.ई.एस. स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक भव्य पुस्तक मेले का आयोजन किया गया। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों के लिए ज्ञान का पर्व साबित हुआ, बल्कि साहित्य प्रेमियों, शोधकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के लिए भी एक अद्वितीय अनुभव लेकर आया। इस पुस्तक मेले का उदघाटन मुख्य अतिथि सालिक साय, जिला पंचायत अध्यक्ष के करकमलों द्वारा किया गया। उनके साथ सामाजिक कार्यकर्ता संतोष सिंह, मुकेश सोनी, राहुल गुप्ता, नरेश गुप्ता, वैष्णव उपस्थित रहे। उदघाटन सत्र में सालिक साय ने कहा कि पुस्तकें मानव जीवन की सबसे बड़ी साथी होती हैं। बदलते समय में जहां डिजिटल माध्यम ने हमारी पढ़ने की

आदतों को प्रभावित किया है, वहीं पुस्तक मेला हमें किताबों के महत्व और उनके प्रति प्रेम को फिर से जाग्रत करता है। मुख्य अतिथि सालिक साय ने यह भी कहा कि समाज के विकास में शिक्षा का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्र छात्राओं से आह्वान किया कि वे मोबाइल और इंटरनेट की दुनिया में भी पुस्तकों के महत्व को न भूलें। उन्होंने कहा कि एक अच्छी पुस्तक आपके जीवन की दिशा बदल सकती है। इसलिए हमेशा पुस्तक मित्र बनाएँ और उससे प्रेरणा लेते रहें। उन्होंने महाविद्यालय प्रबंधन एवं आयोजन समिति को पुस्तक मेले के आयोजन के लिए बधाई दिया। पुस्तक मेले में विभिन्न विषयों की हजारों पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया। पुस्तक मेले में अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम, अजीम प्रेम जी फाउंडेशन, अखिल विश्व गायत्री परिवार एवं बनर्जी ब्रदर्स, जशपुर ने अपने पुस्तक स्टॉल लगाए। मेले में स्थानीय लेखकों और कवियों डॉ. विजय कुमार रक्षित, डॉ. राजीव रंजन तिग्गा, अनीता गुप्ता, डॉ. मिथिलेश पाठक, राजेंद्र प्रेमी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ का
रजत जयंती वर्ष

बदला दौर, आई चेहरों पर खुशहाली की झलक

सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति से हो रहा सकारात्मक सामाजिक- आर्थिक बदलाव

छत्तीसगढ़ राज्य इस वर्ष 2025 में अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। एक राज्य के रूप में अस्तित्व में आने के बाद छत्तीसगढ़ में अपनी सतत विकास यात्रा शुरू की। इस विकास यात्रा के दौरान कई चुनौतियां भी आईं। राज्य में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव के नेतृत्व में सरकार गठन के बाद अब तेजी के साथ सामाजिक आर्थिक विकास हो रहा है। राज्य में डबल इंजन की सरकार काम कर रही है और लोगों के चेहरे पर समृद्धि और खुशहाली की झलक भी नजर आने लगी है। सरकार ने सामाजिक आर्थिक विकास के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए लोक कल्याण की ऐसी योजनाएं तैयार की हैं, जिनके प्रभाव से आने वाले समय में छत्तीसगढ़ देश के विकसित राज्यों में से एक होगा। पिछले 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने अनेक चुनौतियों के बावजूद सतत विकास की दिशा में कदम बढ़ाया है। राज्य ने औद्योगिक, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, और सामाजिक न्याय के क्षेत्रों में संतुलित विकास करते हुए देश में अपनी अलग पहचान बनाई है। आगामी वर्षों में छत्तीसगढ़ को हरित विकास, डिजिटल नवाचार और सामाजिक समावेशन को प्राथमिकता देते हुए और भी ऊंचाइयों तक पहुंचने की जरूरत है। यदि यही गति और समर्पण बना रहा, तो छत्तीसगढ़ "समृद्ध छत्तीसगढ़" की अवधारणा को साकार करते हुए देश के अग्रणी राज्यों में अपना स्थान सुनिश्चित करेगा।

सतत् विकास की राह

शिक्षा
सन् 2025
- शिक्षा सूचकांक: 0.520
- 32 हजार 461 प्राइमरी स्कूल
- महिला साक्षरता 70% से अधिक
- 09 शासकीय और 17 निजी विवि
- 15 मेडिकल कॉलेज

सन् 2000
- शिक्षा सूचकांक: 0.249
- प्राथमिक विद्यालयों की संख्या सीमित, ग्रामीण क्षेत्रों में कमी
- महिला साक्षरता 50% से कम
- उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या कम

स्वास्थ्य
सन् 2025
- स्वास्थ्य सूचकांक: 0.672
- शिशु मृत्यु दर: प्रति हजार जीवित जन्म पर 38

सन् 2000
- स्वास्थ्य सूचकांक: 0.585
- शिशु मृत्यु दर: प्रति हजार जीवित जन्म पर 77
- ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचा कमजोर

उद्योग
सन् 2025
- औद्योगिक योगदान: 42.4%
- इस्पात, सीमेंट, बिजली उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में
- बड़े औद्योगिक निवेश क्षेत्र का विस्तार और औद्योगिक पार्क स्थापित

सन् 2000
- औद्योगिक योगदान राज्य की अर्थव्यवस्था में लगभग 30%
- प्रमुख रूप से खनन और इस्पात आधारित उद्योग
- सीमित निवेश व बड़े औद्योगिक क्षेत्रों की कमी

रोजगार
सन् 2025
- बेरोजगारी दर: 2.4%
- महिला श्रम भागीदारी दर: 59.8%
- महिला समूह योजनाओं से रोजगार में वृद्धि
- कृषि के साथ उद्योग, आईटी, पर्यटन, सेवा क्षेत्र व स्वरोजगार में भी रोजगार के अवसर

सन् 2000
- बेरोजगारी दर लगभग 6%
- महिला श्रम भागीदारी दर 30%
- स्वरोजगार योजनाएं सीमित
- छत्तीसगढ़ की ज़्यादातर आबादी सिर्फ खेती और पारंपरिक कामों पर निर्भर थी

कृषि
सन् 2025
- 21.76 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता का विस्तार
- सिंचाई नेटवर्क और खरीदी केंद्रों समेत उत्पादन तकनीक को बढ़ावा
- धान उत्पादन में देश के शीर्ष राज्यों में

सन् 2000
- 13.28 लाख हेक्टेयर थी सिंचाई क्षमता
- सिंचाई के सीमित संसाधन, वर्षा पर निर्भरता ज्यादा, तकनीक की कमी
- कृषि कार्य हेतु बैल और पारंपरिक औजारों पर निर्भरता

25 वर्षों की विकास यात्रा

छत्तीसगढ़ राज्य का गठन 1 नवंबर 2000 को हुआ था, जब यह मध्यप्रदेश से अलग होकर एक नया राज्य बना। जनजातीय बहुल यह प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों, सांस्कृतिक विविधता और कृषि पर आधारित अर्थव्यवस्था के लिए जाना जाता है। अपने गठन के 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने विकास की एक लंबी और प्रेरणादायक यात्रा तय की है। यह यात्रा राज्य की आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में किए गए प्रयासों का सजीव प्रमाण है।

आर्थिक क्षेत्र में प्रगति

छत्तीसगढ़ ने बीते दो दशकों में आर्थिक मोर्चे पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है। खनिज संसाधनों से समृद्ध यह राज्य देश की इस्पात, कोयला और बिजली उत्पादन में अग्रणी है। औद्योगिक विकास के क्षेत्र में विशेष रूप से भिलाई, कोरबा, रायगढ़ और जगदलपुर जैसे शहरों में तेजी से प्रगति हुई है। राज्य सरकार की औद्योगिक नीति ने निवेशकों को आकर्षित किया है और रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। राज्य के बजट का आकार कई गुना बढ़ा है जिससे अधोसंरचना और सामाजिक विकास में प्रगति आई है।

कृषि और ग्रामीण विकास

छत्तीसगढ़ को "धान का कटोरा" कहा जाता है। कृषि इस राज्य की रीढ़ है और किसानों की स्थिति सुदृढ़ करने के लिए सरकार ने कई योजनाएं चलाई हैं। बकाया धान बोनस भुगतान, ₹3100 प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी, सौर सुजला योजना जैसी योजनाएं किसानों को समृद्धि की ओर ले जा रही हैं। इन योजनाओं से किसानों को सीधा लाभ पहुंचा है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। जल-संसाधनों के बेहतर उपयोग और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से कृषि उत्पादकता में भी वृद्धि हुई है।

शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार

राज्य सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। विद्यालयों के अधोसंरचना में सुधार, डिजिटल शिक्षा का विस्तार, पीएम श्री विद्यालय, छात्रवृत्ति योजनाएं और "शालाओं का युक्तियुक्तकरण" जैसे कदमों से शिक्षा का स्तर बेहतर हुआ है। स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में मजबूती आई है और शहरों से लेकर गांवों तक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार हुआ है। नए मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केद्रों की स्थापना से सुदूर इलाकों तक लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुनिश्चित हुई है।

सड़क और बुनियादी ढांचे का विकास

छत्तीसगढ़ में सड़कों का जाल लगातार विस्तृत हो रहा है। गांव-गांव तक सड़क पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और राज्य सरकार की योजनाएं प्रभावी साबित हुई हैं। रेलवे, हवाई सेवा और नगरीय ढांचे में सुधार ने कनेक्टिविटी को नया आयाम दिया है। रायपुर का नया रेल कॉरिडोर, रायपुर- विशाखापट्टनम एक्सप्रेस वे, रायपुर-धनबाद एक्सप्रेस वे नई सड़क परियोजना, जगदलपुर हवाई सेवा और बिलासपुर स्मार्ट सिटी परियोजना इसके उदाहरण हैं।

राज्य का बजट आकार
- 2001-02- 3,999 करोड़
- 2025-26- 1,65,000 करोड़

राज्य सकल घरेलू उत्पाद
- 2001-02- 25,845 करोड़
- 2025-26- 6,35,918 करोड़ (अनुमानित)

शासकीय विद्यालय
- 2001-02- 38050
- 2024-25- 56615

बेरोजगारी दर
- 2017-18- 3.5%
- 2025-26- 2.5%

शासकीय महाविद्यालय
- 2001-02- 116
- 2025-26- 335

शासकीय विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या
- 2001-02- 21000
- 2024-25- 278605

घरेलू विद्युतीकरण
- 2001-02- 18 %
- 2025-26- 100 %

विश्वविद्यालय
- 2000 में 4
- 2025 में 26

जिला अस्पताल
- 2001-02- 6
- 2025-26- 30

राष्ट्रीय राजमार्ग
- 2001-02- 1810 किलोमीटर
- 2022-23- 3620.450 किलोमीटर

स्टेट हाईवे
- 2001-02- 2074 किलोमीटर
- 2025-26- 4310 किलोमीटर

ग्रामीण सड़क
- 2001-02- 28393 किलोमीटर
- 2022-23- 160116 किलोमीटर

सामाजिक- आर्थिक बदलाव लाने वाली योजनाएं

महतारी वंदन योजना
माताओं- बहनों को प्रतिमाह ₹1000 की आर्थिक सहायता

तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक वृद्धि
तेंदूपत्ता संग्राहकों का संग्रहण पारिश्रमिक ₹4,000 से बढ़ाकर ₹5,500 प्रति मानक बोरा

चरण पादुका योजना
तेंदूपत्ता संग्राहकों को चरण पादुका का वितरण

नियद नेल्ला नार योजना
बस्तर के संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के कैंपों के समीप स्थापित 327 गांवों में तीव्र सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए समन्वित योजना कार्यक्रम

सौर सुजला योजना
अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के किसानों को सिंचाई के लिए सोलर पंप की सहायता

बस्तर और सरगुजा विकास प्राधिकरण
आदिवासी बाहुल्य बस्तर और सरगुजा क्षेत्र में समन्वित विकास के लिए स्थापित विशेष प्राधिकरण

कृषक उन्नति योजना
किसानों पर फसल उत्पादन के लागत मूल्य का बोझ कम करने के लिए आदान सहायता

नक्सल उन्मूलन कार्यक्रम
इस तीव्र अभियान के तहत पिछले 20 महीने के अंदर 450 से अधिक नक्सलियों को किया न्यूट्रलाइज, 1589 से अधिक ने किया आत्मसमर्पण

Samvad-44464/3

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2024-26, दूरभाष नंबर 0771-2972403